CMYK
www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार ... छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025 । वर्ष – 35 । अंक –100 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु

राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए

भाजपा के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहा चुनाव आयोग

- कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,,25 वोटों की हेराफेरी हुई
- राहुल ने पांच प्रकार की गड़बड़ियों का किया जिक्र
- महाराष्ट्र में 4 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान की नींव 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर टिकी है। इसलिए जब चुनाव होते हैं तो सबसे जरूरी सवाल यह है कि क्या सही लोगों को वोट डालने की अनुमति मिल रही है? क्या वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं? क्या वोटर लिस्ट सटीक है? उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से लोगों में संदेह बढ़ता जा रहा है। उन्होंने पांच मुख्य बिंदु गिनाए और कहा कि भाजपा को कभी भी एंटी-इनकंबेंसी (विरोधी लहर) का सामना नहीं करना पड़ता। भाजपा को अप्रत्याशित और बड़ी जीत मिल जाती है। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल बार-बार गलत साबित हो जाते हैं। मीडिया द्वारा तैयार किया गया माहौल और चुनाव कार्यक्रम को सोच-समझकर 'कोरियोग्राफ' करना भी इन पांच बिंदुओं में शामिल हैं।

> महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे: राहुल गांधी

5 तरह से वोट चोरी का दावा

-डुप्लीकेट वोटर्स:	11,965
-फेक एड्रेस:	40,009 वोटर्स
-एक पते पर	80 और 46 वोटर
-अवैध फोटो:	4132 वोटर्स
-फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल	

5 बजे के बाद वोटिंग में जबरदस्त उछाल

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में उन्हें इन संदेहों के पीछे की असल तस्वीर दिखने लगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे। कई क्षेत्रों में जितने वोटर जोड़े गए, वह उन इलाकों की पूरी आबादी से भी ज्यादा थे। 5 बजे के बाद वोटिंग में अचानक जबरदस्त उछाल आया, लेकिन मतदान केंद्रों पर लाइनें नहीं थीं। महाराष्ट्र के चुनाव का डेटा दिखाकर आरोप

⇨ शेष पृष्ठ 2 पर ⇨

कर्नाटक के चुनाव अधिकारी ने राहुल से मांगा जवाब

राहुल गांधी के आरोपों के बाद कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने उन्हें पत्र लिखा। राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि निर्वाचन नियमों के तहत, अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची की वैधता पर सवाल उठाता है, तो उसे लिखित में विवरण देना होता है। पत्र में राहुल से अपेक्षा की गई है कि वे नियम 20(3)(b) के तहत शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर ऐसे मतदाताओं के नाम उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दावों की जांच की जा सके और यदि आवश्यक हो तो कानूनी कार्रवाई भी शुरू की जा सके।

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया

भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी पर गुरुवार को निशाना साधते हुए इसे अमर्यादित और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी हताशा में देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने श्री गांधी की आयोग के अधिकारियों के संबंध में 'चुन चुन कर, देख लूंगा, और उनको छोड़ूगा नहीं' जैसी टिप्पणियों पर कहा कि देश के अधिकारियों को धमकी दिया जाना बेहद निंदनीय है। यह एक तरह से लोकतंत्र पर आघात है।

हाफ नहीं हम मुफ्त बिजली की ओर बढ़ रहे : मुख्यमंत्री

रायपुर, 7 अगस्त(देशबन्धु)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ाया है। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, प्रधानमंत्री इस पर बोल चुके हैं। वैसे ट्रंप से ऐसी उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमारे पीएम, मंत्रिमंडल सब देख रहे है।

ट्रंप से ऐसी उम्मीद नहीं थी : साय

वहीं बिजली बिल हाफ योजना में बदलाव पर कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा, बिजली बिल हाफ से हम मुफ्त बिजली की ओर जा रहे हैं। इसमें भारी सब्सिडी जनता को दी जा रही है। लोगों को इसके लिए बैंक से लोन के लिए भी प्रयास कर रहे हैं। लोगों से आवेदन मंगाए गए हैं।

इस साल के अंत में राहुल गांधी के संभावित दौरे को लेकर विष्णु देव साय ने कहा, उनका दौरा तो विभिन्न चुनाव में होता रहा है।उनके दौरे पर क्या होता है पूरी दुनिया जानती है।

मुख्यमंत्री ने जांजगीर चांपा दौरे को लेकर कहा, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक जांजगीर में रखी गई है। डिप्टी सीएम साव और विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष खुशवंत साहेब भी साथ हैं। अन्य मंत्री भी बैठक में शामिल होंगे।

सार संक्षेप

हनी सिंह के गाने पर बवाल, महिला आयोग ने किया तलब

चंडीगढ़। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनका नया गाना 'मिलनायर' सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है लेकिन इसी गाने में महिलाओं के प्रति कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल को लेकर हंगामा मच गया है। इस गाने के खिलाफ पंजाब राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए एक्शन की मांग की है। आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने इस मामले में पंजाब के डीजीपी को पत्र लिखकर इस विवाद पर नोटिस लेने की अपील की है।

कैलाश यात्रियों का दल एक दिन की देरी से पहुंचा गुंजी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के धारचूला में फंसा कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दल आखिरकार एक दिन की देरी से गुरुवार को गुंजी पहुंच गया। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने चौथे दल को आज धारचूला से रवाना किया। बताया जा रहा है कि 48 सदस्यीय यह दल गुरुवार दोपहर में सकुशल गुंजी पहुंच गया था। इससे प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) मार्ग को खोलने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से युद्धस्तर पर काम कर रहा था।

चुनाव से पहले 6 आईपीएस और 26 डीएसपी का स्थानांतरण

पटना। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। इससे पहले बिहार सरकार ने गुरुवार को छह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला किया है। इसके अलावा, 26 पुलिस उपाधीक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है। इसकी अधिसूचना बिहार गृह विभाग ने जारी कर दी है।

पंजाब में 'भूमि कानून' के खिलाफ उतरेगा अकाली दल

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के 'भूमि कानून' के खिलाफ विरोध थम नहीं रहा है। शिरोमणि अकाली दल ने आम आदमी पार्टी पर जमीन हड़पने के आरोप लगाते हुए एक सितंबर से आंदोलन का ऐलान किया है।

किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कृषि के क्षेत्र में स्वामीनाथन के योगदान को स्मरण करते हुए किसानों के भविष्य, उनकी आय वृद्धि और हितों को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर अपने भावुक संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाइयों-बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा।

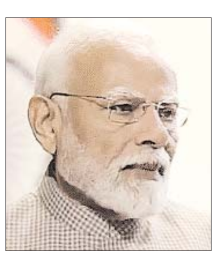

> भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वे जानते हैं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के किसानों के लिए, मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशुपालकों के लिए भारत तैयार है। किसानों की आय बढ़ाने, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्त्रोत बनाने के लक्षों पर हम लगातार काम कर रहे हैं।

किसानों की ताकत देश की प्रगति का आधार–उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनी, उनमें सिर्फ मदद नहीं थी, किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी था। पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में पीएम धन धान्य योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत उन 100 जिले को चुना गया है, जहां खेती पिछड़ी रही। यहां सुविधाएं पहुंचाकर, किसानों को आर्थिक मदद देकर, खेती में नया भरोसा पैदा किया जा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाए गए हैं। नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपए का शुल्क जमा करना होगा। शुल्क नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जा सकता है या उससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी ट्रेजरी में जमा कराकर उसकी रसीद प्राप्त की जा सकती है।

- 21 अगस्त तक दाखिल किए जा सकते हैं नामांकन

जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को एक भीषण हादसा हुआ। सीआरपीएफ का एक वाहन गहरी खाई में गिर गया जिससे कम से कम तीन सीआरपीएफ जवानों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। इनमें से कई गंभीर रूप से घायल गए

दुर्घटना में 12 अन्य घायल हुए

यह हादसा बसंतगढ़ इलाके के कंडवा के पास सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। उधमपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भट्ट ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बचाव अभियान शुरू किया और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि वाहन कई सौ फीट नीचे लुढ़क गया, जिससे उसमें सवार कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

धराली हादसा : अब तक 274 लोगों को बचाया गया

देहरादून, 7 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में आई आपदा के बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे के बीच फंसे लोगों की सकुशल वापसी के लिए सेना, वायुसेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। अब तक गंगोत्री और अन्य क्षेत्रों से कुल 274 लोगों को हर्षिल लाया गया है, जिनमें गुजरात के 131, महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम और कर्नाटक के 5-5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक व्यक्ति शामिल हैं। सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं और इन्हें उत्तरकाशी या देहरादून भेजा जा रहा है। 9 सैन्यकर्मी और 7 आम नागरिक अभी भी लापता हैं।

निसार उपग्रह प्रतिदिन 14 बार करेगा पृथ्वी की परिक्रमा

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह निसार प्रतिदिन 14 बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और प्रत्येक 12 दिन में दो बार पृथ्वी की स्थलीय और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। इसे 30 जुलाई को भारतीय अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।

निसार न केवल नासा और इसरो के बीच पृथ्वी मिशन का पहला हार्डवेयर सहयोग है बल्कि यह एक अंतरिक्ष यान पर एल-बैंड और एस-बैंड रडार को एक साथ लाने वाला पहला उपग्रह भी है। यह उपग्रह रूप से शक्तिशाली सिंथेटिक एपर्चर रडार बनाता है जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा प्रदान करेगा जिससे वैज्ञानिकों को पृथ्वी की भूमि एवं बर्फ की सतहों पर व्यापक रूप से निगरानी करने में मदद मिलेगी और समय के साथ उनमें होने वाले परिवर्तनों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा। इस उपग्रह के वैज्ञानिक उपकरणों में एक एल-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली और एक एस-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली है। अंतरिक्ष यान की प्रत्येक दोनों प्रसार सक्षम मोटराइज्ड सौर सारणियों की लंबाई 5.5 मीटर है जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 23 वर्ग मीटर है और ये दोनों एक साथ लगभग पांच किलोवाट ऊर्जा प्रदान करते हैं। रडार एंटीना रिफ्लेक्टर का व्यास 12 मीटर है और इसका रिफ्लेक्टर लगभग 39 मीटर लंबे बूम पर स्थापित होगा। इसमें थ्रस्टरों की संख्या 15 है। प्रक्षेपण के समय प्रणोदक सहित उपग्रह का अनुमानित वजन 2,380 किलोग्राम था।

12 दिन में दो बार बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा

तीन वर्ष है निसार मिशन की अवधि

प्रक्षेपण के बाद कमीशनिंग चरण 90 दिन चलने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान मिशन टीम अंतरिक्ष यान प्रणालियों की जांच करेगी, बूम एवं विशाल रडार एंटीना रिफ्लेक्टर की तैनाती करेगी और रडार उपकरणों के प्रदर्शन का आकलन करेगी। कमीशनिंग चरण पूरा होने के बाद वैज्ञानिक कार्य शुरू होंगे। निसार 14 दिन में 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करेगा। यह उपग्रह प्रतिदिन 80 टेराबाइट्स डेटा पृथ्वी पर भेजेगा। निसार मिशन की अवधि तीन वर्ष है।

ईडी को कानून के दायरे में रहना होगा: सुको

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईडी पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। टिप्पणी केंद्रीय एजेंसी की ओर से जांचे गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों पर चिंता जताते हुए की गई। जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'हम प्रवर्तन निदेशालय की छवि को लेकर भी चिंतित हैं।' शीर्ष अदालत 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने समीक्षा याचिकाओं पर सवाल उठाया। उन्होंने कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की टालमटोल की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। राजू ने कहा, प्रभावशाली बदमाशों के पास बहुत साधन होते हैं। वे कार्यवाही को लंबा खींचने के लिए अलग-अलग चरणों में आवेदन दायर करने के लिए वकीलों की फौज रखते हैं। मामले का जांच अधिकारी जांच में समय लगाने के बजाय किसी न किसी आवेदन के लिए अदालत के चक्कर लगाता रहता है।

- अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने समीक्षा याचिकाओं पर सवाल उठाया
- 1 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि

न्यायमूर्ति भुयान ने अपने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज किए गए 5,000 मामलों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि हुई है।

विरोध

तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया, केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया

लद्दाखियों ने फिर खोला केंद्र के खिलाफ मोर्चा

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। लद्दाख में अपनी राजनीतिक और संवैधानिक मांगों को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करगिल में प्रेस कांफ्रेंस कर केडीए नेताओं ने 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की उम्मीदों पर लगातार खरा नहीं उतर रही है।

केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए। इन मांगों को लेकर केडीए लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन अब तक केंद्र की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

प्रेस कांन्फ्रेंस में केडीए नेताओं ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कई बार गृह मंत्रालय और लद्दाख के नेताओं के बीच बैठकें हुईं, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ने अब भी इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता की भावनाएं भड़क गईं, तो इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं होंगे।

केडीए का कहना है कि यह भूख हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों की आवाज को पूरे देश तक पहुंचाने की कोशिश है। नेताओं ने कहा कि लद्दाख की जनता लोकतंत्र में विश्वास रखती है, लेकिन अगर उनके साथ बार-बार अनदेखी होगी, तो असंतोष बढ़ेगा। केडीए ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बहुत देर होने से पहले वह लद्दाख के मुद्दों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए।

उन्होंने बताया कि करगिल टाउन में शनिवार को हड़ताल शुरू होगी और लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) के नेताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे विरोध में शामिल हों और केंद्र सरकार को एक संदेश भेज सकें कि लद्दाख के लोग अपनी वास्तविक मांगों पर चुप नहीं रहेंगे, केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबालई ने यहां संवाददाताओं को बताया।

केडीए की चार मांग
-लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए,
-संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करें
-एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए
-एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए

धार्मिक पर्यटन स्थल जलेश्वर और दुर्गा धारा में हुए विभिन्न कार्यों का कलेक्टर ने किया अवलोकन

गौरेला पेंड्रा मरवाही 06 अगस्त (देशबन्धु)। प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थलों से शुमार जीपीएम जिले में पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन स्थलों में विभिन्न निर्माण कार्य किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने बुधवार को धार्मिक पर्यटन स्थल जलेश्वर एवं दुर्गा धारा में हुए विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने जलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बने शेड, रेलिंग, टाइल्स, सौंदर्यीकरण आदि कार्यों को देखा तथा मंदिर के पुजारी से चर्चा कर श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा तो नहीं हो रही है, के बारे में पूछताछ की। पुजारी ने विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या अत्याधिक होने पर शौचालय की दिक्कत होने से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने मंदिर परिसर में बनाए गए छत्तीसगढ़ टूरिज्म विश्राम गृह के समीप सामुदायिक शौचालय बनाने के लिए प्रस्ताव भेजने जनपद सीईओ गौरेला को निर्देश दिए। कलेक्टर ने अन्नपूर्णा मंदिर के पीछे आरक्षित लगभग तीन एकड़ शासकीय भूमि का भी अवलोकन किया। उन्होंने श्री अमरेश्वर मंदिर के पास भंडारा एवं निर्माणाधीन शेड का अवलोकन किया तथा निर्माण एजेंसी पंचायत ठाड़पथरा के सरपंच श्रीमती गीता बाई बैगा को शेड निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण करने कहा।

उन्होंने शेड निर्माण एवं अन्य कार्य धीमी गति से कराए जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक पूर्व में स्वीकृत अधोसंरचना के कार्य पूर्ण नहीं हो जाते, नए कार्य स्वीकृत नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने जलेश्वर और अमरेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का दर्शन किया और पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने पर्यटन स्थल दुर्गा धारा में भी रेलिंग, पाथवे आदि कार्य का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, पर्यटन विकास के जिला नोडल डॉ. राहुल गौतम, तहसीलदार शेषनारायण जायसवाल, जनपद सीईओ शुभा मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, बिजली ऑफिस का किया घेराव

मुंगेली 06 अगस्त (देशबन्धु)। प्रदेश में लगातार बढ़ती बिजली दरों और बिजली बिल हाफ योजना को बंद किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी मुंगेली द्वारा बुधवार को स्थानीय बिजली कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार पर आम जनता के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।कांग्रेस जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार जनता की जेब पर डाका डाल रही है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आम लोगों को राहत देते हुए 400 यूनिट तक बिजली बिल में छूट दी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने मात्र 100 यूनिट टेरिफ लागू कर जनता, किसानों और व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका जवाब जनता आगामी समय में जरूर देगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर प्रदेशव्यापी अभियान के तहत राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बिजली दरों में हाल ही में की गई चौथी बार की वृद्धि को तुरंत वापस लेने, किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को रियायती दर पर बिजली देने, अघोषित कटौती और

लो वोल्टेज की समस्या को दूर करने और पूर्व सरकार की 400 यूनिट बिल हाफ योजना को फिर से लागू करने की मांग की गई है।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर ने ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर उपभोक्ताओं से अवैध वसूली का आरोप लगाया। वहीं, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की समस्या सुनने के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर भी हमेशा बंद रहता है, जिससे लोग परेशान हैं।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रदेश सरकार ने जनता विरोधी फैसलों को वापस नहीं लिया, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सार-संक्षेप

गौ सेवा संकल्प अभियान-सरपंचों, सचिवों और पटवारियों को दिया गया प्रशिक्षण

मुंगेली,06 अगस्त (देशबन्धु)। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती जनहानि और पशुहानि को देखते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य बेसहारा एवं सड़कों पर छोड़े गए मवेशियों के बेहतर प्रबंधन, सेवा और संरक्षण को सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में मुंगेली विकासखण्ड के सरपंचों, सचिवों और पटवारियों को जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर आवारा पशुओं की समस्या, समाधान और गाय गोद लेने पर भी चर्चा हुई।पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि गौ सेवा पवित्र कार्य है, जिससे मन को शांति और तनाव से मुक्ति मिलती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से गंभीरता से प्रशिक्षण लेने और अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने ईअर टैगिंग के माध्यम से मवेशियों की पहचान, जनजागरूकता और सामूहिक सहभागिता पर बल दिया।

शौर्य प्रताप करेंगे दिल्ली में केकती तखतपुर का नाम रोशन

तखतपुर 06 अगस्त (देशबन्धु)। कहते हैं कि पुत के पांव पालने में ही दिखाई देने लगते हैं उसी की मिशाल है शौर्य प्रताप सिंह महज 7 वर्ष ने कराटे में राज्य स्तर पर तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक हासिल किया है। वह बिलासपुर में सेकोकाई कराटे प्रशिक्षण ले रहे हैं और इनके द्वारा तीन बार राज्यस्तरीय स्वर्ण पदक जीतकर अपने गांव केकती को पहचान दिला चुके हैं। अपनी रैंकिंग के आधार पर, शौर्य प्रताप का चयन राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली के लिए किया गया है जिसमे वे दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 9 अगस्त से 11 अगस्त तीन दिवसीय अखिल भारतीय स्वतंत्रता कप कराटे (सेकोकाई) चैम्पियनशिप सब जूनियर में अपने रण कौशल का प्रदर्शन करेंगे। शौर्य प्रताप सिंह केकती के ऊर्जावान सरपंच एवं सरपंच संघ अध्यक्ष डॉ शैलेंद्र सिंह के पुत्र है।

सावन उत्सव का आयोजन किया गया

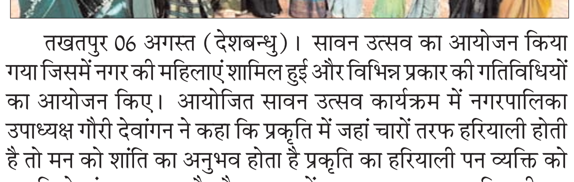

तखतपुर 06 अगस्त (देशबन्धु)। सावन उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें नगर की महिलाएं शामिल हुई और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किए। आयोजित सावन उत्सव कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष गौरी देवांगन ने कहा कि प्रकृति में जहां चारों तरफ हरियाली होती है तो मन को शांति का अनुभव होता है प्रकृति का हरियाली पन व्यक्ति को प्रकृति से बांधकर रखता है और जब चारों तरफ का वातावरण हरियाली मय होता है तो पूरे वातावरण में एक सुकुन सा होता है और ऐसे वातावरण में व्यक्ति अपनी सभी चिंताओं से मुक्त होकर अपनों के बीच बैठकर फुर्सत के पल व्यतित करता है और ऐसे वातावरण में किया गया आयोजन बेहतर ढंग से संपादित होता है। इस सावन उत्सव में महिलाओं ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जिसमें साज सज्जा, केश सज्जा, पानी पुरी खाव प्रतियोगिता आयोजित की गई और सभी ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में विभिन्न कार्यों एवं देयकों के भुगतान का अनुमोदन

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही 06 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर श्रीमती लीना कलेश मंडावी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्षा में अयोजित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में विभिन्न कार्यों एवं देयकों के भुगतान का अनुमोदन किया गया।

कलेक्टर ने पूर्ण हो चुके नल जल योजनाओं में सुचारू रूप से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देश दिए। बैठक में समिति द्वारा जल जीवन मिशन के कवरेज मद एवं सपोर्ट मद में लंबित देयकों के भुगतान, जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में एयर कंडिशनर एवं कम्प्यूटर के लिए प्रिंटर क्रय करने, जल स्त्रोत निर्माण हेतु नलकूप खनन के लिए ग्रामों के परिवर्तन, निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त समय वृद्धि एवं अतिरिक्त पाइप लाइन विस्तार के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावटे सहित समिति के सदस्य के रूप में वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हुआ विशाल आंकलन शिविर

मुंगेली 06 अगस्त (देशबन्धु)। समावेशी शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान एवं उपचार के उद्देश्य से गुरुवार को बीआरसी भवन, मुंगेली में एक दिवसीय विशाल आकलन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।शिविर में जिला अस्पताल मुंगेली से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही, जिनमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेश खांडे, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. नारायण देव साहू, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश सत्यपाल, मनो रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय ओबेरॉय, नेत्र सहायक डॉ. पटेल और क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट नीरज शुक्ला शामिल रहे। कार्यक्रम में जिले से एपीसी आईडी अशोक कश्यप एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार बावरे का विशेष योगदान रहा। शिविर में कुल 165 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। उनके साथ 165 पालक, 15 शिक्षक एवं व्याख्याता भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों द्वारा दृष्टिबाधित, मानसिक मंदता, अस्थिबाधित, श्रवण बाधित एवं मल्टीपल डिसएबिलिटी से ग्रसित बच्चों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श, उपचार सुझाव प्रदान किए गए। साथ ही यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी जारी किए गए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को करेक्टिव सर्जरी, फिजियोथेरेपी एवं स्पीच थैरेपी हेतु जिला अस्पताल रेफर किया गया। शिविर के दौरान दिव्यांग बच्चों, उनके पालकों एवं उपस्थित शिक्षकों के लिए चाय-नाश्ता एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थीशिविर की सफलता में बीआरसी सूर्यकांत उपाध्याय, बीआरपी संजीव सक्सेना, स्पेशल एजुकेटर कौशल पात्रे, बीआरजी साथी रविकांत गोस्वामी एवं दुर्गेश देवांगन सहित संकुल से आए सीएससी, व्याख्याता एवं बीआरसी स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा। यह आयोजन दिव्यांग बच्चों की समग्र उन्नति एवं समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक अहम कदम साबित हुआ।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, पुराना नाम मनीराम पिता परसराम निराला, ने अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम मनीराम निराला पिता परसराम निराला रख लिया है, निवासी वार्ड नंबर 14, अभिषेक विहार, मंगला बिलासपुर 495001 (छ.ग.), अतः अब भविष्य में मुझे सभी सरकारी, अर्धसरकारी एवं अन्य दस्तावेजों में नए मनीराम निराला पिता परसराम निराला से जाना एवं पहचाना जाए।

मनीराम निराला
पिता परसराम निराला
वार्ड नंबर 14, अभिषेक
विहार, मंगला बिलासपुर
495001 (छ.ग.)

न्यायालय – आरती ठाकुर प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी जांजगीर के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा छ.ग.

नोटिस / ईश्तहार

व्य.वाद क्रमांक 61अ/2023 प्रोसेस क्रमांक ......
पेशी दिनांक 26/08/2025
प्रखर केशरवानी वगैरह ....वादीगण
हृदय प्रसाद साहू वगै. .... प्रतिवादीगण
प्रति,
1/ प्रतिवादी क्र.02– गरहन बाई पिता स्व. कुजीलाल जाति साहू साकिन नवागढ़ भाटापारा तहसील नवागढ़ जिला जांजगीर–चांपा छ.ग.
2/ प्रतिवादी क्र. 03–राजकुमारी पिता स्व.कुजीलाल पति संतराम साहू जाति साहू साकिन नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला जांजगीर–चांपा छ.ग. हाल–मुकाम पचरी तहसील बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ छ.ग.

इस न्यायालय में वादी के द्वारा अंतर्गत वाद वास्ते स्वत्व की उदघोषणा एवं स्थाई व्यादेश हेतु वाद कीमती 2900/– अंक में कीमती उन्तीस सौ रूपये है, जिसके व्य वाद क्रमांक 61 अ/ 2023 प्रखर केशरवानी वगैरह विरूद्ध हृदय प्रसाद साहू वगै. है जिसमें आपका हित हो तो इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/08/2025 को नियत है। जिसमें आप पेशी दिनांक 26/08/2025 को सुबह 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित रहे या अपने किसी अभिकर्ता/ अधिवक्ता को जिन्हें प्रकरण की सम्यक जानकारी हो उपस्थित रखे जो सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। यदि आप पेशी दिनांक 26/08/2025 को अनुपस्थित रहते हैं तब प्रकरण में आगे अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।
नोटः– यदि किसी कारण उपरोक्त सुनवाई दिनांक 26/08/2025 को सार्वजनिक अवकाश होने पर अथवा कार्य स्थगित होने पर उक्त प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस में की जावेगी।
अतः आज दिनांक 01.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आरती ठाकुर
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ श्रेणी जांजगीर के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश
सील **नवागढ़ जिला जांजगीर–चांपा छ.ग.**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

फा.क्र. 388/ स्टोर/ 2025 कोरबा, दिनांक 29.07.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शासकीय विभागों में कार्यरत व्यवसाय से संबंधित अनुभवी निविदाकार/ फर्मों से (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) शेडयूल अनुसार आइटम दरों पर निविदा आमंत्रित की जाती है :–
1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि – 30.08.2024 सायंकाल 3.00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि – 02.09.2024 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि लाख में	धरोहर राशि रू में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र	कार्यावधि	निविदा खुलने की अंतिम तिथि
1.	निगम वाहनों के लिए बैटरी खरीदी कार्य हेतु वार्षिक दर निर्धारण (निगम मद) (प्रथम निविदा)	9.00	6750.00	750.00	फार्म बी	12 माह	02.09.2024

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में व्यास पूजन समारोह का आयोजन

मुंगेली, 06 अगस्त (देशबन्धु)। बी. आर. एस. एम. कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मुंगेली में आज भारतीय संस्कृति एवं गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को समझाने और सम्मान देने के उद्देश्य से व्यास पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात वेद व्यास जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा भाव से पूजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता, शिक्षकों, शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं तथा स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्य वक्ता के रूप में अधिष्ठाता डॉ. जितेंद्र सिंह ने वेद व्यास जी के जीवन, उनके द्वारा रचित ग्रंथों ङ्क विशेषकर महाभारत, वेदों तथा पुराणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वेद व्यास केवल एक ऋषि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को गुरु, ज्ञान और समर्पण के प्रति निष्ठा रखने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. मोनिका सिंघाई द्वारा किया गया। समापन अवसर पर प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता, श्रद्धा एवं प्रेरणा उत्पन्न करने में सफल रहा।

ससुर ने दामाद पर तब्बल से प्राण घातक हमला किया

तखतपुर 06 अगस्त (देशबन्धु)। पारिवारिक विवाद को लेकर ससुर ने दामाद को तब्बल से प्राण घातक हमला करते हुए घायल कर दिया। जिसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 296, 351,2 109 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां उसे जेल भेज दिया गया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंआ निवासी किशोर रजक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उसके भाई कौशल रजक को पारिवारिक विवाद की बात को लेकर आरोपी ससुर मनोज रजक उर्फ बिहारी लाल रजक ने गाली गलौज करते हुए तब्बल से प्राण घातक हमला कर घायल कर दिया। इसके रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी गई। पुलिस ने आरोपी ससुर मनोज रजक के खिलाफ धारा 296, 351,2 109 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां उसे जेल भेज दिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा के साथ मिलकर...

लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है और 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए।

रीडेबल वोटर लिस्ट देने से आयोग का इनकार

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार कर दिया। अगर हमारे पास सॉफ्ट कॉपी होती, तो हम पूरे डेटा को 30 सेकंड में एनालाइज कर सकते थे। लेकिन हमें कागज के सात-फुट लंबे बंडल मिले, जिन्हें पढ़ने और मिलाने में छह महीने लगे। सिर्फ एक विधानसभा सीट के लिए 30-40 लोगों की टीम ने दिन-रात काम किया। उन्होंने सवाल खड़े किए कि ईसी जानबूझकर ऐसा डेटा देता है, जिसे स्कैन कर पढ़ा न जा सके। ईसी ने सीसीटीवी फुटेज तक पहुंचने के नियम बदल दिए। इसके साथ ही चुनाव आयोग डिजिटल डेटा देने से इनकार करता है। ये सब इसलिए किया जा रहा है ताकि कोई जांच न कर सके। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई। उन्होंने पांच प्रकार की गड़बड़ियों का जिक्र किया, जिनमें डुप्लीकेट वोटर, फर्जी और अमान्य पते, एक पते पर बहुत सारे वोटर, अमान्य फोटो और फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल शामिल हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जनता को पारदर्शिता का पूरा अधिकार है और चुनाव से जुड़ा कोई भी रिकॉर्ड नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस की टीम पूरे सिस्टम को समझ चुकी है और जनता के सामने सच लाकर रहेगी।

40 हजार ऐसे वोटर, जिनके पते शून्य

राहुल गांधी ने कहा, ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं। अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है। चुनाव आयोग के मुताबिक इन पतों पर कई लोग रहते हैं लेकिन जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है। वोटर लिस्ट में कई लोगों की तस्वीरें नहीं हैं और अगर है भी तो ऐसी जिन्हें देखकर मतदाताओं की पहचान ही नहीं हो सकती।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्यादित, रायपुर

मुख्यालय का पता :- मछली पालन विभाग परिसर, तेलीबांधा थाने के पास, तेलीबांधा रायपुर पो.आ. रविग्राम पिन कोड- 492006, दूरभाष- 0771-4267693, Email- cgmatsyamahasangh@gmail.com

क्रमांक 459/ममसं/तक./जला./2025-26 रायपुर, दिनांक 07/08/2025

मत्स्य पालन हेतु लीज पर जलाशय आवंटन बाबत

निविदा तिथि में संशोधन की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालयीन पत्र क्र. 362/ममसं/तक./जला./2025-26 रायपुर दिनांक 16.07.2025 द्वारा मत्स्य पालन हेतु लीज पर जलाशय आवंटन बाबत जारी संक्षिप्त निविदा सूचना की तिथियों में एतद् द्वारा निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - दिनांक 13 अगस्त 2025, सायं 05.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - दिनांक 14 अगस्त 2025, अपरान्ह 3.00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि - दिनांक 14 अगस्त 2025, अपरान्ह 4.00 बजे

निविदा के संबंध में अन्य जानकारी एवं शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

प्रबंध संचालक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विद्युत कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या क्र.: सीनियर डी.ई.ई. (आर. एस. & जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./25-26-12, दिनांक 04.08.2025.
कार्य का नामः 1. बिलासपुर विभाग में ART/ARME में दोषपूर्ण और पुरामंद सामग्रियों का प्रतिस्थापन, विद्युत उपकरणों और सुरक्षा आइटम का एकीकरण। **2.** कार्य का विद्युत हिस्सा कोचिंग रखरखाव के लिए रोलिंग इन एगजामिनेशन फेसिलिटी का अपग्रेडेशन। **निविदा मूल्य (लगभग): ₹ 46,32,091.59. अमानत राशि : ₹ 92,700/-.**
निविदा बंद होने की तिथि व समयः 05.09.2025, 15:00 बजे।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण, निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे देख सकते है।

वरि. मंडल विद्युत इंजी.(आर.एस.एवं सामान्य)/बिलासपुर
सीपीआर/10/225
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-105-25-26, दिनांक: 31.07.2025.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता ब्रजराजनगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एल्युमिनो थर्मिट एसकेव्ही प्रोसेस (सिंगल शोट क्रुसिबल विथ आटोमेटिक टैपिंग थिम्बल टेक्नोलोजी) के साथ ही सुपरवीजन, टूल्स एंड प्लांट एवं कंजूमेबल इत्यादि के द्वारा वेल्डिंग पोर्शन का सप्लाई एवं रेल ज्वाइन्ट्स की वेल्डिंग करने का कार्य। **निविदा मूल्यः ₹ 80,66,314/-. अमानत राशिः ₹ 1,61,300/-. कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।
क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-106-25-26, दिनांक: 31.07.2025.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता सयगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एल्युमिनो थर्मिट एसकेव्ही प्रोसेस (सिंगल शोट क्रुसिबल विथ आटोमेटिक टैपिंग थिम्बल टेक्नोलोजी) के साथ ही सुपरवीजन, टूल्स एंड प्लांट एवं कंजूमेबल इत्यादि के द्वारा वेल्डिंग पोर्शन का सप्लाई एवं रेल ज्वाइन्ट्स की वेल्डिंग करने का कार्य। **निविदा मूल्यः ₹ 86,54,541/-. अमानत राशिः ₹ 1,73,100/-. कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 11.08.2025 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 25.08.2025 के 11.00** बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ द.पू.म.रे.,बिलासपुर
सीपीआर/10/219
South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई.चौक, कोरबा (छ.ग.)

प्र.मं.आ.यो.

फा.क्र./639 एवं 640/निर्माण (प्र.मं.आ.यो.)/2025/ कोरबा, दिनांक 01.08.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर बंद लिफाफे के माध्यम से आमंत्रित की जाती है :–
1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि – 13.08.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि – 13.08.2025 सायंकाल 4:30 बजे

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू में
1.	प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी.योजना के तहत् रामपुर साईट में निर्मित आवासों का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद) (तृतीय निविदा)	3,06,115/–	3,500/–
2.	प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी.योजना के तहत मुड़ापार में निर्मित आवासों का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद) (तृतीय निविदा)	3,39,650/–	3,500/–

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम स्वीटी खंडूजा पति पवन खंडूजा अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम स्वीटी छाबड़ा खंडूजा पति पवन खंडूजा निवास ह.नं. 743, वार्ड नं. 33, होटल आनंद के सामने, वी आई पी कॉलोनी, बिलासपुर, छ.ग. 495001 रख ली हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम स्वीटी छाबड़ा खंडूजा पति पवन खंडूजा नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

स्वीटी छाबड़ा खंडूजा
ह.नं. 743, वार्ड नं. 33,
होटल आनंद के सामने,
वी आई पी कॉलोनी,
बिलासपुर, छ.ग.
495001

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम पवन कुमार खनुजा व पवन कुमार खंडूजा पिता सुरेन्द्र कुमार खंडूजा अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम पवन खंडूजा पिता सुरेन्द्र कुमार खंडूजा निवास ह.नं. 743, वार्ड नं. 33, होटल आनंद के सामने, वी आई पी कॉलोनी, बिलासपुर, छ.ग. 495001 रख लिया हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम पवन खंडूजा पिता सुरेन्द्र कुमार खंडूजा नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

पवन खंडूजा
ह.नं. 743, वार्ड नं. 33,
होटल आनंद के सामने,
वी आई पी कॉलोनी,
बिलासपुर, छ.ग.
495001

देश

उवाच

"एक अगस्त 2025 को प्रकाशित प्रारुप निर्वाचक सूची में जब लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं और श्रेणीवार उनकी संख्या भी बताई है, तो श्रेणीवार मतदाता केन्द्र सहित उनका नाम चुनाव आयोग क्यों नहीं बता रहा है।"

-चित्तरंजन गगन, राजद प्रवक्ता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35°	27°
मुंबई	28°	26°
कोलकाता	29°	27°
चेन्नई	33°	27°

केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करना जरूरी सुधार न कि रियायत : उमर

राजग सहयोगियों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजनीतिक दल के प्रमुखों को लिखा पत्र

श्रीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करना 'आवश्यक सुधार' है, न कि 'रियायत' और यह मुद्दा क्षेत्रीय हितों से परे है। अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय जनतांत्रितक गठबंधन (राजग) सहयोगियों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजनीतिक दल के प्रमुखों को लिखे पत्र में कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जो क्षेत्रीय हितों से परे है और भारत के संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के मूल में निहीत है। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में बदलने और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रहे विलंब से आप सहमत होंगे कि इसका भारतीय राजनीति के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने जोर दिया कि राज्य का दर्जा बहाल करना ऐसा मामला है जिससे केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक को चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के पीछे का पूरा नैतिक आधार भी समानता के उस तर्क पर आधारित था कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को देश के बाकी हिस्सों के बराबर लाया जाना चाहिए लेकिन समानता का यह सिद्धांत दोनों तरफ काम करना चाहिए।

नेताओं से केंद्र पर दबाव डालने का किया आग्रह

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अब्दुल्ला ने अपने पत्र में नेताओं से आग्रह किया कि वे जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली के लिए चल रहे संसद सत्र में कानून पेश करने के लिए केंद्र पर दबाव डालें। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 'विफलताओं और अशक्तिकरण' के बावजूद विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। इस प्रचंड जनादेश के सम्मानपूर्वक स्वीकारोक्ति में मेरी सरकार का पहला काम जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की तत्काल बहाली के लिए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया।

मैंने व्यक्तिगत रूप से यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री को सौंपा और उन्हें जम्मू-कश्मीर के लोगों की सद्भावना और लोकतांत्रिक भावना के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का बार-बार यह कहना कि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा 'अस्थायी' है, दुर्भाग्य से 'वास्तविक प्रतिबद्धता से ज्यादा सुविधाजनक बहाना' लगने लगा है। उन्होंने कहा कि लोगों को वोट देने के लिए आमंत्रित करना और निर्वाचित सरकार को प्रभावी अधिकार से वंचित करना लोकतांत्रिक स्वशासन को कमजोर करता है।

राज्य का दर्जा बहाल करना ऐसा मामला जिससे केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि देश के हर नागरिक को चिंतित होना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

मुझे आश्वासन दिया गया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद और सार्वजनिक दोनों मंचों पर , चुनावों के दौरान और उसके बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को सीधे संबोधित करने के मौकों पर बार-बार आश्वासन दिया कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। मुझे आश्वासन दिया गया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, हालांकि नौ महीने से अधिक समय बीत चुका है और अभी तक उस आश्वासन को पूरा करने की दिशा में कोई स्पष्टता, समय-सीमा या स्पष्ट प्रगति नहीं हुई है। शीर्ष न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष भी केंद्र सरकार ने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। उन्होंने स्मरण किया कि इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कश्मीर में एक कार्यक्रम के दौरान इस वादे को दोहराया था और इसे 'मोदी का वादा' कहा था , हालांकि 'जल्द से जल्द' या 'जितनी जल्दी हो सके' जैसे शब्दों की व्याख्या वर्षों या दशकों तक नहीं खींची जा सकती। जम्मू-कश्मीर के लोग पहले ही काफी इंतजार कर चुके हैं और अब राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।

पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे मोदी : मोहन यादव

भोपाल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को आगामी समय में आयोजित होने वाले शासकीय कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 25 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के प्रवास पर आएंगे और पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे। डॉ. यादव ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान बताया कि राज्य द्वारा कई कार्यक्रमों की श्रंखला बनाई गई है, जिनका मूल भाव स्वदेशी की भावना को प्रोत्साहन देना है। राज्य के लिए 10 तारीख का दिन स्वदेशीकरण की भावना को लेकर अहम होगा। राज्य में पहली बार रेल कोच बनेंगे, जिन्हें रेल मंत्रालय जहां चाहेगा, निर्यात करेगा। रायसेन जिले की इस परियोजना की लागत लगभग 1800 करोड़ रुपए है, जिसमें लगभग 1600 से 2000 लोग प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से काम करेंगे। रायसेन जिले के बोहरगंज तहसील के उमरिया गांव में 60.630 हेक्टेयर भूमि का आवंटन सरकार ने कर दिया है। इस उद्योग में वंदे भारत, अमृत भारत, मेट्रो कोच का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे और रेल मंत्री वर्चुअली जुड़ेंगे। रक्षा मंत्रालय का बीईएमएल संस्थान बनाएगा और रेल कोच के सारे काम का ऑर्डर रेल मंत्रालय देगा।

मध्य प्रदेश का 25 अगस्त को करेंगें दौरा

बिहार में रक्षाबंधन के दिन सरकारी बसों में यात्रा मुफ्त

नीतीश सरकार ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात दी

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर नीतीश सरकार ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। रक्षाबंधन के दिन महिलाओं के लिए सरकारी बसों में यात्री मुफ्त रहेगी। महिलाएं बिना पैसे खर्च किए अपने भाई को राखी बांधने मायके जा सकेंगी। 9 अगस्त को सभी महिलाएं बिहार के किसी भी मार्ग पर बीएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा सभी श्रेणी की बसों साधारण, डीलक्स और वोल्वो में लागू होगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि इस निर्णय का उद्देश्य भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सम्मान देना और महिलाओं को सुविधा प्रदान करना है। इससे बहनें अपने भाइयों के पास आसानी से पहुंच सकेंगी और त्योहार को हर्षोल्लास से मना सकेंगी। साथ ही सभी बस चालकों और परिचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे महिलाओं की यात्रा के दौरान विशेष ध्यान रखें और योजना का कड़ाई से पालन करें। बीएसआरटीसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस योजना का भरपूर लाभ उठाएं और रक्षाबंधन को एक सुरक्षित, सुविधाजनक और यादगार अनुभव बनाएं।

पिंक बस सेवा में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अतुल कुमार वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि विशेष रूप से राजधानी पटना में संचालित पिंक बस सेवा में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह बसें सगुना मोड़ से गांधी मैदान और गांधी मैदान से एम्स के बीच चलती हैं। भीड़ को देखते हुए निगम ने अतिरिक्त बसों का संचालन करने का निर्णय भी लिया है।

सार संक्षेप

कश्मीर के डोडा व किश्तवाड़ में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

जम्मू। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.के.मिश्रा ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर लिखे पोस्ट में कहा कि जीओसी व्हाइट नाइट कोर ने जीओसी काउंटर इंसर्जेंसी डेल्टा फोर्स के साथ मिलकर आज डोडा और किश्तवाड़ में एक परिचालन समीक्षा की। जीओसी को आंतरिक सुरक्षा स्थिति, खतरे के आकलन और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए बल की तैनाती के बारे में जानकारी दी गई।

कमल हासन ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली/चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की व कीलाड़ी पुरातात्विक निष्कर्षों को जारी करने की मांग की। मक्कल नीति मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक हासन ने गुरुवार को पहली बार एक सांसद के रूप में संसद भवन में प्रवेश किया और इसके बाद प्रधानमंत्री से मुलाकात की। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के समर्थन से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

खुफिया जानकारी के बाद हवाई अड्डे हाई अलर्ट पर

मुंबई। देश के हवाई अड्डों पर राष्ट्र-विरोधी तत्वों से संभावित खतरों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने सभी हवाई अड्डों के लिए गुरुवार को हाई अलर्ट जारी कर दिया। इस परामर्श में यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच और हवाई अड्डे के कर्मचारियों की कड़ी निगरानी सहित दूसरे सुरक्षा उपायों को अपनाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि न केवल टर्मिनल क्षेत्रों में, बल्कि रनवे, हेलीपैड और उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों में भी सुरक्षा उपायों पर अमल किया जाए।

लखपति दीदी की संख्या गुजरात में पांच लाख के पार

गांधीनगर। गुजरात में लखपति दीदी की संख्या पांच लाख के पार हो गई है। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि गुजरात 1 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के अनुसार देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 223 में 'लखपति दीदी' योजना शुरू की गई थी। 227 तक तीन करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना इस योजना का उद्देश्य है। गुजरात की महिलाओं को इस योजना का बड़े पैमाने पर लाभ मिले, इसके लिए राज्य भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं।

बिना उचित सत्यापन के कोई भी फार्म न भरें : ममता बनर्जी

कोलकाता, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को लोगों से बिना उचित सत्यापन के कोई भी फॉर्म न भरने का आग्रह करते हुए कहा कि यह मतदाता सूची से उनका नाम हटाने की चाल हो सकती है। बनर्जी ने विश्व आदिवासी दिवस पर झारग्राम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई आपको किसी चीज के बदले में फॉर्म भरने के लिए कहता है, तो बिना समझे ऐसा न करें। वे आपकी जानकारी लेंगे और फिर आपका नाम मतदाता सूची से हटा देंगे। इसके बाद वे आपको एनआरसी का नोटिस थमा देंगे। उन्होंने आगे कहा हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। चाहे आप आदिवासी हों, अनुसूचित जाति के हों, दलित हों, हिंदू हों या मुसलमान हों या फिर कन्याश्री लाभार्थी ही क्यों न हों , सभी का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए। भारत चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य प्रशासन निलंबित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को धमकाया जा रहा है। कल ही मेरे दो अधिकारियों को नोटिस भेजकर निलंबित कर दिया गया। मैं पूछती हूं , क्या चुनाव की घोषणा भी हो गयी है? आप किस कानून के तहत नोटिस भेज रहे हैं और उन्हें निलंबित कर रहे हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

एसआईआर के आंकड़ों में देखी जा रही काफी गड़बड़ी : तेजस्वी यादव

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। मतदाता विशेष गहण पुनरीक्षण का काम पूरा हो चुका है। अब दौर दावा आपत्ति का चल रहा है। निर्वाचन आयोग की ओर से इसको लेकर विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं। अब तेजस्वी यादव ने भी बड़ा फैसला ले लिया है। तेजस्वी यादव ने अपने सभी नेताओं को खास कार्य सौंप दिया है। जिसे हर हाल में पूरा करना होगा। गुरुवार को दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी यादव ने अपने पार्टी नेताओं के साथ बड़ी बैठक की है। बैठक में पार्टी के सभी विधायक जिलाध्यक्ष प्रधान महासचिव मौजूद रहे। तेजस्वी ने सबको ऑनलाईन संबोधित किया। तेजस्वी ने अपने सभी नेताओं को टास्क सौंपा है। तेजस्वी ने मीटिंग में सभी नेताओं को सर्वेक्षण के आए आंकड़ों की जानकारी दी। तेजस्वी ने अपने नेताओं को बताया कि इन आंकड़ों में काफी गडबडी देखी जा रही है। जो सूचना मिल रही है उसके मुताबिक कई ऐसे मतदाता हैं जिनका नाम कट चुका है। कई ऐसे वोटर हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है लेकिन फिर भी उनका नाम वोटर लिस्ट से जुडा हुआ है। यहां तक की कई वोटरों के आवसीय पता को लेकर भी गलत जानकारी मिलने की बात सामने आई है। तेजस्वी ने अपने नेताओं से कहा है कि आप अपने वोटरों की जानकारी लें। पता करें कि किस वोटर का नाम कट गया है। जिस वोटर का नाम कटा है उसके नाम को हर हाल में जुडवाएं। यह जानकारी हासिल करें कि मतदाता सूची में किस तरह की गड़बड़ी सामने आई है। अपने वोटरों को एसआईआर के बाद बने हालात की भी जानकारी दें। तेजस्वी यादव ने भारत पर 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया।

वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 बार कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया, लेकिन इस पर किसी की जुबान नहीं खुल रही है। उन्होंने कहा कि देश में सरकार कैसे चल रही है, यह सभी लोग देख रहे हैं। अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। 28 बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोल चुके हैं कि उन्होंने सीजफायर कराया। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने चुप्पी नहीं तोड़ी है। प्रधानमंत्री अब तक नहीं बोल रहे हैं कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अमेरिका जैसा कह रहा है, वैसे कर रही है। 50 प्रतिशत टैरिफ से देश को कितना नुकसान होने जा रहा है, लेकिन इस पर कोई बात नहीं कर रहा है। इस पर किसी की जुबान नहीं खुलती। ये लोग देश का नुकसान करके बिहार आएंगे और कहेंगे, देखो, विश्व गुरु हो गए।

राजद नेता ने सभी पार्टी नेताओं को सौंपा खास कार्य

जिस मतदाता का नाम कटा है उसके नाम को हर हाल में जुडवाएं कार्यकर्ता : तेजस्वी यादव

चुनाव आयोग से नहीं मिला कोई नोटिस : यादव

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने दो वोटर कार्ड को लेकर नोटिस मिलने पर कहा कि उन्हें चुनाव आयोग से कोई नोटिस नहीं मिला है। पटना जिला निबंधन से नोटिस आया है। उसका हम लोग जवाब तैयार कर रहे हैं और अच्छा जवाब दे रहे हैं। उन्होंने दो-दो वोटर कार्ड बना दिए और जवाब हमसे मांग रहे हैं। मतलब गलती वे खुद करें और जवाब हमसे मांग रहे हैं। ऐसा जवाब मिलेगा कि उन्हें कोई जवाब नहीं सूझेगा। पूर्व विधायक अनंत सिंह के तेजस्वी यादव के 15 सीट पर सिमट जाने के दावे को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे प्रवक्ता बंटू सिंह से पूछ लीजिए, वही इसका जवाब देंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की नई रणनीति तैयार

विधायकों की सीट पर भी मंगवा लिए गए उम्मीदवारों के बायोडाटा

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा चुनाव में सफलता को लेकर कांग्रेस अपनी नई रणनीति से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और अध्यक्ष राजेश राम जातीय सामाजिक समीकरण और मुद्दों को लेकर वोटरों को साधने में जुटे हैं। लेकिन पार्टी की ओर से कुछ फैसले ऐसे लिए जा रहे हैं जिससे पार्टी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लग सकता है। सूत्रों की माने तो पार्टी की नई रणनीति से पार्टी के कई विधायक नाराज हैं और चुनाव से पहले पाला बदल भी सकते हैं। पार्टी ने पिछले दिनों सीटों पर उम्मीदवारी के लिए क्यू आर कोड जारी किया था। जो उम्मीदवार जिस सीट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं वो क्यूआर कोड के जरिए आवेदन कर सकते हैं। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों की माने तो पार्टी ने सीटिंग सीट के लिए भी उम्मीदवारों के बायोडेटा मंगवा लिए हैं। जिसको लेकर विधायकों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है। कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि पार्टी के सीटिंग सीट पर भी कई स्वयंभू उम्मीदवार मैदान में आ गए हैं। इतना ही नहीं पार्टी के बड़े नेताओं के साथ खुद की तस्वीर शेयर कर खुद को उस विधानसभा क्षेत्र का उम्मीदवार बता रहे हैं।

विधायकों ने पार्टी के फैसले पर की आपत्ति दर्ज

हलांकि पार्टी के विधायकों ने पार्टी के फैसले पर आपत्ति भी दर्ज की है। लेकिन पार्टी नेतृत्व की ओर से इस मामले पर साधी गई चुप्पी पार्टी विधायकों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। उन्हें यह समझ नही आ रही कि अभी से वो टिकट कट जाने की आशंका लिए दूसरे दलों में अपना भविष्य देखें या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले का इंतजार करें।

कर्नाटक में धर्मस्थल की जांच के दौरान नर कंकाल बरामद

बेंगलुरु, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक धर्मस्थल में कथित सामूहिक कब्रों की चल रही जांच के दौरान चिह्नित स्थलों से एक नर कंकाल और कई मानव हड्डियां बरामद की। डॉ. परमेश्वर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये अवशेष एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर बरामद किए गए हैं। अज्ञात व्यक्ति ने धारा 164 के तहत एक मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी गवाही दी थी। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल में कथित सामूहिक कब्रों की जाँच मानव अवशेषों की पहली आधिकारिक पुष्टि के साथ महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गयी है। कंकाल और प्राप्त अवशेषों को विश्लेषण के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि छठे चिह्नित स्थान पर एक नर कंकाल बरामद किया गया। तेरहवें स्थान पर कुछ भी नहीं मिला। हालांकि, एक अन्य नए चिह्नित स्थान से अतिरिक्त हड्डियां बरामद की गईं। डॉ. परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि आगे की जाँच का कोई भी निर्णय पूरी तरह से एसआईटी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, जांच वैज्ञानिक और निष्पक्ष होनी चाहिए। हम निर्देश जारी नहीं कर रहे हैं। एसआईटी विश्वसनीयता और फोरेंसिक जानकारी के आधार पर आगे बढ़ेगी।

शिबू सोरेन के नाम से झारखंड राज्य में की जाए विवि की स्थापना : कांग्रेस

दिशोम गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

रांची, 7अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय कांग्रेस भवन में गुरुवार को एक शोक सभा का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सभा में दिशोम गुरु के चित्र पर नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कमलेश ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन एक अंतहीन किताब की तरह है जिसके पन्नों को जितना पलटा जाएगा संघर्ष की उतनी गाथाएं मिलेंगी। आदिवासी समुदाय के अस्मिता हक अधिकार आर्थिक सुदृढ़ता के लिए उन्होंने युवावस्था से ही संघर्ष किया। झारखंड वासियों के अधिकार के लिए झारखंड अलग राज्य के आंदोलन को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया और आंदोलन को धारदार बनाया, हर जाति समुदाय को आंदोलन से जोड़ा जिसका प्रतिफल अलग राज्य निर्माण के रूप में मिला। जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत और प्रयत्नशील रहने वाले गुरु जी ने उनके महत्व से आम लोगों को जागरूक किया। उनके द्वारा आदिवासी समुदाय के उत्थान के प्रयास और झारखंड आंदोलन का निर्णायक नेतृत्व उदाहरण के रूप में देश के समक्ष रखा जाएगा। गुरुजी के त्याग बलिदान और समाज में योगदान के लिए केंद्र सरकार को उन्हे भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए। कमलेश ने राज्य सरकार से मांग किया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम से झारखंड राज्य में एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाये, उनके निवास स्थान को संग्रहालय घोषित किया जाए।

फैसला जम्मू-कश्मीर प्रशासन को अब बंदूक से नहीं किताबों से लगने लगा डर !

आतंक को बढ़ावा देने के आरोप में 25 किताबों पर लगा प्रतिबंध

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सच में यह चौंकाने वाली खबर है कि अंग्रेजों के जमाने में भी एक साथ कभी इतनी किताबों को राष्ट्रद्रोही करार नहीं दिया गया था जितनी एक ही दिन में जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने देश के लिए खतरा करार देते हुए उन्हें प्रतिबंधित कर दिया है। प्रदेश सरकार ने 25 उन किताबों को राष्ट्रद्रोही और देश के खिलाफ करार देते हुए प्रतिबंधित करते हुए उनके प्रकाशन, बेचने और पढ़ने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया है।

जिनमें से कुछ तो बरसों पहले प्रकाशित हो चुकी हैं और लोग उन्हें पढ़ भी चुके हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इन प्रतिबंधित किताबों के लेखकों पर भी देशद्रोह के आरोप लगा उन पर मुकदमे चलाए जाएंगें। यह सच है कि एक साथ 25 किताबें शायद ही कभी कहीं बैन की गई हों ऐसा इतिहास में नजर नहीं आता है। पर जम्मू-कश्मीर में कर दी गईं। हालांकि आम नागरिकों का कहना था कि अब इन किताबों की मांग और बढ़ जाएगी और जम्मू-कश्मीर के अलावा देश और विदेश हर जगह ज्यादा पढ़ी जाएंगी। वैसे एक तरफ केंद्र सरकार दावा कर रही है की जम्मू-कश्मीर में स्थिति सुधर रही है। दूसरी तरफ बरसों पहले प्रकाशित किताबों को प्रतिबंधित करके कह रही है कि इससे अलगाववाद बढ़ रहा था।

■ सरकार के कदम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उठा सवाल

सवाल यह था कि अगर किताबों से अलगाववाद बढ़ रहा था तो उनके मुकाबले में एकता और अखंडता की किताबों को प्रमोट क्यों नहीं किया गया। इस पर एक लेखक का कहना था कि शायद अब प्रदेश सरकार बंदूकों से नहीं बल्कि किताबों से डरने लगी है। वे कहते थे कि इस प्रतिबंध ने उस कहावत को झूठला दिया है जिसमें कहा जाता रहा है कि कलम और किताब में तलवार से अधिक शक्ति होती है। फिलहाल प्रदेश सरकार के इस आदेश की जबरदस्त चौतरफा आलोचना हो रही है क्योंकि इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुठाराघात माना जा रहा है। जिन किताबों पर प्रतिबंध लगाया गया है वे निम्न हैं। आजादी लेखिका अरुंधति रॉय, कश्मीरीज फाइट फॉर फ्रीडम लेखक मोहम्मद यूसुफ सराफ, तारीख-ए-सियासत कश्मीर लेखक डा. आफाक। कोलोनाइजिंग कश्मीर: स्टेट-बिल्डिंग अंडर इंडियन ऑक्युपेशन लेखक हाफ्सा कंजवाल। कश्मीर पालिटिक्स एंड प्लेबिसाइट लेखक डा. अब्दुल गनी गोक्खामी जब्बार, डू यू रिमेम्बर कुनन पोशपोरा, लेखक एस्सर बटूल व अन्य, ह्यूमन राइट्स वायलेशन्स इन कश्मीर, लेखक पियॉटर बालसेरोविक्ज, अघनिएश्का कुजेवस्का, अल जिहादु फिल इस्लाम लेखक- मौलाना मौदूदी, इंडिपेंडेंट कश्मीर लेखक क्रिस्टोफर स्नेडन, फ्रीडम इन कैप्टिविटीरू नेगोशिएशन्स ऑफ बिलॉन्गिंग अलॉन्ग कश्मीरी फ्रंटियर लेखिका राधिका गुप्ता, रेजिस्टिंग ऑक्युपेशन इन कश्मीर लेखक हेली दुशिंस्की, मोना बी. भट्ट, अतर जिया, सिंथिया महमूद, बिटवीन डेमोक्रेसी एंड नेशनरू जेंडर एंड मिलिटरीजेशन इन कश्मीर लेखक सीमा काजी, कॉन्टेस्टेड लैंड्स लेखक सुमंत्र बोस, इन सर्च ऑफ अ फ्यूचररू द स्टोरी ऑफ कश्मीर लेखक डेविड देवदास आदि हैं।

बिलासपुर, शुक्रवार 8 अगस्त 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

राहुल गांधी ने बम फोड़ दिया

1 अगस्त को राहुल गांधी ने चेतावनी दे दी थी कि उनके पास चुनाव में वोट चोरी के पक्के सबूत हैं। जब वे इन्हें सार्वजनिक करेंगे तो एटम बम फूटेगा। सात अगस्त की दोपहर जब राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की, तो वाकई बड़ा धमाका हो गया। इस प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के ही आंकड़ों के जरिए साबित कर दिया कि कर्नाटक की एक विधानसभा सीट में किस तरह 1 लाख से ज्यादा फर्जी वोट पड़े हैं। राहुल गांधी का दावा है कि जिस तरह केवल इस एक सीट पर धांधली की गई है, वह असल में एक आसान तरीका है, जो पूरे देश में कहीं भी आजमाया जा सकता है, बल्कि आजमाया जा चुका है।

राहुल गांधी ने इस प्रेस कांफ्रेंस को 'वोट चोरी' का शीर्षक दिया। जिसमें मीडिया के सामने उन्होंने दिखाया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। श्री गांधी ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के पूरे आंकड़े पत्रकारों के सामने पेश किए। 7 फीट से ऊंचे मतदाता सूची के इस पुलिंदे की पूरी पड़ताल में कांग्रेस की एक टीम को कुल छह महीने का समय लगा है। अगर कागज की जगह ये सूची चुनाव आयोग की तरफ से डिजीटली और वह भी मशीन के पढ़ने योग्य फार्म में उपलब्ध कराई जाती, तो शायद यह पड़ताल आसान होती। मगर राहुल गांधी का दावा है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। फिर भी कांग्रेस ने अभी एक ही संदिग्ध नतीजे वाली सीट का विश्लेषण किया तो हतप्रभ करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भाजपा द्वारा जीती गई इस सीट पर 1,00,250 मतों की चोरी की गई, ऐसा कांग्रेस का दावा है।

इन एक लाख दो सौ पचास मतों के विश्लेषण में सामने आया कि 11,965 डुप्लीकेट वोटर बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 वोटर बड़ी संख्या में एक ही पते पर रजिस्टर किए गए, 4,132 वोटर बिना फोटो या अवैध फोटो के साथ जोड़े गए, 33,692 नए वोटर फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए। एक ही पते पर कहीं 40 कहीं 50 लोगों के वोटर आईडी बने हैं। एक ही नाम से कई मतदाता पहचान पत्र बने हैं, जिनमें कहीं कर्नाटक, कहीं महाराष्ट्र, कहीं उत्तरप्रदेश का पता दर्ज है। कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग-अलग थे। कई कार्ड्स में मकानों के पते पर शून्य लिखा है। कई में पिता के नाम पर अंग्रेजी के अक्षर अजीबोगरीब क्रम में लिख दिए गए हैं। फार्म 6, जिसके उपयोग से नए मतदाताओं के कार्ड बनते हैं और फिर उनका नाम वोटर लिस्ट में आता है, इस फार्म 6 के तहत 70, 80 साल के मतदाताओं के कार्ड भी बने हैं, जबकि कायदे से इसमें 18 साल वाले वोटर होने चाहिए। इस तरह के फर्जीवाड़े से महज एक सीट पर लाख से अधिक वोट बढ़ाए गए और मजे की बात ये है कि यहां भाजपा की जीत हुई है।

अकाट्य तथ्यों और सबूतों के साथ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की धांधली का उदाहरण देश के सामने पेश कर दिया। फिर अपनी बात दोहराई कि जो खेल इस एक सीट पर हुआ है, उसी तरह की आशंकाएं महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में भी बनी हैं। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जीत की उम्मीद थी, एक्जिट पोल भी यही दर्शा रहे थे। सत्ता पर बैठे हर राजनैतिक दल के खिलाफ एंटी इनकमबेंसी सामान्य बात है, लेकिन भाजपा इससे हमेशा कैसे बच निकल रही है, इसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में धांधली की बात हम पहले भी कहते थे, लेकिन पूरे तथ्य नहीं थे, इसलिए झिझकते थे। मगर अब राहुल गांधी ने यह कहने में कोई संकोच नहीं किया कि विपक्ष कभी न कभी सत्ता में आएगा और तब हर छोटे-बड़े जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी।

कायदे से इस समय तीनों चुनाव आयुक्तों को अपना इस्तीफा देकर इस धांधली की स्वतंत्र जांच का रास्ता तैयार करना चाहिए। क्योंकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के उसके दावे पर ये एक लाख 250 फर्जी वोट सवाल उठा रहे हैं। मगर हमेशा की तरह राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग की तरफ से जवाब देना शुरु कर ही दिया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है। जब इस बारे में राहुल गांधी से सवाल हुए तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि 'मैं एक राजनेता हूं। मैं लोगों से जो कहता हूं वह मेरा वचन है। मैं इसे सार्वजनिक रूप से सभी से कह रहा हूं। इसे शपथ के रूप में लें। यह उनका डेटा है, और हम उनका डेटा दिखा कर रहे हैं। यह हमारा डेटा नहीं है। यह चुनाव आयोग का डेटा है।

राहुल गांधी के इस बड़े खुलासे के बाद अब चुनाव आयोग के पाले में गेंद चली गई है कि वह या तो इन सबूतों को गलत साबित करे या फिर गलती की जिम्मेदारी स्वीकार करे। अगर चुनाव आयोग ऐसा नहीं करता है, तो फिर राहुल गांधी का यह आरोप भी पुख्ता होगा कि नरेन्द्र मोदी जिन 25 सीटों के कारण प्रधानमंत्री बने हैं, वे भी संदिग्ध हैं। लोकसभा के साथ-साथ महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली सारे चुनावों पर अब प्रश्नवाचक निशान लग चुका है। कांग्रेस के अलावा अन्य दल भी अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता के सबूत मांग रहे हैं।

भाजपा इस लड़ाई को निजी बनाकर राहुल गांधी पर हमला बोल रही है, लेकिन भाजपा को भी यह याद रखना होगा कि इस लोकतंत्र के कारण ही उसे सत्ता मिली है। अगर लोकतंत्र नहीं बचेगा तो क्या भारत बच पाएगा, यह गंभीर सवाल देश के सामने है। इसलिए राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा करने की जगह जो मुद्दे उन्होंने उठाए है, उस पर पूरे देश में विचार हो, माननीय सुप्रीम कोर्ट इस पर स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, तभी चुनाव की चोरी रोकी जा सकेगी।

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम?

अपनी सनक में लिए गए फैसलों से हाहाकार मचा देने के आदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लाद दिया है। पहले 25 प्रतिशत की घोषणा के बाद अब 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ बतौर पैनल्टी इसलिए लगा दिया क्योंकि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना (कुल 80 प्रतिशत आयात का 36 प्रतिशत) जारी रखा है; और रखेगा। इसके संकेत भी दे दिए। इसके उलट भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका भी तो रूस से यूरेनियम और खाद ख़रीदता है। यही सवाल जब अमेरिकी राष्ट्रपति से एक संवाददाता ने पूछा तो वे इसे सीधे ही टाल गए। 50 प्रतिशत टैरिफ पर विचार के लिए दुनिया के दादा ने भारत को तीन हफ़्तों का समय दिया है क्योंकि तब उनका एक दल ट्रेड डील पर बात करने के लिए भारत में होगा।

यह तो पता नहीं कि बातचीत क्या रुख लेगी, लेकिन अब भारत अमेरिका से पैनल्टी खाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। ऐसा तो ट्रम्प ने युद्ध सुलगाने वाले देशों के साथ भी नहीं किया। रूस और इजराइल के आगे अमेरिका की चाल ज़रा नहीं बदलती। विस्तारवादी चीन के आगे भी आंकड़ा 30 फ़ीसदी तक पहुंचा है। भारत के साथ केवल ब्राज़ील खड़ा है जिस पर भी 50 प्रतिशत वाला बम फोड़ा गया है। वहां के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा ने साफ़ कह दिया है कि ब्राज़ील व्यापार के नए अवसर तलाशेगा और अपने देश के उद्योगों को राहत देगा। उधर भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी रूस में हैं और जल्द ही विदेश मंत्री जयशंकर भी जाने वाले हैं। चीन के साथ भी भारत अपनी पॉलिसी शिफ्ट करता हुआ नज़र आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह के आख़िर में चीन जाएंगे। उनकी यह यात्रा पूरे सात साल बाद हो रही है। ऐसा क्यों हुआ कि 'अब की बार ट्रम्प सरकार' से मज़बूत हुई यह दोस्ती उस कग़ार पर पहुंच गई जहां द्विपक्षीय व्यापार इस क़दर टूटने लगा?

जवाब अंग्रेज़ी में लिखने वाले एक पद्मश्री पत्रकार के लेख में खोजा जा सकता है। अमूमन वे इस सरकार के विचार से अलग होकर कम ही लिखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने लिखा है। लेख में सवाल है कि अमेरिका के साथ ऐसी नौबत क्यों आई? लेख के मुताबिक लगभग एक दशक से ऐसा लगता रहा था कि भारत अमेरिका का मज़बूत सहयोगी है। वाशिंगटन से मुक़ाबला करने में पाकिस्तान और बांग्लादेश हमसे बेहतर रहे जबकि हमारे यहां मोदी इकोसिस्टम तो आतंरिक सियासी संघर्ष का शिकार हो गया। सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका को यूं नहीं नकारना चाहिए था। संसद की बहस में यह ध्वनि और स्पष्ट हुई कि सरकार यह नहीं स्वीकारना चाह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई भूमिका रही। क्या हो जाता जो सरकार कह देती कि 'धन्यवाद ट्रम्प जी, पाकिस्तान को सद्बुद्धि देने और उसे खुद को विनाश से बचाने के लिए!'

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आखिर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब ग़लत हुआ है। वे लिखते हैं- 'शुरुआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए। भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया। इस समय तक हमारा विरोधाभास उभर आया था और उसमें वृद्धि हो रही थी। एक दशक तक यही धारणा बनी रही कि पश्चिमी खेमा भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी मानता है। चीन के साथ उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी सेक्टरों में तनाव के दौरान अमेरिकी मदद की खामोश स्वीकृति भी उभरी। हम खुद को पश्चिम का अपरिहार्य व अनिवार्यत: स्वाभाविक सहयोगी मानकर खुश होते रहे लेकिन फिर उसके प्रति इंदिरा युग वाली चिढ़ उभरने लगी थी। लेख का अंत दिलचस्प है जो कहता है- ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि राहुल गांधी ने संघर्षविराम होने के चंद घंटे के भीतर ही पहला वार कर दिया था कि सरकार ने मध्यस्थता स्वीकार की। राहुल गांधी सरकार को अपना एजेंडा बदलने के लिए अक्सर उकसाते रहते हैं। यह सब पीड़ित होने के गहरे भाव में और इज़ाफ़ा ही करता है।

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था।

तब क्या वाकई सरकार विपक्ष की भूल-भुलैया में फंस जाती है। जातिगत जनगणना में भी यही हुआ। इस गणना को सर्वथा नकारने वाली सरकार ने फिर इसे कराने की ठान ली। कुछ महीने पहले बिहार में राहुल गांधी की ज़िद और ललकार ने भी सरकार को प्रेरित किया। बिहार में उन्होंने कहा था- 'पहला कदम यह पता लगाना है कि सच्ची स्थिति क्या है। जाति जनगणना को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।'

इससे पहले भी राहुल गांधी संसद में ख़म ठोक चुके थे कि, 'अर्जुन की ही तरह उन्हें भी केवल मछली की आंख दिख रही है और वे जातीय जनगणना करा कर रहेंगे।' वे द्रोणाचार्य द्वारा गुरु दक्षिणा में एकलव्य का अंगूठा लिए जाने का उदाहरण देकर कह रहे थे कि आपने किस-किस का अंगूठा काटा है, हम यह जानकर ही दम लेंगे।

भारत-अमेरिका के बीच इस तनाव की वजह जानने का एक सवाल जब एआई चैटजीपीटी से पूछा जाता है तो जवाब आता है- साल 2023 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस ने एक भारतीय नागरिक को पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोपी ठहराया था और ऐसा ही एक मामला कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी जुड़ा देखा गया। इन घटनाओं ने विदेशी धरती पर भारतीय ख़ुफ़िया विभाग को संदेह की निगाह से देखने पर मजबूर किया। समय-समय पर अमेरिकी सरकार और मानव अधिकार संगठनों ने भी भारत में प्रेस की आज़ादी और धार्मिक स्वतंत्रता के मसलों को गंभीर माना। भारत की ओर से असहमत आवाज़ों और गैर सरकारी संगठनों पर सख्ती भी एक वजह रही। अमेरिका में विदेश नीति के केंद्र में लोकतंत्र और मानव अधिकार का नैरेटिव काम करता है, लिहाज़ा तनाव भी बढ़ा। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रूस से तेल ख़रीदना भी एक वजह है। बहरहाल इन तमाम कारणों से अलग राष्ट्रपति ट्रम्प जो टैरिफ का खेल चला रहे हैं, उसे खुद अमेरिकी कानून ही शक्ति का दुरुपयोग बता रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला देने वाले ट्रम्प का असल विरोध भी शायद उन्हीं के देश से होगा क्योंकि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी को वहां बुनियादी हक़ माना गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता (2008) और अर्थशास्त्र के जानकार पॉल क्रुगमैन ने भी कह दिया है कि व्यापार को लेकर ट्रंप जो भी कर रहे हैं वह ग़ैरक़ानूनी है और आंकड़े बता रहे हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब धीमी हो चली है।

वैसे ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था। ट्रम्प की यही क़ारोबारी मानसिकता पूरी दुनिया में खलबली मचा रही है जिसका कोई आधार नज़र नहीं आता। अलबत्ता एक पासा है जो जब-तब उछाल दिया जाता है। सोचिए, जो शायर अकबर इलाहाबादी इस दौर में होते तो अपनी ग़ज़ल के इस शेर में क्या कुछ बदलाव करते। काश कि कवियों जैसा थोड़ा सब्र भी इन हुक्मरानों में आया होता-

दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं,
बाज़ार से गुज़रा हूं ख़रीददार नहीं हूं।।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर शुल्क 50 फीसदी तक बढ़ाया : क्या होगा इस आदेश का असर

■ अरुण कुमार डनायक

6 अगस्त 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के चलते अतिरिक्त 25फीसदी आयात शुल्क लगाने का आदेश जारी किया, जिससे कुल अमेरिकी शुल्क अब 50फीसदी हो गया।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों की रक्षा हेतु जारी इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि यदि रूस या कोई अन्य प्रभावित देश अमेरिका के साथ समन्वय स्थापित कर आपात स्थिति के समाधान की दिशा में कदम उठाता है, तो राष्ट्रपति को आदेश संशोधित करने का अधिकार भी है, जिससे यह नीति लचीली बनती है।

इस आदेश के लागू होने की समय-सीमा 21 दिन तय की गई है, अर्थात भारत और रूस को इस अवधि के भीतर अमेरिका से बातचीत कर शुल्कों में किसी संभावित बदलाव की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

इस आदेश से स्पष्ट है कि अमेरिका उन देशों पर दबाव बनाना चाहता है जो यूक्रेन युद्ध के बाद भी रूसी ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं।

ट्रंप के इस कदम से भारत की आर्थिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। जहां एक ओर भारत ने ऊर्जा जरूरतों एवं परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात हेतु रूस से तेल खरीद जारी रखी है, वहीं अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ने का खतरा है। यह स्थिति भारत के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है, खासकर जब कई अमेरिकी कंपनियां उसे चीन के विकल्प के रूप में देख रही थीं। इसका प्रतिकूल प्रभाव प्रवासी भारतीयों पर भी होगा— आयातित भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि उनके उपभोग व्यय को बढ़ाएगी, जिससे न केवल उनकी बचत क्षमता पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी गिरावट आने की संभावना है।

चीन भी रूस से तेल खरीदता है, फिर भी उसे अतिरिक्त अमेरिकी शुल्कों का सामना नहीं करना पड़ा, संभवत: इसलिए कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार वार्ताएं जारी हैं। फिलहाल अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर शुल्क लगाए हैं, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिशोधात्मक कर लगाया है।

भारत पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है और वैश्विक व्यापार, ऊर्जा-नीति और भू-राजनीतिक समन्वय को जटिल बना दिया है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए उन्हें 'साहसी' और 'तार्किक' बताया, साथ ही यूरोप से भी वैसा ही रुख अपनाने की अपील की। हालांकि ऐसा कहा जा सकता है कि जॉनसन ने इस बहाने वर्तमान ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर पर कटाक्ष किया है। लेकिन यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ, विपक्ष व स्वदेशी के दबाव में अमेरिका की राह पर चलते हैं, तो भारत के लिए स्थिति और जटिल हो सकती है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिका के दबाव के बीच चीन ने पहली बार भारत का समर्थन करते हुए कहा कि उसकी विदेश नीति स्वतंत्र है। यह चीन की ओर से भारत को मिला एक दुर्लभ सार्वजनिक समर्थन है, विशेषकर ऐसे समय में जब अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापारिक टकराव की राह पर है। जो दोनों देशों के बीच संभावित रणनीतिक समीकरण का संकेत देता है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी की इस महीने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हेतु प्रस्तावित चीन यात्रा, जो गलवान झड़प के बाद पहली होगी, अमेरिका को यह सूक्ष्म संदेश भी देती है कि भारत के पास वैकल्पिक कूटनीतिक रास्ते मौजूद हैं। इस तरह चीन द्वारा भारत को दिया गया यह समर्थन केवल एक कूटनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में संभावित बदलाव की ओर संकेत करता है।

अब भारत को आत्मनिर्भरता और वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अपने प्रयास तेज करने होंगे। अमेरिका के टैरिफ युद्ध ने कई देशों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर किया है। फ्रांस, जर्मनी और कनाडा जैसे देश आर्थिक सुधार और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में सक्रिय हैं। अमेरिका के आक्रामक कदमों ने अन्य देशों को सुधार का अवसर देकर सकारात्मक बदलाव की राह खोली है।

अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

भारत ने इस बार कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया, 'अमेरिका स्वयं अपनी परमाणु ऊर्जा उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए पैलेडियम, और उर्वरकों व रसायनों का रूस से आयात करता है। ऐसे में केवल भारत को निशाना बनाना अन्यायपूर्ण और तर्कहीन है।' भारत, जो अब तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को प्राथमिकता देता रहा है, अब शायद यह दर्शाने की कोशिश कर रहा है कि यदि उस पर अत्यधिक दबाव डाला गया, तो वह अपनी विदेश नीति में विविधता लाने से नहीं हिचकिचाएगा।

भारत के लिए यह क्षण केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि दूरदर्शी आत्ममंथन और रणनीतिक सशक्तिकरण का है। जब अन्य देश टैरिफ युद्ध के दबाव में भी अवसर तलाशते हुए आगे बढ़ सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं? यह समय है जब भारत को अपने आंतरिक व्यापार को सरल और पारदर्शी बनाना, विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा देना, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत करना, और तकनीकी व नवाचार क्षमताओं को उभारते हुए वैश्विक नेतृत्व की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना चाहिए।

यदि भारत इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से एक सकारात्मक, परिवर्तनकारी रास्ता निकाल पाता है, तो यही तथाकथित 'अनपेक्षित प्रभाव' उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक जीत सिद्ध हो सकता है।

निस्संदेह, हर संकट अपने साथ एक छिपा हुआ अवसर लेकर आता है। टैरिफ युद्ध के इस दौर में भारत को आत्मनिर्भर, सजग और रणनीतिक दृष्टि से परिपक्व बनकर न केवल वर्तमान दबावों का सामना करना है, बल्कि स्वयं को भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित भी करना है।

अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता तथा समाजसेवी हैं)

ललित सुरजन की कलम से

संसाधनों का राष्ट्रीयकरण!

'पंडित नेहरू साम्यवादी नहीं थे। वे साम्यवाद के अच्छे पहलुओं को स्वीकार करने के लिए तैयार रहते थे, लेकिन साम्यवाद के तौर-तरीकों से उन्हें कुछ बुनियादी आपत्तियां थीं और देश के भीतर साम्यवादी दल की रीति-नीति को लेकर उन्हें बहुत से संदेह भी थे। वे एक खुले विचारों वाले व्यक्ति थे और देश के नव-निर्माण में सबसे यथायोग्य योगदान की अपेक्षा करते थे। जब देशी उद्योगपतियों ने उन्हें बॉम्बे प्लान दिया तो उसको उन्होंने बिना देखे खारिज नहीं किया। किन्तु उनकी दृढ़ मान्यता थी कि स्वतंत्र भारत में सार्वजनिक क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाएगा। आर्थिक गतिविधि का कोई भी आयाम हो, वे मानते थे कि उसकी कमान केन्द्र सरकार के पास होना चाहिए।'

(देशबन्धु में 08 नवम्बर को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/11/blog-post.html

रक्षाबंधन 9 अगस्त पर

क्षमा करने और स्नेह बांटने का पर्व

श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाने वाला पर्व यही वह सूत्र है जिसके द्वारा बहन,भाई के दीर्घायु की कामना करती है। इस पर्व की महत्ता इस लोक में ही नहीं देवलोक में भी होने का प्रमाण हमारे धर्म शास्त्रों में मिलता है। देवराज इंद्र से लेकर राजा बलि तक अनेक पौराणिक कथाएं राखी के सूत्र से भरी पड़ी हैं। इतना ही नहीं मुगलकालीन शासकों ने भी रक्षाबंधन के पर्व को सम्मान प्रदान करते हुए उसे अपनी कलाइयों में धारण किया। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक ऐसा त्यौहार है जो यह बताता है कि रिश्तों की बुनियाद खून से ज्यादा भावनाओं और विश्वास पर टिकी होती है। यह पर्व जहां भाई- बहन के रिश्ते को मजबूती देता है, वहीं समाज में सुरक्षा, कर्तव्य और सामंजस्य की भावना को भी प्रगाढ़ करता है।

रक्षाबंधन का पर्व वास्तव में देखा जाए तो एक पवित्र अनुष्ठान है , जो प्रत्येक भाई-बहन को कर्तव्यों का स्मरण कराता है। सार्वभौमिक भाईचारे का यह पर्व असीमित दृष्टिकोण एवं शांति की स्थापना करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो जाति, पंथ, आयु, लिंग, धर्म, सामाजिक- आर्थिक स्थिति, रंग और व्यक्तित्व के लक्षणों की सभी बाधाओं को तोड़ता है। रक्षा के पवित्र धागे 'राखी' से बंधे होते हैं। इसमें शांति, प्रेम,पवित्रता, ज्ञान, दया के मूल स्वभाव का संकल्प समाया होता है। रक्षाबंधन पर्व के दिन भाई-बहन एक-दूसरे से दूर रहने की स्थिति में साथ बिताए पलों को याद कर भावुकता एवं बचपन की हंसी-ठिठोली, लड़ाई- झगड़े, प्यार-स्नेह और हर तरह की उछल कूद वाली मस्ती भरी तस्वीरों में रंग भरने लगते हैं। यही इस पर्व का उल्लास कहा जा सकता है।

राखी महज एक धागा या सूत्र नहीं है , बल्कि यह एक बहन की भावनाओं, उसकी प्रार्थनाओं और भाई के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है। यही वह स्नेह बंधन है जो भाई-बहन के बीच रिश्तों की मजबूती और स्थायित्व को प्रकट करता है। एक ओर जहां बहन रक्षा का सूत्र बांधकर अपने भाई से जीवन भर की सुरक्षा का वचन मांगती है तो दूसरी ओर भाई भी अपने इस कर्तव्य को निभाने की प्रतिबद्धता का पालन करने का विश्वास दिलाता है । यह पर्व पारिवारिक सदस्यों को एक साथ आने का अवसर भी प्रदान करता है। एक दूसरे के प्रति कर्तव्यों के स्मरण बोध को भी रक्षा बंधन मजबूती प्रदान करता है। राखी का पर्व न केवल भाई - बहन के रिश्ते को बल प्रदान करता है वरन समाज में प्रेम एवं सद्भाव को भी बढ़ाता है। वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि बदलती जीवनशैली ने हमें इतना ज्यादा व्यस्त कर दिया है कि इस दिन को छोड़कर पूरे वर्ष भर हमारे पास इतना वक्त नहीं कि बहन कैसी है? भाई क्या कर रहा है? जानने का प्रयास कर सकें। ऐसे हालात कैसे बने? इसका जिम्मेदार कौन है? काफी सिर फुटव्वल के बाद भी जवाब नकारात्मक ही है! कभी ऐसा लगता है कि यह सब समय का प्रभाव है, कभी लगता है सब अपने-अपने दायरों में कैद होकर रह गए हैं। आज की आरामतलब जिंदगी और प्रतिदिन के संघर्षों ने रिश्तों को खोखला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भागती-दौड़ती जिंदगी में पारिवारिक रिश्तों का स्वरूप तेजी के साथ बदलता जा रहा है। एक परिवार में रहने वाले भाई- बहनों के बीच तकरार और तनाव की लकीरें गाढ़ी होती जा रही हैं! एक-दूसरे की तकलीफों को समझने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है! भाई-बहन के रिश्ते आज की स्थिति में अपने प्रभुत्व और मान-सम्मान का प्रदर्शन करते ही दिखाई पड़ रहे हैं!

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

प्रलोभन का परिणाम : जब प्रकृति निगलने लगती है

आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं — उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही— सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सब कुछ वापस ले लेते हैं।

मेरे घर के पास एक छोटा सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है —जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है? इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं, और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं।

भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ़ भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड—हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहनशक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस ज़मीन को सदियों से पेड़ों ने थामा हुआ था, वहां अब कांक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह ज़मीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती— परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है।

बादल फटते हैं, बाढ़ आती है, और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियां सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते को रिक्लेम करेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था— वह नदी के पाट में बना था। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था और लालच कभी भी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक मूर्ख और संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतज़ार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवज़े का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ़ एक 'डॉक्युमेंट' बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग 'डील' खोज रहे हैं — 'इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे'? क्या हमने चेतना खो दी है?

-डॉ. प्रियंका सौरभ

CMYK

देशबन्धु
संस्कारधानी

उल्टा पुल्टा

शराबी- मुझे एस.वी. रोड पर एक पर्स मिला है जिसमे 15 कैश, एक आईफोन 5 एस, एक क्रेडिट कार्ड और किसी पल्लवी नाम की लड़की का आई.डी.मिला है।
रेडियो जॉकी- वाह ! आप कितने ईमानदार हैंतो आप उन्हें वो पर्स वापस करना चाहेंगे राईट?
शराबी- नही ! मै चाहता हूँ की पल्लवी के लिए एक दर्द भरा गाना हो जाए।

डीजीपी ने जिले में बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था पर दिया जोर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने दिया जिले की कानून व्यवस्था , अपराधों पर नियंत्रण , डिटेक्शन और विजिबल पुलिस तथा सामुदायिक पुलिसिंग के द्वारा किए जा रहे कार्यो का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने गुरुवार को जिले की पुलिसिंग व्यवस्था पर पुलिस अधिकारियों की बैठक ली । मीटिंग में जिले के सकरी बटालियन,रेडियो कार्यालय, हाई कोर्ट सुरक्षा, एयरपोर्ट सुरक्षा, विशेष आसूचना शाखा, अभियोजन कार्यालय , रेंज एम टी शाखा के सभी प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे । इनके कार्यों की भी की गई समीक्षा की गई ।

पुलिस महानिदेशक द्वारा ली गई इस मीटिंग में बिलासपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला (आईपीएस), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (आईपीएस),दूसरी बटालियन कमांडेंट मनोज खिलाड़ी, जोनल पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा श्रीमती दीपमाला कश्यप, रेडियो एसपी श्रीमती पूजा कुमार (आईपीएस), तथा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी गण उपस्थित थे ।

पुलिस महानिदेशक द्वारा जिले में संचालित सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम चेतना , अभियान को संस्थागत करने , फिंगरप्रिंट की उपयोगिता एवं इस संबंध में प्रशिक्षण हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस महानिदेशक द्वारा जिले के बीट सिस्टम को और प्रभावी करने , नए कानून के बेहतर क्रियान्वयन, सीसीटीएनएस , ई साक्ष्य, ई समन के विवेचना में अधिक से अधिक उपयोग के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए।पुलिस के वेलफेयर के लिए शासन और पुलिस मुख्यालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप समय सीमा में उचित निर्णय हेतु निर्देश ।

पुलिस महानिदेशक द्वारा सकरी बटालियन (छ स ब), रेडियो कार्यालय, हाई कोर्ट सुरक्षा, एयरपोर्ट सुरक्षा, विशेष आसूचना शाखा, अभियोजन कार्यालय , रेंज एम टी शाखा के कार्यों की भी की गई समीक्षा कर कार्य योजना की जानकारी ली गई और छत्तीसगढ़ शासन, पुलिस मुख्यालय, रेंज मुख्यालय से दिया गया आदेश/निर्देशों के पालन की भी समीक्षा की गई।

सभी उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों को उनके प्रथम पर्यवेक्षण अधिकारी के रूप में थाना के एरिया में घटित अपराधों के घटना स्थल पर तत्काल पहुँचने और शीघ्र कार्रवाई करने और फरियादी की आवश्यक रूप से सुनवाई करने के लिए एक निश्चित व्यवस्था , समान वारंट , लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सभी पुराने नए प्रकरण का निराकरण करने निर्देशित किया गया।

अंत में सभी को पुलिस की बेहतर छवि और समर्पण के साथ कानून और नियम का पालन कर उल्लेखनीय कार्य करने निर्देश दिए गई ।

संपादकीय

औद्योगिक सुरक्षा का प्रशिक्षण अहम

सार्वजनिक तथा निजी सेक्टर दोनों में ही छत्तीसगढ़ ने काफी बड़ी छलांग लगाई है। एक चौथाई दशक पहले जब वह स्वतंत्र राज्य बना, तभी से निवेशकों के आकर्षण का केन्द्र बन गया था। देश के नक्शे में इसकी जगह या कहें कि लाभदायी भौगोलिक स्थिति, प्रचुर मात्रा में खनिज तथा वन सम्पदा, कुशल, अर्द्ध कुशल एवं अकुशल मानव संसाधन की उपलब्धता आदि अनेक ऐसे कारण हैं जिनके चलते जल्दी ही बड़ी तादाद में उद्योग यहां लगे। व्यवसाय भी बढ़ चला। अनेक बड़ी सरकारी कम्पनियों की इकाइयां यहां पहले से चल रही थीं। तत्पश्चात निजी क्षेत्र का विकास भी हुआ।

इस तरक्की ने प्रदेश को सम्पन्न तो बनाया ही और शासन की राजस्व आय में बढ़ोतरी भी की, परन्तु औद्योगिक सुरक्षा की तरफ पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया जो वांछनीय है। मानव जीवन से अधिक अनमोल कुछ भी नहीं होता। दुर्भाग्य से सार्वजनिक क्षेत्रों की इकाइयों में भी अक्सर बड़े व गम्भीर औद्योगिक हादसे होते रहते हैं जिनमें लोगों को जान गंवानी पड़ती है। औद्योगिक सुरक्षा पर निजी कम्पनियां अक्सर बड़ा खर्च करने से बचती हैं लेकिन शासकीय कम्पनियों में ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। उन्हें तो इस मामले में उदाहरण बनना चाहिये तथा सम्भव हो तो निजी कम्पनियों का मार्गदर्शन करना चाहिये। इसी कारण से अक्सर सरकारी कम्पनियों से भी औद्योगिक हादसों की खबरें आती रहती हैं।

राष्ट्रीय ताप बिजली परियोजना (एनटीपीसी) के सीपत संयंत्र में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। 5वीं इकाई में मेंटेनेंस कार्य जारी था तभी प्री-एयर हीटर का प्लेटफॉर्म टूट गया। इससे पांच मजदूर घायल हो गये। एक की उपचार के दौरान सिम्स में मृत्यु हो गयी जबकि चार का इलाज जारी है। एक की हालत गम्भीर बताई गई है। मजदूरों ने इस दुर्घटना पर नाराजगी जताते हुए सड़क जाम कर दी थी जबकि प्रबन्धन ने मुआवजे तथा इलाज का खर्च उठाने की बात कही।

निजी हो या सार्वजनिक- दोनों ही तरह की औद्योगिक इकाइयों में कार्य करने वाले श्रमिकों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिये लेकिन दुर्भाग्य से इसकी ज़हमत कम ही इकाइयां उठाती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है इस पर होने वाला भारी-भरकम खर्च जिसे अक्सर टाला जाता है। हालांकि एनटीपीसी समेत प्रदेश में कार्यरत अनेक सरकारी तथा प्राइवेट सेक्टर में संचालित हो रही कम्पनियां इस मामले में संवेदनशील हैं तथा उनके पास पैसों की कोई कमी भी नहीं है।

इस दुर्घटना की जांच की जा रही है इसलिये उस पर पहले से कोई निष्कर्ष निकालना अथवा टिप्पणी करना उचित नहीं परन्तु पाया जाता है कि सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक उपकरण प्रदान करने तथा आदर्श कार्य प्रणाली (एसओपी) अपनाने के बाद भी होने वाले हादसों का कारण ज्यादातर मानवीय चूक होती है। ठेका मजदूरों, कर्मचारियों व अधिकारियों को सुरक्षा सम्बन्धी कड़ा प्रशिक्षण दिया जाना कम्पनियों का ही उत्तरदायित्व है।

सार-संक्षेप

हर घर तिरंगा अभियान 2025

स्कूली बच्चों ने रंगोली और पेंटिंग के माध्यम से दिया देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति अपनी भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। बच्चों ने मधुर स्वच्छता गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी के साथ ही बच्चों ने रंगोली और पेंटिंग के माध्यम से स्वतंत्रता व स्वच्छता थीम पर अपनी रचनात्मकता से सबका दिल जीत लिया।

वन्यप्राणियों के संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु टेलीफोन नंबर जारी

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। बिलासपुर वनमण्डल क्षेत्रांतर्गत वन्यप्राणियों के संरक्षण एवं सुरक्षा से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए टेलीफोन नंबर 07752-226082 शुरू किया गया है। वनमण्डलाधिकारी ने आमजनों से अपील की है कि यदि वे वनप्राणियों के संरक्षण एवं सुरक्षा से संबंधित यदि कोई शिकायत दर्ज कराना चाहते है तो उक्त टेलीफोन नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते है। साथ ही नंबर का उपयोग आवश्यक परिस्थिति में करने का अनुरोध किया गया है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला के लिए बैठक आयोजित

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। प्रदेश में आगामी माह में होने वाले राज्य स्तरीय मेले के आयोजन के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के संचालक श्री विजय दयाराम ने की। उन्होंने आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ एस. के. सिंघई को बिलासपुर संभाग से इस आयोजन को सफलतापूर्वक पूर्ण करने की जिम्मेदारी दी गई।

इसी तारतम्य में 4 अगस्त को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय कोनी बिलासपुर में कोर समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ एस. के. सिंघई, शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक बिलासपुर के प्राचार्य प्रो अभिषेक अवस्थी सहित रोजगार विभाग के उपसंचालक श्री अमन पहारे उपस्थित रहे। इस बैठक में आगामी रोजगार मेला को सफल बनाने हेतु कार्य योजना बनाई गई। जिसके तहत 8 अगस्त को संभाग के सभी इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा संस्थानों के प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारियों को तथा 11 अगस्त को को संभाग के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। इन प्रशिक्षणों में छात्र छात्राओं को ई रोजगार पोर्टल में पंजीयन कराये जाने, साक्षात्कार की तैयारी कराये जाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर आज कार्यशाला

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में कल 8 अगस्त को अपरान्ह 3 बजे से लखीराम स्मृति ऑडोटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में प्रधानमंत्री मुफ्त सूर्य घर बिजली योजना और इसका लाभ लेने के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि योजना के अंतर्गत बिजली उपकरण अपने घर में ही स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकार की ओर से भारी अनुदान दिया जा रहा है। हर महीने अपने घर में ही बिजली संयत्र स्थापित कर 200 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादित कर सकते है। जरूरत से ज्यादा बिजली होने पर इसे पावर ग्रिड में डालकर अतिरिक्त आमदनी भी कमाई जा सकती है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तीन अधिवक्ताओं को वरिष्ठ अधिवक्ता घोषित किया

अशोक वर्मा, मनोज परांजपे और सुनील ओटवानी को तत्काल प्रभाव से मिली मान्यता

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 16 तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय (वरिष्ठ अधिवक्ताओं के नामांकन) नियम, 2018 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तीन अधिवक्ताओं को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया है। यह निर्णय दिनांक 12 अक्टूबर 2017 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा जयसिंह बनाम भारत के सर्वोच्च न्यायालय वाद में पारित आदेश के आलोक में लिया गया है, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चयन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं।

रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर द्वारा दिनांक 07/08/2025 को जारी अधिसूचना क्रमांक 15708/एससीडीएसए/2025 के अनुसार, अशोक कुमार वर्मा, मनोज विष्णनाथ परांजपे और सुनील ओटवानी को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी गई है।

उच्च न्यायालय की फुल कोर्ट द्वारा विधिक मापदंडों, पेशेवर साख और विधि क्षेत्र में योगदान के आधार पर इन नामों को अनुमोदन प्रदान किया गया। अधिसूचना में कहा गया है कि यह नामांकन निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप किया गया है, जिससे बार में उत्कृष्ट विधिक क्षमता और प्रतिष्ठित सेवा को मान्यता मिल सके।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए हाईकोर्ट अधिवक्ता अमित सोनी ने कहा, वरिष्ठ अधिवक्ता की मान्यता केवल प्रतीकात्मक नहीं होती, बल्कि यह उत्कृष्ट वकालत, दीर्घ अनुभव और नैतिक मानदंडों की सार्वजनिक स्वीकृति होती है। इससे अधिवक्ताओं को अदालत में विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं और न्यायिक प्रक्रिया की गुणवत्ता भी सुदृढ़ होती है।

रिजर्व बैंक के निर्देश पर बैंकिंग योजनाओं का लाभ दिलाने गांव-गांव लग रहे विशेष शिविर

मझगांव शिविर में 83 लोगों ने कराए सुरक्षा बीमा

अटल पेंशन योजना के खाते भी खोले गए

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति स्तर हासिल करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। ये शिविर लीड बैंक द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से जिले की सभी 486 ग्राम पंचायतों में कार्ययोजना के अनुरूप आयोजित की जा रही है। इस सिलसिले में कोटा विकासखण्ड के ग्राम मझगांव में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 210 जनधन खातों की पुन: केवाईसी की गई, 23 नए जनधन खाते खोले गए, 54 लोगों ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, 29 ने जीवन ज्योति बीमा योजना और 10 ने अटल पेंशन योजना खाते खोले गए। इस तरह के शिविर 31 सितम्बर तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगाये जायेंगे।

लीड बैंक अधिकारी दिनेश उरांव ने बताया कि गांव स्तर पर आयोजित इन शिविरों में विशेष रूप से जनधन एवं सभी निष्क्रिय खातों में केवाईसी, जनधन खाता खोलना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के कार्य किये जायेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार हर बैंक खाते का निश्चित अंतराल में केवाईसी किया जाना अनिवार्य किया गया है। कोटा में आयोजित विशेष शिविर में स्टेट बैंक कोटा, बेलगहना, ग्रामीण बैंक कोटा एवं बेलगहना, पंजाब नेशनल बैंक कोटा, सेंट्रल बैंक कोटा एवं एचडीएफसी बैंक कोटा ने हिस्सा लिया। भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर कार्यालय के महाप्रबंधक मनीष पाराशर ने शिविर का निरीक्षण किया और हो रहे कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर के सहायक महाप्रबंधक श्री दीपेश तिवारी, भारतीय स्टेट बैंक के आर.एम. अविनाश सोनी, पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल हेड जगदीश राय, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के आर.एम. सुरेश कुमार राजपूत, प्रबंधक वित्तीय समावेशन विमल कुमार प्रसाद और सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

लोफंदी में मनाया गया राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस

90 की उम्र में भी काम करने वाले बुनकर पदुमलाल का सम्मान

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। शहर से लगे ग्राम लोफंदी में 11वां राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति मर्यादित लोफन्दी में किया गया। समारोह में जिले के हाथकरघा वस्त्र उत्पादन में सम्मिलित बुनकर समिति के अध्यक्ष, प्रतिनिधि एवं बुनकर शामिल हुए। इस खास अवसर पर 90 साल की उम्र में भी सक्रिय होकर बुनकरी का काम करने वाले पदुमलाल पिता मनिराम देवांगन का सम्मान किया गया। इसके अलावा 70 वर्ष से ज्यादा आयु वाले सभी बुनकरों का हाथकरघा विभाग की ओर से अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर उपस्थिति सभी बुनकर सदस्यों को एक-एक पौधा भेट किये गये तथा ग्राम-लोफन्दी में वृक्षारोपण कर उन्हे संरक्षित करने का संकल्प बुनकरों के द्वारा लिया गया है।

ग्रामोद्योग विभाग, संचालनालय हाथकरघा रायपुर द्वारा सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति में आहता निर्माण हेतु समग्र हाथकरघा विकास योजनान्तर्गत राशि रूपये 10 लाख की स्वीकृति दी गयी। उक्त राशि से समिति में अहाता निर्माण किये जाने हेतु भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डोमूदास धकाते उपंसचालक जिला हाथकरघा कार्यालय बिलासपुर द्वारा हाथकरघा बुनकरों के विकास हेतु संचालित भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। राज्य शासन की महत्वकांक्षी शासकीय वस्त्र प्रदाय योजनार्न्तगत प्राप्त वस्त्र उत्पादन लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु सम्मुचित मार्गदर्शन बुनकरों को किया गया। कार्यक्रम में ग्राम-लोफन्दी के सरपंच अयोध्या प्रसाद देवांगन, सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष बजरंग देवांगन एवं जिले की अन्य बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष/प्रतिनिधि तथा ग्राम-लोफन्दी के सैकड़ों बुनकर उपस्थित रहे है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 7 अगस्त को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस घोषित किये जाने के फलस्वरूप प्रथम राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस चैन्नई में इसी दिन आयोजित किया गया था। हाथकरघा की बुनाई हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुनकरों द्वारा हाथकरघा पर निर्मित वस्त्र बुनाई कला देश की पहचान को विश्वभर में प्रसिद्ध बनाया है। हाथकरघा क्षेत्र में अपनी अद्वितीय बुनाई कला और कौशल का प्रदर्शन किया है और भारतीय हाथकरघा को वैश्विक पहचान दिलाई है। हाथकरघा बुनकरों की धरोहर और संस्कृति को धागों के माध्यम से संजोने में अहम भूमिका निभाने वाले सभी शिल्पकारों एवं बुनकरों को यह राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस समर्पित है।

तारबाहर अंडरब्रिज में काऊ कैचर लगाने का कार्य पूर्ण

7 अगस्त की रात्रि 11 बजे से आवागमन हेतु आम जनता के लिए पुनः चालू

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। रेल प्रशासन, मंडल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले रेलवे अंडरब्रिजों में आम नागरिकों को सुगम, सुरक्षित व निर्बाध सड़क आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के एलएचएस 366 तारबाहर अंडरब्रिज में मवेशियों की आवाजाही को रोकने हेतु काऊ कैचर लगाने का कार्य रेल प्रशासन द्वारा सफलता पूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण हो जाने के पश्चात आज 07 अगस्त की रात्रि 23 बजे से यह अंडरब्रिज आम जनता के सुगम, निर्बाध और सुरक्षित आवागमन हेतु खोल दिया जाएगा।

ज्ञात हो कि यह अंडरब्रिज 15 जुलाई 2025 से मवेशियों की रोकथाम हेतु काऊ कैचर लगाने के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया था। तकनीकी कारणों से इस कार्य की अवधि बढ़ाकर 10 अगस्त 2025 (रविवार) तक की गई थी।

रेल प्रशासन द्वारा आमजनों को शीघ्र राहत प्रदान करने हेतु इस कार्य को निर्धारित समय से पहले सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। आमजनों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए 07 अगस्त की रात्रि 23 बजे से ही इसे पुन: चालू किया जा रहा है। रेल प्रशासन आमजन से सहयोग हेतु आभार प्रकट करता है एवं उनकी सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यों को तत्परता से पूर्ण करने हेतु संकल्पित है।

बिलासपुर रीजन में पीएम सूर्यघर योजना के लिए हुए स्पॉट रजिस्ट्रेशन

हाफ बिल से मुफ्त बिजली बिल की ओर कदम

तिफरा स्थित कल्याण भवन में शिविर का आयोजन

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में उपभोक्ता हाफ बिजली से मुफ्त बिजली बिल की योजना की ओर ले जाने तिफरा स्थित कल्याण भवन में ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन किया गया । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चला रही है, जिसके तहत रूफटॉफ सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन आरंभ किया गया। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक ए. के. अम्बष्ट ने बिलासपुर रीजन में भी इस शिविर का आगाज किया। वहां 60 से अधिक आवेदकों ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने आवास में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। साथ ही कोरबा में आयोजित में 22 से अधिक आवेदकों ने इस योजना के अन्तर्गत अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अम्बष्ट ने कहा कि हमें स्वच्छ और हरित ऊर्जा के मामले में कदम बढ़ाना है। इसके लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है, जो हर उपभोक्ता को बिजली उत्पादक बना देगी। इस योजना की शुरुआत पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों से किया गया, ताकि आस-पड़ोस व मोहल्ले के लोग उसे देखकर प्रेरित हों और वे भी सोलर प्लांट लगवाने आवेदन करें, जिसमें स्थानीय अधिकारी-कर्मचारियो ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री अम्बष्ट ने बताया कि इस योजना के तहत राज्य सरकार ने भी भारी अनुदान की घोषणा की है, जिसके तहत अब एक किलोवाट क्षमता के प्लांट लगाने पर 45 हजार रुपए की छूट मिलेगी। दो किलोवाट पर 90 हजार और तीन किलोवाट पर एक लाख आठ हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी।

रजिस्ट्रेशन के बाद सोलर पैनल लगाने वाले तकनीकी अधिकारी उनके आवास पर जाकर ड्राइंग-डिजाइन और प्राक्कलन तैयार करेंगे और उपभोक्ता के घर पर रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना करेंगे। पहले चरण में बिजली कंपनियों के अधिकारी-कर्मचारियों ने इस योजना के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता डी. के. भोजक ने कहा कि इस योजना में आप अपनी मासिक बिजली बिल जितना ईएमआई देकर अपना बिजली बिल शून्य कर सकते हैं। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सर्वश्री सुरेश जांगड़े, पी. आर. साहू व्ही. बी. एस. कंवर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रवेश प्रक्रिया में धांधली जलाया प्राचार्य का पुतला

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कुसमुंडा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित डीएवी पब्लिक स्कूल के सामने नाराज अभिभावकों ने प्रिंसिपल का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। उनका आरोप है कि प्रवेश प्रक्रिया के नाम पर जमकर धांधली की गई। इसमें पारदर्शिता पूरी तरह से गायब है। जबकि प्राचार्य ने लोगों के इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

पुतला जलाकर प्रदर्शन करने वाले लोग परियोजना प्रभावित क्षेत्र और कॉलोनी के बताए जा रहे हैं जो काफी संख्या में स्कूल के सामने इकट्ठे हुए थे। स्कूल संचालक के लिए प्रबंधन की ओर से कई दशक पहले यहां भवन उपलब्ध कराया गया। अधिकांश सुविधा प्रबंधन की ओर से ही मुहैया कराई जा रही है। विद्यालय प्रबंधन के लिए बनाई गई समिति में मुख्य महाप्रबंधक के अलावा कई अधिकारी शामिल किए गए हैं। छात्रों को विभिन्न कक्षाओं में उपलब्ध सीट के आधार पर प्रवेश देने के लिए नियम बने हुए हैं। हर वर्ष इसी बात को लेकर नोंक-झोंक होती है और आरोप प्रत्यारोप भी लगते हैं। वर्ष

2025 का सत्र शुरू होने के साथ एक बार फिर इस तरह की स्थिति निर्मित हो गई। बताया गया की बड़ी संख्या में परियोजना क्षेत्र के लोग स्कूल के पास पहुंचे और उन्होंने प्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला जला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवेश के नाम पर अलग-अलग नियम बताए गए। कई बार चक्कर लगवाए गए। और फिर सीट नहीं होने की बात कह कर उनके बच्चों को प्रवेश से वंचित कर दिया। यह भी कहा गया कि जिन लोगों को प्रवेश के लिए एलिजिबल बताया गया ना तो उनकी लिस्ट जारी की गई और ना ही मापदंड की जानकारी दी गई। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने प्राचार्य पर भ्रष्टाचार करने और गलत तरीके से खास लोगों के बच्चों को प्रवेश देने का आरोप लगाया।

वहीं इस बारे में प्राचार्य ने ऐसे सभी आरोप को सिरे से नकार दिया। जो भी पैरामीटर बनाए गए हैं उसको ध्यान में रखने के साथ ही पूरी प्रक्रिया की गई है। अब लोग अलग-अलग कारण से इस बारे में अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं।

जोन कार्यालय घेरने के बाद सुधरी बिजली आपूर्ति

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। कोरबा के पुरानी बस्ती वार्ड संख्या-5 के बड़े हिस्से में बिजली व्यवस्था को लेकर परेशान हो रहे लोगों को आखिरकार आंदोलन का सहारा लेना ही पड़ा। उनके तेवर का असर वितरण कंपनी पर पड़ा। जिसके बाद यहां नया ट्रांसफॉर्मर इंस्टाल किया गया।

हर दिन बिजली गुल होने की समस्या और बार-बार सुधार की मिन्नतों और सुधार के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज लोगों ने तुलसीनगर जोन कार्यालय का घेराव कर दिया। पार्षद ने भी चर्चा की और प्रदर्शन के बाद कुछ घण्टे के भीतर अंतत: ईदगाह के निकट का पुराना और बार-बार खराब हो रहा ट्रांसफार्मर बदला गया।

इससे चर्चा होती रही कि कई बार अधिकारी आंदोलन की भाषा ही समझते हैं। नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 5 देवांगन पारा के इंदिरा नगर, फुलवारी मोहल्ला, ईदगाह के आसपास मोहल्ले में लगातार हो रही बिजली गुल होने की समस्या से परेशान नागरिकों ने आज तुलसी नगर बिजली जोन कार्यालय का घेराव कर दिया और नारेबाजी की। इस आंदोलन का नेतृत्व वार्ड के पार्षद टामेश अग्रवाल ने किया। वार्डवासियों की समस्याओं को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों से सीधे चर्चा की।

सार-संक्षेप

जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। 43 वर्ष के धर्मेंद्र साहू को मानिकपुर पुलिस ने दुष्कर्म करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। उसने एक पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी और फिर इस घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर मानिकपुर चौकी पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करने के साथ कार्रवाई की।

इस प्रकरण में आरोपी धर्मेंद्र साहू कोरबा के मानिकपुर डिपरापारा का निवासी है जो मूल रूप से जांजगीर चांपा जिला के पामगढ़ का रहने वाला है। उसके द्वारा 2 अगस्त को सुबह 11 बजे पीड़िता से दुष्कर्म किया गया, जब वह अपने घर पर अकेली थी। उसे अकेला पाकर आरोपी ने पहले डराया धमकाया और इस घटना का अंजाम दिया। दुष्कर्म करने के बाद यह भी चेतावनी दी गई कि अगर किसी से इस बारे में बात को साझा किया गया तो वह जान से हाथ धो बैठेगी। पीड़िता ने अपने साथ हुए गलत व्यवहार के बारे में परिवार के अन्य लोगों और पुलिस को जानकारी दी। मामले को गंभीरता से लेने के साथ चौकी पुलिस ने धर्मेंद्र यादव के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया और उसकी तलाश शुरू की। बताया गया कि 72 घंटे के भीतर छानबीन करते हुए आरोपी को एक ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ और आगे की जांच पड़ताल में आरोपी के द्वारा दुष्कर्म करने की बात प्रमाणित हुई है। उसे कोरबा के एक कोर्ट में पेश करने के बाद जिला जेल भेज दिया गया।

नल-जल योजना के पाईप स्वाहा हुए आगजनी में

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। रजगामार के हाईस्कूल के नजदीक रखे हुए नल-जल योजना के पाईप आगजनी की योजना में स्वाहा हो गये। हालांकि कुछ देर के बाद दमकल के पहुंचने से बड़ी संख्या में पाईप को बचा लेना संभव हो सका। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

रजगामार पुलिस ने बताया कि शाम 6 बजे के आसपास यह घटना हुई। क्षेत्र में नल-जल योजना का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए काफी संख्या में संसाधन की व्यवस्था कराई गई है। कांट्रैक्ट एजेंसी ने हाईस्कूल के पास प्लास्टिक का पाईप डम्प किए हैं। संबंधित क्षेत्र में इनका उपयोग किया जाना है। गुरुवार की शाम इस इलाके में पाईप को आग लगा दी गई। कुछ ही देर में यहां आग का गोला नजर आया। काफी ऊंचाई तक धुंआ उठने पर आसपास के लोग सक्रिय हुए। पुलिस को इसकी जानकारी हुई। इससे पहले आग पर नियंत्रण के लिए लोगों ने कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। अग्निशमन विभाग को सूचित करने पर कोरबा से आई एक दमकल ने आग पर काबू पाया। इस दौरान काफी पाईप आग में स्वाहा हो गये जबकि पाईप की बड़ी मात्रा को बचा लिया गया। घटना के पीछे किसकी भूमिका है, इसकी जांच करने की बात कही गई है।

30 लीटर महुआ शराब जप्त

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। उरगा पुलिस ने 30 लीटर महुआ शराब के साथ महेंद्र कुर्रे को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि शराब की बिक्री और उत्पात मचाने में यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि महेंद्र कुर्रे ने घर के पास बाड़ी में शराब रखा हुआ था। मौके पर यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा शराब पीकर उपद्रव करने वाले बुधराम एक्का, प्रीतम राजवाड़े, वीरेन्द्र मरावी, वीरेन्द्र भगत, प्रकाश चौहान के खिलाफ 135 (3) 126 (2) के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है।

राजस्थान के लोगों ने शक्तिपीठ में पूजा की

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। आदिवासी शक्तिपीठ में राजस्थान से डॉक्टर श्रीमती हीरा मीणा एवं उनके पति डॉ.मीना का आगमन हुआ। उन्होंने अपने आगमन में शक्तिपीठ के पुरखा शक्तियों का सेवा पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा शक्तिपीठ जो कार्य कर रहा है वह कार्य सराहनीय है। उन्हें बताया गया कि वर्ष 2011 से लेकर 2025 तक शक्तिपीठ में रहकर 44 बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी कर आज अलग-अलग तरह के नौकरी पाकर अपने अपने परिवार सहित समाज का भी बेहतर सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी नई पीढ़ी को तैयार कर आने वाले समय की मजबूत आदिवासियों की बुनियाद उनकी रूढ़िजन्य परंपरा रीति रिवाज विशिष्ट शैली सांस्कृतिक पहचान को अमूल धरोहर के रूप में सहेज कर नीति निरंतर बढ़ाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। संरक्षक श्रीमती सुमन मित्रा नेताम ने आभार व्यक्त किया। मातृशक्ति संघ के अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा राजेश मांझी कोषाध्यक्ष श्रीमती रमाराज सहित मातृशक्ति पदाधिकारी मौजूद रहे।

140 वाहनों ने तोड़े नियम 1.85 लाख की पेनाल्टी

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। कोरबा जिले की सड़क पर संयंत्रों की राखड़ लेकर दौड़ते व कोल परिवहन में लगे भारी वाहनों द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इससे वायु प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हो रही है और सड़कों पर लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। परिवहन विभाग ने ऐसे मामलों पर कार्रवाई करने के साथ वाहन मालिकों पर 1.85 लाख की पेनाल्टी की।

पर्यावरण मानकों की अनदेखी के साथ परिवहन नियमों का मजाक उड़ाने को लेकर अब विभाग सख्ती के मूड में आ गया है। सरकार के निर्देश पर प्रदूषण की रोकथाम के लिए राखड़ एवं कोयला लोड कर चलने वाले विभिन्न वाहनों पर व नियम विरुध परिवहन करने वाले भारी वाहन निशाने पर हैं। बिना तिरपाल ढके/अधुरे ढके वाहनों एवं खुले में अवैध डंप करने वाले फ्लाईएश वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। परिवहन आयुक्त कार्यालय के निर्देशानुसार परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश, अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के मार्गदर्शन एवं आरटीओ परिवहन उड़नदस्ता कोरबा के प्रभारी अधिकारी संदीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उनकी प्रवर्तन अमला द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 140 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 185500

रुपये जुर्माना राशि वसूल की गई। साथ ही मौके पर वाहन चालकों को यान को निश्चित मानक (200 जीएसएम) के तिरपाल से ढक कर चलने एवं ओव्हर लोड न करने एवं शराब पीकर वाहन न चलाने एवं परिवहन नियमों का पालन करने समझाईश दी गई। बिना फिटनेस, बिना बीमा, बिना परमिट एवं बिना तिरपाल ढके वाहनों एवं दुकान/ढाबे व सड़क किनारे/नो पार्किंग एरिया में बेतरतीब खड़े वाहनों एवं शराब सेवन कर चलने वाले वाहन चालकों पर परिवहन विभाग की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले भी परिवहन विभाग ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेने में रुचि दिखाई है।

फसल की नींव मजबूत की रासायनिक खाद ने

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। जिले में रासायनिक खाद किसानों को आसानी से मिल रही है। खरीफ सीजन की फसल की नींव को इससे मजबूती मिली है। जिले में कहीं भी खाद संकट जैसी स्थिति नहीं है।

कोरबा विकासखंड की कोरकोमा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में सरकार की किसान हितैषी पहल का स्पष्ट रूप देखने को मिलता है। ग्राम कोरकोमा के किसान दुबराज सिंह राठिया जब समिति में अपने खरीफ सीजन में फसल की बेहतर पैदावार के लिए खाद बीज लेने पहुँचे, तो उन्हें बिना किसी परेशानी के डीएपी, यूरिया, एनपीके, सुपर फास्फेट जैसे उर्वरक उपलब्ध हुआ। उन्हें अनावश्यक समितियों के बार-बार चक्कर लगाने नही पड़े। हितग्राही दुबराज सिंह ने बताया कि पहले हमें खाद के लिए समितियों में भटकना पड़ता था, पर इस बार खाद बीज समय पर मिल गया। वक्त पर खाद मिलने से खेती की तैयारी आसान हो गई। खेतों में बुआई का काम पूर्ण हो गया है और अब हम निश्चित होकर बेहतर पैदावार की उम्मीद कर सकते हैं। किसान श्री राठिया ने बताया कि उनकी लगभग 10 एकड़ जमीन है। आज वे समिति से 10 बोरी डीएपी व 5 बोरी यूरिया खाद ले जा रहे है। ग्राम केराकछार के किसान बृजपाल राठिया ने समिति की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि खाद की उपलब्धता समय पर होने से फसल की शुरुआत अच्छी हुई है। खेतों में बुआई का काम तेजी से हो रहा है। उन्होंने बताया कि वे अपनी 12 एकड़ जमीन पर सपरिवार खेती करते है, पिछले सीजन में उन्होंने लगभग 200 क्विंटल धान विक्रय किया था, और आज समिति से वे 10-10 बोरी यूरिया, डीएपी और आवश्यक खाद ले जा रहे हैं।

निश्चित समय पर कचरा संग्रहण करें कर्मी

निर्धारित मापदण्डों पर होना चाहिए काम

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। स्वच्छता के मामले में नगर निगम कोरबा की रैंकिंग प्रदेश व देश में सुधरी है और टॉप-10 में इसे जगह मिली है। उत्साहित निगम के अधिकारी और कर्मी इस मामले में तेजी से काम कर रहे हैं। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को लेकर रणनीति बनाई गई है। मैदानी अमले को कहा गया है कि निश्चित समय पर कचरा संग्रहण का काम घरों से किया जाए।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के एस.एल.आर.एम.सेंटरों में कार्यरत स्वच्छता सुपरवाईजरों, स्वच्छता दीदियों तथा स्वच्छता कमांडों एवं स्वच्छता कार्य से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों, निरीक्षकों की बैठक लेकर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था व डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य की विस्तार से समीक्षा की। डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण के दौरान सूखे व गीले कचरे का शत प्रतिशत सेग्रीगेशन सुनिश्चित कराएं तथा गीला व सूखा कचरा रिक्शों के पृथक-पृथक हिस्से में संग्रहित करें। उन्होंने स्वच्छता दीदियों से कहा कि अपशिष्ट संग्रहण के दौरान नागरिकों से कहा गया कि वे सूखे व गीले कचरे को अलग करें। बीट सिस्टम से इस काम को प्रभावी बनाने पर भी विचार हो रहा है। आयुक्त ने कर्मियों से कहा कि अपने कार्यक्षेत्र में सभी घरों हेतु रजिस्टर में रूट चार्ट तैयार कर प्रत्येक घर से कचरा लेने के समय का निर्धारण करें।

ऐसा होने पर लोग डस्टबीन तैयार रखेंगे। स्वच्छता प्रबंधन में कोरबा की अलग पहचान हो इसलिए यह काम हो रहा है। बैठक के दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, जिला समन्वयक पंकज गवेल, धनमोहन रात्रे, नवीश गुप्ता के साथ स्वच्छता दीदियाँ व स्वच्छता कमांडों आदि उपस्थित थे।

युंका की राष्ट्रीय सचिव अवंतिका कल आ रहीं, दीपका में स्वागत

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव नियुक्त होने के बाद अवंतिका तिवारी का 8 अगस्त को पहली बार गृह जिले कोरबा आगमन हो रहा है। कोई आंचल दीपिका में कांग्रेस नेता बालेंदु सिंह के नेतृत्व में युवक कांग्रेस उनका भविष्य स्वागत करेगा। इसके लिए तैयारी की जा रही है।

अखिल भारतीय कांग्रेस की ओर से पिछले दिनों नए चेहरे को उनकी क्षमता के अनुसार काम दिया गया। इस सिलसिला में कोरबा जिले से वास्ता रखने वाली अवंतिका तिवारी को युवक कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया। पत्रकारिता और जनसंचार उनके क्षेत्र में अध्ययन के साथ उन्होंने राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लिए लंबे समय तक काम किया। महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए काम के आधार पर युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया। शुक्रवार को सुबह 11 बजे अवंतिका कोरबा जिले के दीपिका में पहुंच रही हैं। इस अवसर पर कोयलांचल के बुधवारी चौक पर युवक कांग्रेस के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

सावन पूर्णिमा को होगी हसदेव महाआरती

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। कोरबा की जीवनदायिनी हसदेव के तट पर सावन पूर्णिमा को शाम 6 बजे महा आरती होगी। दो वर्ष पहले नमामि हसदेव सेवा समिति ने जल संरक्षण के अंतर्गत काम शुरू किया था। तब से लगातार अमावस्या, पूर्णिमा और विशेष तिथियों पर नदी सफाई और महा आरती की जा रही है।

9 अगस्त को होने वाली हसदेव आरती में सामाजिक, शैक्षणिक और चिकित्सा जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्ति बतौर मुख्य यजमान ठाकुर जुड़ावन सिंह, उपाध्यक्ष, विद्या भारती (मध्य क्षेत्र), विशिष्ट यजमान के रूप में टिकेश्वर सिंह राठौर, सदस्य, कोल इंडिया वेल्फेयर बोर्ड, नान्हीदास दीवान, प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शिक्षक महासंघ, गणेश कुलदीप, अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ, कोरबा, डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा, अध्यक्ष, आयुष मेडिकल एसोसिएशन, कोरबा शामिल होंगे। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हसदेव नदी को बचाने के लिए समिति द्वारा दो चरणों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

एमपी को जोड़ने वाले मार्ग को एनएच घोषित करें

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा जहाजरानी,मंत्री नितिन गडकरी से छत्तीसगढ़

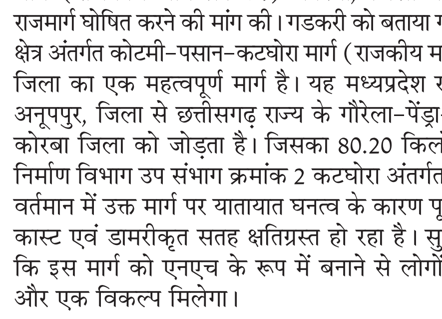

राज्य के कोरबा जिला अंतर्गत विधानसभा पाली-तानाखार के विधायक तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम ने मुलाकात की। उन्होंने कोटमी-पसान-कटघोरा मार्ग (राजकीय मार्ग क्र. 04) कोरबा, जिला कोरबा को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की। गडकरी को बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोटमी-पसान-कटघोरा मार्ग (राजकीय मार्ग क्र. 04) कोरबा जिला का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह मध्यप्रदेश राज्य के जबलपुर, अनूपपुर, जिला से छत्तीसगढ़ राज्य के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही होते हुए कोरबा जिला को जोड़ता है। जिसका 80.20 किलोमीटर भाग लोक निर्माण विभाग उप संभाग क्रमांक 2 कटघोरा अंतर्गत संधारित होता है। वर्तमान में उक्त मार्ग पर यातायात घनत्व के कारण पूर्व निर्मित मार्ग का क्रास्ट एवं डामरीकृत सतह क्षतिग्रस्त हो रहा है। सुझाव दिया गया है कि इस मार्ग को एनएच के रूप में बनाने से लोगों को फायदा होगा और एक विकल्प मिलेगा।

यूपीएससी के सफल छात्रों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। राज्य शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग रायपुर द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष 2025 में सफल होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रदेश के अभ्यर्थियों को एक लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग ने इस सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 उत्तीर्ण करने वाले जिले के पात्र अभ्यर्थी 12 अगस्त तक आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, ब्लाक-डी, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर छग में स्पीड पोस्ट रजिस्टर्ड डाक या स्वयं उपस्थित होकर अपना आवेदन जमा कर सकते है।

पावती प्राप्त कर सकते हैं। पात्रता तथा आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाईट का विजिट कर अवलोकन व डाउनलोड किया जा सकता है। उन्होंने जिले के इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्र में अपना आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक जमा करने हेतु आग्रह किया है।

निगम में आंतरिक परिवाद शिकायत के मामले शून्य

कोरबा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम कोरबा कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु गठित आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक बुधवार 6 अगस्त को निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित व्ही.सी. कक्ष में सम्पन्न हुई, समिति के समक्ष किसी भी प्रकार की शिकायत व परिवाद न तो प्रस्तुत किया गया है और न ही लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

निगम में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु लैंगिक उत्पीड़न निवारण प्रतिरोध और प्रतितोष अधिनियम 2013 के अंतर्गत निगम में आंतरिक शिकायत/परिवाद समिति का गठन किया गया है, जिसकी समय-समय पर बैठक आयोजित की जाती है। बैठक में समिति की अध्यक्ष गुलिस्ता साहू, सदस्य सचिव सुभाषिनी आशावान, तारा भगत, कीर्ति अनंत, तिरिथबाई, विनीता सिंह, तुलसीबाई आदि उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

पुलिस अधीक्षक ने ली मासिक अपराध समीक्षा बैठक

उत्कृष्ट कार्य के लिए आरक्षकों को किया सम्मानित

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल ने आज जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना एवं चैकी प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में पुलिस अधीक्षक ने विगत माह की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि श्याम मंदिर और होंडा शोरूम में हुई बड़ी चोरियों का सफल खुलासा, मुस्कान अभियान के तहत नाबालिग व गुम इंसानों की सफल तलाश, घरघोड़ा क्षेत्र में हत्या के मामले की त्वरित जांच, खरसिया क्षेत्र में चोरी के मामलों का पर्दाफाश तथा कोतवाली सहित अन्य थानों द्वारा पॉक्सो प्रकरणों में की गई त्वरित कार्रवाई अहम रही।

बैठक में सुरक्षित सुबह अभियान की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि केवल नए सीसीटीवी कैमरे लगाने पर जोर न देकर पहले से लगे कैमरों में से कम-से-कम एक कैमरे का फोकस सड़क की ओर करने के लिए व्यापारियों और नागरिकों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कई सामाजिक संस्थाएं और व्यापारीगण इस अभियान में जुड़ने को इच्छुक हैं, अत: प्रमुख स्थानों पर उनके सहयोग से कैमरे स्थापित किए जाएं।

उन्होंने आगामी माह जिलेभर में मादक पदार्थों के विरुद्ध और प्रभावी तथा व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि केवल शराब और गांजा ही नहीं, बल्कि प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री और खरीद पर भी विशेष फोकस किया जाए।

बैठक में 90 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को ऐसे प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। लंबित मर्ग एवं शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने, कोटवारों की नियमित बैठकें लेकर उन्हें प्रोत्साहित करने, गांजा नष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी करने तथा लंबित जवाबदावाओं को प्राथमिकता से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने राजपत्रित अधिकारियों को आकस्मिक निरीक्षण नियमित रूप से करने और अच्छे कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों के नाम सम्मान के लिए प्रस्तावित करने तथा लापरवाह कर्मियों को परेड पर तलब करने के भी निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। थाना कोतवाली के आरक्षक लोमेश सिंह राजपूत और प्रदीप मिंज को ओडिशा (झारसुगुड़ा) से मारपीट के आरोपी की गिरफ्तारी, जूटमिल थाना के प्रधान आरक्षक वीरेंद्र भगत, आरक्षक परमानंद पटेल और महिला आरक्षक आशा सिदार को 17 वर्षीय बालिका को जबलपुर (मध्यप्रदेश) से दस्तयाब करने, प्रधान आरक्षक मोहम्मद दिलदार कुरेशी और आरक्षक लखेश्वर पुरसेठ को हीरो होंडा शोरूम से नगदी की शत-प्रतिशत बरामदगी, तमनार थाना के प्रधान आरक्षक बनारसी लाल सिदार और हेमंत पात्रे को उड़ीसा से गुम महिला की दस्तयाबी, घरघोड़ा थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में 3 घंटे में आरोपी की गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका निभाने वाले प्रधान आरक्षक पारसमणी बेहरा और आरक्षक हरीश पटेल, तथा कापू थाना क्षेत्र की गुम बालिका को झारखंड से बरामद कर लाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, आरक्षक संजीव पटेल एवं विक्रांत भगत को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बैठक में एडिशनल एसपी आकाश मरकाम, नवपदस्थ सीएसपी मयंक मिश्रा, एसडीओपी खरसियाध्सायबर सेल अनिल विश्वकर्मा, एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी, ट्रैफिक डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह तथा सभी थाना, चैकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस वाहन चलाते 5 बाइक सवारों का हुआ चालान

चिरमिरी नागपुर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। आज कल रोज वाहन एक्सीडेंट को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार तथा सीएसपी चिरमिरी के मार्गदर्शन मे हाइवे चौकी प्रभारी नागपुर शेषनारायन सिंह द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् 5 वाहन चालक को बिना लाइसेंस वाहन चलाने के आरोप में चालान किया गया है,जहां न्यायालय द्वारा 5 ,पांच हजार से दण्डित किया गया,इस दौरान उनके साथ कार्रवाई में प्रधान आरक्षक आशीष मिश्रा,मुमताज खान, आरक्षक विनोद तिवारी मौजूद रहे।

शासकीय हाई स्कूल चरवाही एवं तिलोखन में किया गया स्वच्छता के साथ तिरंगा रैली का आयोजन

एमसीबी, 07 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र का प्रतीक है। इस 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, कार्यक्रम का आयोजन 02 से 15 अगस्त, तक तीन चरणों में (प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त, द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त, तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त 2025) तक किया जाना है, जो हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर आधारित होगा। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल चरवाही में तिरंगा यात्रा निकाला गया। व्याख्याता श्रीमती लिलि प्रधान ने बताया कि छात्र-छात्राओं के साथ ग्रामवासियों को इस यात्रा का उद्देश्य विस्तार से बताया गया। यह हमारे देश की शान व हमारे स्वतंत्रता का परिचायक है। यह हमारे मजबूत लोकतंत्र को बताता है, कि हम सभी भारत के लोग एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विश्वास और धर्म की स्वतंत्रता और अवसर की समानता प्राप्त करने के लिए है जिससे छात्र-छात्राओं के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित हो।

भारत सरकार द्वारा चरणबद्ध दिए गए गतिविधियों जैसे समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों आवासीय भवनों में तिरंगा लाईटिंग, रंगोली, सेल्फी जोन एवं तिरंगा फहराना एवं पैम्पलेट, बैनर, स्टैण्डज़ आदि के माध्यम से हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता रू स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग कार्यक्रम को सफल बनाने स्थानीय भाषाओं में प्रमुखता से प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

ऑक्सीमीटर की ऑनलाईन डिलीवरी में किया घालमेल

इंडिया मार्ट इंटर मेंस लि. व डीलर को आयोग ने ठोका जुर्माना

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। व्यवसायिक हित के लिये ऑक्सी मीटर का ऑनलाईन ऑर्डर देने व राशि का भुगतान करने के बावजूद इंडिया मार्ट इंटर मेस लिमिटेड नोयडा उत्तर प्रदेश तथा उसके डीलर द्वारा निर्धारित संख्या में ऑक्सी मीटर की डिलीवरी नही देने के मामले में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इंडिया मार्ट कंपनी और उसके डीलर को सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए क्षतिपूर्ति भुगतान के रूप में 80 हजार रूपये तथा मानसिक क्षति व वाद व्यय के रूप में 15 हजार रूपये का जुर्माना भरने का आदेश पारित किया है।

संक्षेप में मामला इस प्रकार है कि आवेदक अद्वितीय भूषण गोस्वामी निवासी मधुबनपारा ने अनावेदक प्रभारी अधिकारी इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड नोयडा का ऑनलाईन शॉपिंग है जिसके मार्फत कंपनी का एप मोबाईल में डाउनलोड किये जाने के बाद इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड के एप से संबंधित उपभोक्ताओं को सामान इलेक्ट्रानिक उपकरण, मेडिकल उपकरण, मकान निर्माण से संबंधित उपकरण, ऑटो मोबाईल से संबंधित उपकरण बाबत सीधे डीलर के संबंध में जानकारी दी जाती है तथा एप में पंजीकृत विभिन्न सामानों का डीलर से संपर्क नंबर तथा अन्य जानकारियां दर्शित की जाती है।

इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड में जो भी संबंधित सामानों का डीलर का पंजीयन होता है उक्त संबंध में कंपनी उपभोक्ताओं को आश्वस्त करती है कि एप में पंजीकृत डीलर की समस्त जवाबदारी कंपनी की होती है।

आवेदक अद्वितीय भूषण गोस्वामी ने अपने परिवार का आर्थिक सहायता हेतु इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड के कंपनी की एप से ऑक्सीमीटर क्रय करने हेतु सर्च करने पर अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू शांति बिहारी कालोनी रायपुर, सीएमआई मिडिया के संबंध में जानकारी दिये जाने पर इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड की कंपनी द्वारा शिकाकर्ता को सीधे काल करने की सुविधा प्रदान की जिससे की आवेदक अद्वितीय भूषण गोस्वामी ने इंडिया मार्ट ईन्टर मेस लिमिटेड नोयडा की कंपनी के एप से सीधे रूप से अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू से संपर्क कर सके। 20 अप्रैल 2021 को अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू को काल कर ऑक्सी मीटर की जानकारी मांगे जाने पर आवेदक के मोबाईल पर अनावेदक क्रमांक 02 के द्वारा मैसेज प्रेषित कर जानकारी दी गई कि एडंवास बुकिंग के लिये 50 प्रतिशत राशि जमा करने पर दो दिनों के भीतर सामान डिलीवरी की जावेगी।

भुगतान के संबंध में जानकारी लिये जाने पर सीधे अनावेदक क्रमांक 02 को भुगतान की जानकारी प्राप्त होनें पर गुगल पे के माध्यम से अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू के खाता क्रमांक बताये जाने पर एवं कैंसिल चेक की प्रति आवदेक को उसके वास्ट्अप नंबर पर प्रेषित किया गया। आवेदक के द्वारा दो सौ नग ऑक्सी मीटर के संबंध में बताये जाने पर 1 लाख 30 हजार अर्थात ऑक्सी मीटर का मूल्य 650 बताये जाने पर आवेदक सहमत हो गया।

आवेदक अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू के फोन पे नंबर 9827901000 में 20 अप्रैल 2021 को 70 हजार रूपये जमा किया जिसकी स्वीकृति अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू के द्वारा दी गई और बताया गया कि ऑक्सी मीटर की अत्यधिक मांग होनें पर संपूर्ण राशि का भुगतान किये बीमा सामान प्रेषित किया जाना संभव नही है। तब आवेदक द्वज्ञरा फोन प के माध्यम से 20 हजार 500 एवं 39 हजार 500 फोन पे एवं बैंक स्थित मशीन के माध्यम से जमा कर दिया।

उक्त ऑक्सीमीटर की बिक्री की आय से आवेदक अपने परिवार का जीविकोपार्जन में लगाना चाहता था। संपूर्ण राशि प्राप्त होनें के पश्चात दो तीन दिन में डिलीवरी हो जाना व्यक्त किया गया परंतु चार दिन बीत जाने के बाद भी सामान की डिलीवरी न होनें पर अनावेदक क्रमांक 01 इंडिया मार्ट को सूचित किया उसके द्वारा अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू से संपर्क करने हेतु कहा गया परंतु अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू ने उसका फोन नही उठाया। आवेदक द्वारा अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू का खाता होल्ड करने हेतु आवेदन दिये जाने में अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू का रायपुर स्थित खाता आवेदक द्वारा प्रदान की गई राशि आहरित न करने बाबत होल्ड किया।

अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू के द्वारा आवेदक के मोबाईल पर कहा गया कि दो सौ नग ऑक्सी मीटर डिलवर नही कर सकता है वह राशि वापस कर देगा। तत्पश्चात दो तीन तिथियों में 50 हजार वापस कर शेष राशि एक सप्ताह पश्चात देने का आश्वासन दिया, परंतु आवेदक द्वारा शेष 80 हजार वापस नही की गई। अनावेदक क्रमांक 02 पुरूषोत्तम साहू, उर्फ राजीव साहू के फोन से संपर्क करने पर फोन रिसिव नही किया और न ही संपर्क किया। इस प्रकार अनावेदकगण 01 व 02 के द्वारा आवेदक अद्वितीय भूषण गोस्वामी से व्यापारिक दुराचार किया गया तथा सेवा में कमी की गई। अनावेदकगण से श्री गोस्वामी ने 80 हजार एवं क्षतिपूर्ति दिलाये जाने का निवेदन किया और उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग रायगढ़ में परिवाद प्रस्तुत किया। इस मामले में आयोग के अध्यक्ष छमेश्वर लाल पटेल तथा सदस्य द्वय राजश्री अग्रवाल व राजेन्द्र पांडेय ने दोनों पक्षों की सुनवाई पश्चात इंडिया मार्ट कंपनी और उसके डीलर पुरूषोत्तम उर्फ राजीव को सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए आंशिक क्षतिपूर्ति के रूप में इंडिया मार्ट इंटर मेंस लिमिटेड नोयडा उत्तरप्रदेश को 45 दिवस के भीतर 80 हजार का भुगतान करने, वाद प्रस्तुत करने की तिथि से अदायगी तिथि तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज का भुगतान करने तथा अनावेदक क्रमांक 02 डीलर पुरूषोत्तम उर्फ राजीव को मानसिक क्षति के रूप में दस हजार रूपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रूपये का 45 दिवस के भीतर भुगतान करने का आदेश पारित किया है। इस प्रकरण में आवेदक की ओर से अधिवक्ता बृजलाल पटेल ने पैरवी की।

बलात्कार व हत्या के मामले में युवक को आजीवन कारावास

अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा ने सुनाई सजा

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा के न्यायालय ने बालात्संग के आरोपी आशीष कुमार डनसेना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा अर्थदण्ड से दण्डित करने का दण्डादेश दिया है।

मामले का संक्षिप्त विवरण देते हुए अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने बताया कि थाना कापू के अनुसार मृतिका जिसका दिमागी हालत ठीक नहीं थी के भतीजे ने थाना कापू में यह शिकायत दर्ज कराई थी कि घटना 08 अप्रैल 2022 को गांव में एक शादी का कार्यक्रम चल रहा था, मृतका वहां शादी देखने गई थी और एक परछी में बैठी थी तभी अभियुक्त आशीष डनसेना आया और गंदी गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा और मृतका के साथ हाथ मुक्का से मारपीट किया था जिससे मृतिका के चेहरे कोहनी एवं सिर में चोट आई थी जिसे इलाज के लिए कापू अस्पताल में भर्ती कराया गया था किन्तु कापू अस्पताल ने मृतिका को आई गंभीर चोट ध्यान देते हुए इलाज के लिए पत्थल गांव अस्पताल रेफर किया गया। मृतका के भतीजे की सूचना सूचना के आधार पर थाना प्रभारी कापू के धारा 323,294,506 भारतीय दण्ड संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।ईलाज के लिए पत्थल गांव लाते समय पीड़िता की मृत्यु हो गई थी पत्थलगांव थाने में मर्ग सूचना के आधार पर जांच पंच नामा तैयार कर मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया चिकित्सा अधिकारी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है कि मृतिका के साथ उसकी मृत्यु के पूर्व संभोग क्रिया गया था।अपराध थाना कापू के अन्तर्गत आने से डायरी कापू थाना को अतरित की गई थाना प्रभारी कापू के द्वारा पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त आशीष कुमार डनसेना के विरूद्ध धारा 376, एवं 302भारतीय दण्ड संहिता जोड़ कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान गांव के एक दुकान

में लगे सीसीटीवी फुटेज में यह दर्शित हुआ कि अभियुक्त आशीष डनसेना पीड़िता को उठा कर ले जाते हुए दिखाई देता है तथा मृतिका द्वारा उसका विरोध भी किया जाना दिखाई देता है।थाना प्रभारी कापू के द्वारा सूक्ष्मता पूर्वक विवेचना कर अभियुक्त के विरूद्ध चालान तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

विद्वान न्यायालय ने प्रकरण में सुनवाई करते हुए सभी साक्षियों के बयान दर्ज किए गए तथा उभय पक्ष के बहस सुनने के बाद अभियुक्त आशीष डनसेना को पीड़िता के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या करने का दोषी ठहराते हुए हत्या के लिए आजीवन कारावास, बालात्कार करने के अपराध में 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं मारपीट करने का दोषी ठहराते हुए 1 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है तथा अर्थ दण्ड से भी दण्डित करने का दण्डादेश दिया है ।राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

कोरबा में जेल ब्रेक कर भागे दो बंदी रायगढ़ में पकड़ाये

दो अभी भी फरार

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। जिला जेल कोरबा से 25 फीट ऊंची बाउंड्री वॉल फांदकर फरार हुए पॉक्सो एक्ट में निरुद्ध चार बंदियों में से दो को रायगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद से पुलिस की दो टीमें लगातार तीन दिनों तक सर्च ऑपरेशन में जुटी रहीं। इस मामले में तीन जेल प्रहरी और एक सहायक जेल अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

घटना शनिवार दोपहर करीब तीन बजे की है। बैरक नंबर 10 और 11 में बंद चार आरोपी चंद्रशेखर राठिया, सरना सिंकू, राजा कंवर और दशरथ सिदार को जेल परिसर स्थित गौशाला में बीमार गाय को दवा लगाने के लिए बाहर निकाला गया था। इसी दौरान बिजली गुल हो गई और ड्यूटी पर तैनात प्रहरी कुछ देर के लिए वहां से हट गया। इसी का फायदा उठाकर चारों बंदी जेल की 25 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद एएसपी नीतीश ठाकुर, सीएसपी भूषण एक्का और सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रमोद डनसेना टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने सर्च अभियान के लिए दो टीमें गठित की, जिनमें 8 निरीक्षक और कुल 50 जवानों को लगाया गया। संभावित ठिकानों और जंगलों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस ने बंदियों की जानकारी देने पर 10 हजार रुपए के इनाम की भी घोषणा की थी। तीन दिन की मशक्कत के बाद सरना सिंकू और राजा कंवर को रायगढ़ में दबोच लिया गया। दोनों को कोरबा लाकर पूछताछ की जा रही है।

धरमजयगढ़ वनमंडल में हाथी मितान वार्ता केंद्र की अनोखी पहल

जनसुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। धरमजयगढ़ वनमंडल में हाथियों से जनसुरक्षा हेतु एक नई और अभिनव पहल की शुरुआत की गई है। वहीं वन विभाग द्वारा हाथी मितान वार्ता केंद्र की स्थापना कर मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने की दिशा में एक सशक्त प्रयास किया जा रहा है। यह पहल धरमजयगढ़ वनमंडलाधिकारी जितेन्द्र कुमार उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में धरमजयगढ़ रेंज के ओंगना गांव से प्रारंभ हुई है। इस योजना के अंतर्गत, हाथी प्रवाह क्षेत्र में स्थित 30 से 40 गांवों को चिन्हित किया गया है, जहाँ इस प्रकार के वार्ता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य है दृ गांववासियों को हाथियों की उपस्थिति की सटीक और त्वरित जानकारी देना, ताकि किसी भी संभावित घटना से पहले सतर्कता बरती जा सके और जनहानि को रोका जा सके।

ओंगना गांव में स्थापित प्रथम हाथी मितान वार्ता केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी वहां की संयुक्त वन समिति के अध्यक्ष जगरनाथ गुप्ता को दी गई है। उन्हें फॉरेस्ट और हाथियों के व्यवहार संबंधी गहन अनुभव है, जो इस केंद्र की सफलता में सहायक सिद्ध होगा। वार्ता केंद्र के माध्यम से न केवल हाथियों की गतिविधियों का ट्रैक एवं नक्शा गांववालों तक पहुंचाया जाएगा, बल्कि गांव के दुकानों, चैक-चैराहों पर तैनात लोगों के माध्यम से हाथी की उपस्थिति की त्वरित जानकारी दी जाएगी। इससे ग्रामीण पहले से सजग रहकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेंगे।

और वहीं कार्यक्रम के दौरान धरमजयगढ़ वनमंडलाधिकारी जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, एसडीओ बालगोविंद साहू, रेंजर, डीपीटी रेंजर, वन रक्षकगण एवं गांव के वरिष्ठ नागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी को हाथियों के स्वभाव, व्यवहार और उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों ने भी इस संवाद में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं वनमंडलाधिकारी उपाध्याय ने बताया कि आने वाले समय में इन वार्ता केंद्रों के माध्यम से और भी कई जनहितकारी कदम उठाए जाएंगे, जिससे मानव और हाथी के बीच टकराव की घटनाएं न्यूनतम हों। यह पहल वन और मानव के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

स्तनपान को प्राथमिकता दें थीम पर हुई विशेष गतिविधियां आयोजित

एमसीबी, 07 अगस्त (देशबन्धु)। ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा 1 से 7 अगस्त 2025 तक आयोजित ''विश्व स्तनपान सप्ताह'' के अवसर पर जिले में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्व स्तनपान सप्ताह के 34 वें संस्करण के आयोजन में स्तनपान एवं सुरक्षित मातृत्व पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में किया गया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत स्तनपान को प्राथमिकता दें, स्थायी सहायता प्रणाली बनाएं की थीम पर आधारित यह सप्ताह 1 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक जिले की समस्त परियोजनाओं में मनाया गया।

इस दौरान 01 से 07 अगस्त तक सभी परियोजनाओं में स्तनपान जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया। एमसीबी जिले के खड़गवां, चिरमिरी, भरतपुर एवं मनेंद्रगढ़ परियोजनाओं में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम संपन्न हुए। मिशन शक्ति हब के सहयोग से उप स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने मिलकर ग्रामीण समुदाय की गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को स्तनपान के वैज्ञानिक महत्व, विशेषकर पहले पीले गाढ़े दूध (कोलेस्ट्रम) के पोषणीय मूल्य एवं नवजात की रोग

बैकुण्ठपुर में करोड़ों की साइबर ठगी का पर्दाफाश, 7 आरोपी गिरफ्तार

कोरिया, 07 अगस्त (देशबन्धु)। बैकुण्ठपुर पुलिस ने करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय रायपुर स्थित साइबर सेल से मिली सूचना के आधार पर की गई, जिसमें विभिन्न बैंकों के फर्जी खातों के जरिए म्यूल ट्रांजेक्शन कर बड़ी रकम का लेनदेन किए जाने का खुलासा हुआ था। पुलिस के अनुसार, आरोपी एक्सिस बैंक, यूको बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और महाराष्ट्र बैंक में फर्जी खातों का संचालन कर रहे थे। इन खातों के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध ट्रांजेक्शन की गई। आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर 6 अगस्त को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

इस रैकेट के तार कई राज्यों से जुड़े हुए हैं। आरोपी दूसरे राज्यों से प्राप्त सिम कार्ड और बैंक खातों का दुरुपयोग कर आर्थिक लेनदेन करते थे। एसडीओपी राजेश साहू ने बताया कि यह गिरोह संगठित रूप से कार्य कर रहा था और आगे की जांच में और नाम सामने आने की संभावना है। पुलिस अब अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और बैकुंठपुर पुलिस लगातार संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही है।

जेल से जमानत पर छुटकर निकाला जुलूस

पुलिस ने फिर पहुंचाया सलाखों के पीछे

आदतन बदमाश दुर्गेश महंत पर कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो बना सबूत, पुलिस ने दोबारा भेजा जेल

रायगढ़ 07 अगस्त (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के आदतन बदमाश दुर्गेश महंत को जमानत पर रिहा होकर शहर में जुलूस निकालना भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर जमानत के बाद निकाले गए जुलूस का वीडियो वायरल होने के बाद कोतवाली पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे दोबारा जेल भेज दिया है।

21 वर्षीय दुर्गेश महंत पिता चतुरदास महंत, निवासी कोतरारोड बैकुंठपुर रायगढ़, करीब तीन माह पूर्व थाना जूटमिल क्षेत्र के मारपीट प्रकरण में जेल में निरुद्ध था। हाल ही में उसे जमानत मिली थी, जिसके बाद उसने अपने साथियों के साथ शहर की सड़कों पर जुलूस निकाला। वीडियो से शहरवासियों और पीड़ित परिवार में आक्रोश की स्थिति बन गई। वीडियो जैसे ही

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आया, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सुखनंदन पटेल को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निरीक्षक पटेल ने थाना कोतवाली और साइबर सेल स्टाफ के साथ आरोपी को पकड़ा और थाने लाकर आयी, पूछताछ में दुर्गेश ने स्वीकार किया कि वह जमानत पर रिहा होने के बाद शहर में जुलूस निकाल रहा था। गौरतलब है कि दुर्गेश महंत थाना कोतवाली क्षेत्र का आदतन बदमाश है, जिस पर कई संगीन अपराध दर्ज हैं। इसके अलावा अन्य थानों में भी उसके विरुद्ध गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद हैं। अनावेदक के इस कृत्य पर कोतवाली पुलिस ने तहत धारा 170 एवं धारा 126, 135(3) के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे एसडीएम न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को पुन: कल जिला जेल रायगढ़ भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्वों पर भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सार-संक्षेप

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल ने मां के नाम एक पेड़ लगाया
पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

डभरा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। एक पेड़ मां के नाम के तहत आज शासकीय हाई स्कूल साराडीह में जिला पंचायत सक्ती के उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल ने अशोक का पेड़ लगाया और लोगों पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। श्री पटेल ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वृक्षारोपण करना हम सब का नैतिक दायित्व होना चाहिए। जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आप लोगों का है यह पेड़ बड़ा होकर भावी पीढ़ी के लिए शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगा छात्रों ने स्कूल के विभिन्न समस्याओं के बारे में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पटेल को अवगत कराया। उन्होंने साइकिल स्टैंड एवं आगामी सत्र में 11वीं कक्षा खोलने का भी आश्वासन दिया है। इस अवसर पर खंड समन्वयक प्रमेश पटेल संकुल प्राचार्य केशव प्रसाद पटेल श्रीमती मीना पटेल व्याख्याता श्रीमती रुक्मणी सिदार व्याख्याता सरपंच विमला जायसवाल शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भानु जायसवाल रिखीराम जयसवाल रंगलाल माझी सुधा गुप्ता बाबूलाल जायसवाल सुखीराम सिदार इंद्र कुमार पटेल प्रधान पाठक जनपद प्राथमिक शाला खरकेना सहित स्कूली छात्र-छात्राएं एवं महिलाएं अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

सेवा निवृत्त होने पर प्रधान पाठक सिदार को दी गई विदाई

डभरा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। ब्लॉक डभरा क्षेत्र के संकुल केंद्र छवारीपाली अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला गाड़ापाली के प्रधान पाठक भीम सिंह सिदार को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दिया गया। सर्वप्रथम संकुल प्राचार्य केशव प्रसाद पटेल द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र पर विधिवत पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । मुख्य अतिथि भीम सिंह सिदार को संकुल के सभी शिक्षकों ने शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर पर भीम सिंह सिदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि शाला परिवार का यह सम्मान एवं प्यार ने मुझे गदगद कर दिया है उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को अपने जीवन के अनुभव को साझा किया । इस अवसर पर संकुल प्राचार्य केशव प्रसाद पटेल ने भीम सिंह सिदार को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। खंड समन्वयक प्रमेश पटेल ने कहा कि भीम सिंह सिदार का जीवन सादगी एवं सरलता से भरा हुआ था वह अपने शिक्षक जीवन को सफलतापूर्वक व्यतीत किया । वही इंद्र कुमार पटेल ने अपने उद्बोधन ने कहा कि गुरु और शिष्य का परंपरा आज भी बना हुआ है भले ही परिस्थितियों आज बदल गई हैं लेकिन गुरु गुरु ही होता है इस विदाई समारोह में प्रमुख रूप से रामस्वरूप भारद्वाज शैक्षिक समन्वयक विष्णु कुमार महिलांगे विपिन कुमार पटेल गेंद कुमार पटेल दुर्गेश उपाध्याय सुशील कर्ष डोलेश्वरी पटेल उमेश्वरी पटेल चांदनी पटेल सहित समस्त शिक्षक शिक्षिका एवं छात्र-छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित थे मंच का सफल संचालन संतोष कुर्रे ने किया

अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के जिला सह सचिव बने तामेश्वर चंद्रा

डभरा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन के जिला सहसचिव का दायित्व तोमेश्वर चंद्रा को दिया गया है इसके पूर्व 2007 में ब्लॉक डभरा क्षेत्र के ग्राम रोजगार संघ के ब्लॉक अध्यक्ष थे उसके बाद चार बार लगातार सचिव संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रहे हैं वही नवगठित शक्ति जिला सचिव संघ के प्रथम जिला अध्यक्ष के पद का दायित्व भी निभा रहे हैं इनकी कार्यक्षेत्र को देखकर अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन संघ का जिला सहसचिव नियुक्त किया गया है वही तामेश्वर चंद्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि मुझे जो दायित्व अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन द्वारा दी गई उसे निष्ठा पूर्वक कार्य करूंगा। हमेशा संगठन के हित में कार्य करने की बात कही। उनके नियुक्ति होने पर डभरा क्षेत्र के पंचायत सचिव में खुशी की लहर व्याप्त है।

पुलिसिंग में नई ऊर्जा
डीजीपी अरुण देव गौतम ने की बिलासपुर रेंज के चार जिलों की समीक्षा

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ पुलिस को और

अधिक जवाबदेह, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने बिलासपुर रेंज के चार प्रमुख जिलों के पुलिस अधीक्षकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, तकनीकी पुलिसिंग और पुलिस वेलफेयर जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर व्यापक चर्चा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए।

इस समीक्षा बैठक में बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला, एसपी जांजगीर विजय कुमार पाण्डेय, एसपी कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, एसपी शक्ति सुश्री अंकिता शर्मा, एसपी सारंगढ़-भिलाईगढ़ अंजनेय वार्ष्णेय सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा जिले में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, डिटेक्शन, विजिबल पुलिसिंग और सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया गया।बैठक में सभी अधिकारियों को कानून का पालन करते हुए जन-सेवा में समर्पित भाव से कार्य करने, पुलिस की छवि को सकारात्मक बनाए रखने तथा शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

सामुदायिक पुलिसिंग और डिजिटल क्राइम मैनेजमेंट पर ज़ोर

पुलिस महानिदेशक ने चेतना अभियान को और अधिक संस्थागत करने, फिंगरप्रिंट एनएएफआईएस प्रणाली के उपयोग व प्रशिक्षण, बीट सिस्टम को प्रभावी बनाने और डिजिटल सिस्टम जैसे सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य, ई-समन के अधिकतम उपयोग पर विशेष बल दिया।

पुलिस कर्मियों के हित में निर्देश

पुलिस वेलफेयर के अंतर्गत शासन एवं मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों का समयसीमा में पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

अपराध स्थल पर अधिकारियों की त्वरित उपस्थिति अनिवार्य

पुलिस महानिदेशक ने निर्देशित किया कि प्रत्येक राजपत्रित अधिकारी अपने अधीनस्थ थानों के गंभीर अपराधों की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे तथा पीड़ित की सुनवाई और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग एवं निष्पादन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

अनुसूचित जाति विकास को नई उड़ान- बजट में 25 करोड़ की वृद्धि, पायलट प्रशिक्षण व कोचिंग सहायता की घोषणा

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ किया गया

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को जांजगीर-चांपा जिले में आयोजित अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्राधिकरण के बजट को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कलेक्टर्स को सख्त निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करते हुए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और बाबा गुरु घासीदास के मूल्यों के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हर साल अनुसूचित जाति वर्ग के 5 युवाओं को पायलट प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने, गिरौधपुरी धाम के विकास के लिए 2 करोड़ और अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिए कोचिंग हेतु 50 लाख रुपये की स्वीकृति की घोषणा की। बैठक में कई वर्षों से लंबित कार्यों पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राधिकरण की राशि भले ही सीमित हो, लेकिन इन कार्यों का सामाजिक महत्व अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष समय पर बैठक आयोजित कर कार्यों की गहन समीक्षा की जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी बैठक को संबोधित करते हुए समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की और सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2020 से 2025 तक के अनुमोदित कार्यों की प्रगति, नागरिक सुविधाओं, सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों, शैक्षणिक विस्तार और हितग्राही मूलक योजनाओं पर गहन मंथन हुआ। इसमें लगभग 49 करोड़ रुपये के कार्यों को मंजूरी दी गई।

इस अवसर पर मंत्री दयाल दास बघेल, लखन लाल देवांगन, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक पुन्नूलाल मोहले, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दिलीप लहरिया, श्रीमती शेषराज हरवंश, श्रीमती उतरी गणपत जांगड़े, श्रीमती कविता प्राण लहरे, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल सहित रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के आयुक्त, आईजी, एवं 17 जिलों के कलेक्टर उपस्थित थे।

गिरौधपुरी धाम में रोपवे, ठहरने की सुविधा

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब ने बजट वृद्धि पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए गिरौधपुरी धाम में रोपवे, ठहरने की सुविधा, जोक नदी के पास स्नान की व्यवस्था, स्मार्ट क्लास जैसे विभिन्न विकास प्रस्तावों को बैठक में प्रस्तुत किया।

सभी जिला मुख्यालयों में बनेगा 'नालंदा परिसर'

बैठक को ऐतिहासिक बनाते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला मुख्यालयों में 'नालंदा परिसर' निर्माण की बात भी दोहराई।

प्रदेश के 17 जिले अनुसूचित जाति बाहुल्य

उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र संपूर्ण राज्य है जिसमें प्रदेश के 17 अनुसूचित जाति बाहुल्य जिले जांजगीर-चांपा, सक्ती, बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, महासमुंद, राजनांदगांव, खैरागढ़ सहित अन्य वे जिले भी शामिल हैं, जिनमें अनुसूचित जाति जनसंख्या 25 प्रतिशत से अधिक है।

समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री को बांधी तिरंगा राखी
मुख्यमंत्री ने स्वच्छता संदेश के साथ शपथ पोस्टर पर किए हस्ताक्षर

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। जिला पंचायत परिसर में आयोजित अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन के दौरान पारंपरिक पंथी नृत्य की प्रस्तुति के साथ मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान स्व-सहायता समूह की स्वच्छता दीदियों ने मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं अतिथियों को तिरंगा राखी बांधी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर स्वच्छता शपथ पोस्टर पर हस्ताक्षर भी किए। इस वर्ष स्वच्छ भारत अभियान के तहत"स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग" के तहत मनाया जा रहा है, इसमें हर नागरिक को स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाने की अपील की जा रही है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान जिले के पामगढ़ विकासखंड के मलखंभ खिलाड़ियों ने अद्भुत शारीरिक संतुलन व परंपरागत कला का शानदार प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के उत्साह व समर्पण की सराहना की। मलखंभ की कलाबाजियों के दौरान जिला पंचायत परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने रेशम विभाग द्वारा प्रदर्शित स्वचलित चरखा एवं वस्त्र निर्माण की विधि का भी अवलोकन किया तथा समूह की महिलाओं के उत्साहवर्धन हेतु उनसे संवाद

किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं द्वारा किए जा रहे ये प्रयास आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम हैं।

कार्यक्रम स्थल पर जिला हथकरघा, ग्रामोद्योग विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा लगाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन स्टॉलों का निरीक्षण कर स्थानीय उत्पादों की सराहना की और समूहों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अरूण साव, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरू खुशवंत साहेब, मंत्री दयाल दास बघेल, लखन लाल देवांगन, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा, लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, पूर्व सांसद श्रीमती कमला पाटले, पूर्व विधायक नारायण चंदेल, अंबेश जांगड़े, चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी, उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, सहित जिला पंचायत सदस्य, अमर सुल्तानिया, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा सरकार का किया पुतला दहन

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को बंद करने के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में जांजगीर में जिला कांग्रेस कमेटी ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली बिलों में लगातार बढ़ोतरी और जनविरोधी निर्णयों के विरोध में बिजली कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष रमेश पैगवार और जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई 400 यूनिट तक की बिजली बिल हाफ योजना को पुन: बहाल किया जाए और बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लिया जाए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिनेश शर्मा, डॉ. परस शर्मा, संदीप यादव, लोकेश राठौर, महारथी बघेल, सीमा शर्मा, भगवान दास गढ़वाल, राजेश अग्रवाल, जय थवाईत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर कांग्रेस जनों ने भाजपा सरकार पर तुगलकी फरमान थोपने का आरोप लगाया और कहा कि यह फैसला आम जनता के हितों के खिलाफ है। साथ ही, बिजली बिलों की प्रतियां जलाकर सरकार के फैसले का विरोध दर्ज कराया गया। इस विरोध कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल नेताओं में पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष डॉ. परस शर्मा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदीप

यादव, जिला पंचायत सदस्य लोकेश राठौर, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष महारथी बघेल, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल, राजेश अग्रवाल, जय थवाईत,ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी, संतोष पप्पू शर्मा, विवेक सिसोदिया, अजीत सिंह राणा, पार्षद विष्णु यादव, गोविंद कश्यप, अरमान खान, डुग्गू प्रधान, दीपक राज आसना, विजय प्रकाश तिवारी, प्रमोद पांडे, मुस्कान परवीन, वर्षा सिंह, मनोरमा पाटेकर,आकाश तिवारी, गौरव सिंह, सैयद अहमद अली, राजा सिद्दीकी, आकाश सिंह, संदीप शर्मा, विजय गढ़वाल, राजू सूर्यवंशी, अनिल चौरसिया, कमलेश ताम्रकार,

रामसजीवन कुम्हार, शिवनाथ राठौर, चंद्रशेखर कश्यप, सफीक खान, पंकज शुक्ला, प्रीतम कश्यप, पवन कश्यप, महेंद्र कश्यप, संजय केदार अग्रवाल, संतोष गढ़वाल बबई सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

एमडी दीवान का निलंबन समाप्त
जांजगीर-चांपा में नई पदस्थापना, विभागीय जांच अलग से जारी रहेगी

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह, एम.डी. दीवान को पूर्व में निलंबित किए जाने के बाद अब उन्हें बहाल कर दिया गया है। बिलासपुर संभाग आयुक्त कार्यालय से जारी आदेश क्रमांक 1829 दिनांक 05 जून के अनुसार, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के तहत निलंबन प्रभावी किया गया था।

श्री दीवान का मुख्यालय संयुक्त संचालक, स्कूल शिक्षा विभाग, बिलासपुर नियत किया गया था। लेकिन 08 जून को उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर सम्यक रूप से विचारोपरांत निलंबन समाप्त कर तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया गया है। साथ ही उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी, जिला जांजगीर-चांपा के विकल्प पर पुन: पदस्थ किया गया है। आयुक्त, बिलासपुर संभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि के संबंध में विभागीय जांच पृथक से की जाएगी।

नन्ही सृष्टि को गोद में उठाकर मुख्यमंत्री ने दिया अपनत्व

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सहजता, आत्मीयता से परिपूर्ण व्यवहार आज हेलीपेड पर देखने को मिला। जिले में आगमन के दौरान जब मुख्यमंत्री ने नन्ही बच्ची सृष्टि को गोद में उठाकर स्नेह से दुलारा। किसान योगेंद्र पांडेय अपनी तीन वर्षीय पुत्री सुश्री सृष्टि पांडेय को लेकर ग्राम भणेसर से विशेष रूप से मुख्यमंत्री साय से मिलने पहुंचे थे। जब मुख्यमंत्री श्री साय की दृष्टि मासूम बच्ची सृष्टि पर पड़ी, तो उन्होंने तुरंत आत्मीय मुस्कान के साथ निहारा और उसे स्नेह से अपनी गोद में उठा लिया। सृष्टि के पिता ने भावुक होकर बताया कि मुख्यमंत्री के आने की खबर सुनकर तय किया कि अपनी बेटी को उनसे मिलवाऊँगा। जब मुख्यमंत्री ने उसे गोद में उठाया, तो हम दोनों के लिए यह पल हमारे जीवन की सबसे अनमोल स्मृति बन गई ।

विश्व आदिवासी दिवस पर कृष्णा पैलेस में होगा भव्य आयोजन

डभरा, 07 अगस्त (देशबन्धु)। नगर पंचायत डभरा में 13 अगस्त दिन को कृष्णा पैलेस में भव्य रूप से विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम रखा गया है। हम आपको बता दें कि विश्व आदिवासी दिवस पर चन्द्रपुर विधायक रामकुमार यादव कार्यक्रम के आयोजक है। 13 अगस्त को होने वाले भव्य समारोह में समाज के पूर्व पदाधिकारियों एवं वर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा । जहां विभिन्न आदिवासी समाज के प्रमुखों द्वारा समाज के हित मे महत्व पूर्ण योगदान देने वाले समाज प्रमुखों का सम्मान किया जावेगा। इस विश्व आदिवासी दिवस समारोह में अतिथि के रूप में जिला पंचायत सक्ति के उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल अर्चना सिदार जनपद सदस्य खरसिया भजपूर क्षेत्रीय पूर्वअध्यक्ष सवरा समाज देवेन्द्र भोई अरुणा महेंद्र सिदार अध्यक्ष जनपद पंचायत डभरा श्रीमति रामबाई सिदार पूर्व जिला पंचायत सदस्य कोटमी एवं वर्तमान जिला पंचायत सदस्य पूर्णिमा चन्द्र प्रकाश खूंटे श्रीमती सरोज दुष्यंत डनसेना जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति तारा चंद साहू जिला पंचायत सदस्य सक्ति 18 गढ़ सवरा समाज के प्रशासक रत्थु प्रसाद सिदार 80 घर सवरा समाज के प्रदेश अध्यक्ष पीएल सिदार 18 गढ़ सवरा समाज के प्रांताध्यक्ष सहदेव सिह सिदार एवं सचिव नन्दलाल सिदार पूर्व प्रशासक समारू लाल सिदार भूत पूर्व प्रशासक शिव कुमार भोई तथा रोहित कुमार सिदार पूर्व प्रांताध्यक्ष 18 गढ़ सवरा समाज पूर्व सचिव 18 गढ़ सवरा समाज लकेश्वर श्याम प्रवक्ता,खोलबहरा

राम सिदार क्षेत्र क्र 01 भजपूर अध्यक्ष लकेश्वर सिदार क्र 02 बघनीपाली अध्यक्ष घसिया राम सिदार क्र 10 मालखरौदा अध्यक्ष श्रीचंद सिदार बिहारी लाल सिदार अध्यक्ष भैना समाज जगत केराम पोबिया अध्यक्ष पोबिया समाज वरिष्ठ कार्यकर्ता राधेश्याम पोबिया जनपद सदस्य मालखरौदा जितेंद्र बहादुर सिंह नीलाम्बर जगत शिव दयाल सिदार सेवा निर्वित्त ब्याख्याता नरेंद्र स्नेही एंटीपीसी जगेंद्र कुमार राठिया मैनेजर नाल्को ओडिशा सूरतराम राठिया जिला पदाधिकारी भीष्म सिदार समाज प्रमुख भूइया समाज जेपी पुष्प प्राचार्य पेंड्रा ए, एस, नेताम सेवा निवृत्त उप संचालक शिक्षा खोधर बटदेव उरांव अध्यक्ष उरांव समाज सुंदर साय खड़िया अध्यक्ष खड़िया समाज कोटमी घुवरा भोय्या,अध्यक्ष भोय्या समाज सिघितराई सहित सभी सामाजिक लोगो को अधिक से अधिक सख्या में आने की अपील की गई है।

चाकूबाजी कर मोबाइल लूट
पेट्रोल पंप के पास चाचा-भतीजे पर हमला, हालत गंभीर

जांजगीर, 07 अगस्त (देशबन्धु)। अकलतरा थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां सिंघानिया पेट्रोल पंप के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने चाचा-भतीजे पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूट लिया। वारदात में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों की पहचान तिलेश्वर भैना (25 वर्ष) और उसके नाबालिग भतीजे मोनू (16 वर्ष) के रूप में हुई है। तिलेश्वर ने बताया कि उसने मोनू को दुकान से चखना और गिलास लाने भेजा था, तभी तीन बदमाशों ने मोनू के साथ मारपीट शुरू कर दी। तिलेश्वर ने जब भतीजे को बचाने की कोशिश की, तो बदमाशों ने उस पर भी चाकू और चैन से हमला कर दिया। हमले में दोनों के पेट में चाकू लगने से वे जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। दोनों को तत्काल अकलतरा सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बिलासपुर सिम्स रेफर किया गया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और इलाज जारी है। थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने बताया कि घटना

शाम 7 से 7.30 बजे के बीच की है। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

देश विदेश

अमेरिका से बातचीत दोबारा करने पर फैसला नहीं : ईरान

तेहरान, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ईरानी उप विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका से परमाणु वार्ता फिर शुरू करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है लेकिन दोनों पक्षों में संवाद बना हुआ है। श्री अराघची ने चैनल तेहरान पर एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका से बातचीत को लेकर कोई आखिरी फैसला अभी नहीं हुआ है। इतना अवश्य है कि संपर्क बने हुए हैं। उनको अमेरिका से संदेश तो मिले हैं पर बातचीत होगी या नहीं, यह इस पर निर्भर करता है कि ईरानी हितों का सम्मान होता है या नहीं। उल्लेखनीय है कि ईरान और अमेरिका के बीच ओमान की मध्यस्थता से ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर पांच दौर की बातचीत हुई है और इसका छठा दौर 15 जून को होने वाला था लेकिन उसका इजरायल से तनाव गहराने से यह वार्ता नहीं हो पाई।

सर्गेई शोइगु ने भारत व रूस के बीच सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने का किया आह्वान, कहा

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण

मॉस्को, 7 अगस्त (एजेंसियां)। रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका के साथ भारत के मौजूदा व्यापार विवाद और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा के बीच, रूस के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी सर्गेई शोइगु ने भारत और रूस के बीच सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने का आह्वान किया है। आरटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव ने गुरुवार को अपने भारतीय समकक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बातचीत की, जो इस समय भारत और रूस के बीच सुरक्षा तथा रक्षा संबंधों पर चर्चा करने के लिए मॉस्को में हैं।

■ रूसी सुरक्षा प्रमुख सर्गेई ने की अजीत डोभाल से मुलाकात

श्री डोभाल की अपने रूसी समकक्ष और अन्य उच्च पदस्थ रूसी अधिकारियों के साथ चर्चा मुख्य रूप से आतंकवाद-निरोध, सहयोग, और अधिक एस-400 प्रणालियों की आपूर्ति तथा रूस के पांचवीं पीढ़ी के सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमानों की संभावित खरीद पर केंद्रित होगी। दोनों पक्ष ऊर्जा, उर्वरक और अन्य वस्तुओं में सहयोग पर भी चर्चा करेंगे।

श्री शोइगु ने श्री डोभाल से कहा कि रूस और भारत मज़बूत, भरोसेमंद और समय-परीक्षित मित्रता के बंधनों से जुड़े हैं। हमारे देश के लिए, पारस्परिक सम्मान, एक-दूसरे के हितों के प्रति समान विचार और एक एकीकृत एजेंडे को आगे बढ़ाने की इच्छा पर आधारित, भारत के साथ विशेष रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रूप से मज़बूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि रूस और भारत दोनों एक नई, अधिक न्यायसंगत और मजबूत विश्व व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करे और आधुनिक चुनौतियों और खतरों का मिलकर मुकाबला करने में सक्षम हो। श्री डोभाल की रूस की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत से होने वाले सभी आयातों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है, ताकि भारत पर रूस के साथ तेल व्यापार में कटौती करने का दबाव बनाया जा सके।

भारत ने इस कदम की आलोचना करते हुए व्हाइट हाउस के उपायों को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का वादा करते हुए पीछे हटने से इनकार कर दिया है। बैठक में श्री शोइगु ने कहा कि दोनों देशों की सुरक्षा परिषद के माध्यम से नियमित परामर्श से रूसी-भारतीय संबंधों को मजबूत करने और वर्तमान कठिन अंतरराष्ट्रीय स्थिति में उन्हें एक नए स्तर पर ले जाने में मदद मिलती है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के भी इस महीने के अंत में रूस का दौरा करने की उम्मीद है, क्योंकि राष्ट्रपति पुतिन की इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर बैठक के लिए भारत में आगामी यात्रा की तैयारियां चल रही हैं।

पुतिन की भारत यात्रा जल्द, दोनों देशों के रिश्ते होंगे मजबूत

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस महीने के अंत में भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। यह जानकारी रूसी मीडिया ने दी है, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के रूस दौरे के दौरान दिए गए बयान का हवाला दिया। मॉस्को में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु से मुलाकात के दौरान डोभाल ने कहा कि हमारे बीच अब बहुत अच्छे संबंध स्थापित हो चुके हैं, जिन्हें हम काफी महत्व देते हैं। यह एक रणनीतिक साझेदारी है। हम उच्च स्तर पर संवाद कर रहे हैं। हमें यह जानकर खुशी हुई कि राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा इस महीने के अंत में तय किया गया है। इससे पहले क्रेमलिन के सहायक यूरी उशाकोव ने भी पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति पुतिन भारत आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि यह वार्षिक द्विपक्षीय शिखर बैठक की परंपरा के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं के बीच हर साल मिलने का समझौता है। इस बार हमारी बारी है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन ने पिछली बार 6 दिसंबर 2021 को भारत का दौरा किया था।

ट्रंप ने पुतिन से मुलाकात की संभावना जताई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन में युद्धविराम को लेकर उनकी जल्द मुलाकात हो सकती है। जिससे यूक्रेन और रूस के युद्ध का अंत हो सकता है। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को पुतिन से मुलाकात की। श्री ट्रम्प ने इस बैठक को अहम बताया। क्रेमलिन ने भी इसे उपयोगी बातचीत बताया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार कल ओवल ऑफिस में जब उनसे निकट भविष्य में मुलाकात की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि आज राष्ट्रपति पुतिन के साथ हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई और इस बात की पूरी संभावना है कि हम इस समस्या का अंत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह डगर लंबी थी और अभी भी लंबी है, लेकिन इस बात की अच्छी संभावना है कि बहुत जल्द एक मुलाकात होगी।

दैनिक पंचांग

mypandit.com
24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 8 अगस्त , 2025 श्रावण शुक्ल पक्ष 14

राशिफल

मेष - घर, परिवार और संतान के मामले में आज आपको आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। आज आप सगे- संबंधियों और मित्रों से घिरे रहेंगे। व्यापार को बढ़ाने के लिए कहीं जाना होगा। इसमें लाभ होगा।

वृषभ - व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ है। नए काम शुरू कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। विदेश में रहनेवाले मित्रों या स्वजनों का समाचार आपको भाव-विभोर करेगा। लंबी दूरी की यात्रा का योग है।

मिथुन - बेकाबू क्रोध पर लगाम रखें। बदनामी और नकारात्मक विचारों से दूर रहना आपके हित में होगा।अत्यधिक खर्च से आर्थिक तंगी का अनुभव होगा। इस कारण मन खिन्न होगा। नई चिकित्सा और ऑपरेशन न कराना उचित होगा।

कर्क - आज मौज-शौक और मनोरंजन की प्रवृत्ति में आप सराबोर होंगे। मित्रों, परिवार के साथ मनोरंजन के स्थान या पर्यटन पर जाने का अवसर मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन और नए वस्त्राभूषण आदि की खरीदारी होगी।

सिंह - संदेह के बादल घिरे होने से कहीं मन नहीं लगेगा। हालांकि घर में शांति का वातावरण होगा। दैनिक कामों में थोड़ा अवरोध आएगा। अधिक परिश्रम के बाद अधिकारियों के साथ वाद- विवाद में न पड़ें। परिवार को समय दें।

कन्या - आज का दिन चिंता और उद्वेग से परिपूर्ण होगा। पेट की गड़बडी से स्वास्थ्य खराब होगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई में अवरोध आएगा। अचानक धन खर्च होगा। बौद्धिक चर्चाएं और समझौते में असफलता मिलेगी।

तुला - अत्यधिक संवेदनशीलता और विचारों के बवंडर से आप मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। माता और महिलाओं के मामले में आपको चिंता रहेगी। यात्रा के लिए आज का दिन अनुकूल न होने से यात्रा करना टालें।

वृश्चिक - कार्य सफलता, आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए अच्छा दिन है। नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं। भाई- बंधुओं का व्यवहार आज अधिक सहयोगपूर्ण और प्रेमपूर्ण रहेगा। विरोधियों को परास्त कर सकेंगे।

धनु - आज आपका मन दुविधा में फंसा रहेगा। पारिवारिक वातावरण क्लेशपूर्ण रहेगा। निर्धारित कामों को पूर्ण न कर पाने से मन में हताशा भी बनी रहेगी। आज कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेना आपके लिए बेहतर होगा।

मकर - ईश्वर के नाम के स्मरण से आपके दिन का शुभारंभ होगा। धार्मिक कार्य और पूजा पाठ होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंदमय वातावरण रहेगा। आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। मित्रों, सगे संबंधियों की तरफ से अनुकूल अवसर मिलेंगे।

कुंभ - आज किसी की जमानत लेना। आर्थिक लेन-देन न करना उचित होगा। खर्च की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थता का अनुभव नहीं होगा। स्वजनों के साथ मतभेद उत्पन्न होंगे।

मीन - सामाजिक कामों या समारोहों में भाग लेने का अवसर आएगा। मित्रों-स्नेहीजनों के साथ की मुलाकात मन को खुशी देगी। सुंदर स्थान पर पर्यटन का आयोजन होगा। शुभ समाचार मिलेगा। पत्नी और संतान से लाभ प्राप्त होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू म्यिंट श्वे का निधन

नेपिडॉ, 7 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू म्यिंट श्वे का गुरुवार को राजधानी नेपिडॉ में 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। यह जानकारी नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी काउंसिल (एनडीएससी) ने दी। यू म्यिंट श्वे लंबे समय से पार्किंसन रोग और अन्य संबंधित तंत्रिका संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। जुलाई 2024 से वे नेपिडॉ स्थित डिफेंस सर्विसेज जनरल अस्पताल में गहन चिकित्सा में भर्ती थे। बीमारी के चलते वह पिछले वर्ष से चिकित्सकीय अवकाश पर थे और कार्यभार सीनियर जनरल मिन आंग हलाइंग को सौंप दिया गया था। एनडीएससी ने उनके सम्मान में राज्य स्तरीय अंतिम संस्कार आयोजित करने की घोषणा की है।

■ लंबे समय से पार्किंसन रोग व अन्य तंत्रिका संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे यू म्यिंट श्वे

यू म्यिंट श्वे का जन्म 1951 में मंडाले क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने 1971 में डिफेंस सर्विसेज अकादमी में प्रवेश लिया और म्यांमार की सेना तातमदाव में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 2010 में वे लेफ्टिनेंट जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद उन्होंने 2011 से 2016 तक यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी। मार्च 2016 में उन्हें म्यांमार का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। 1 फरवरी 2021 को, तत्कालीन राष्ट्रपति यू विन म्यिंट को सैन्य तख्तापलट में हिरासत में लिए जाने के बाद यू म्यिंट श्वे कार्यवाहक राष्ट्रपति बने।

भारत ने मॉरीशस को 1 इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप सौंपी

पोर्ट लुईस, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मॉरीशस में भारत के राजदूत अनुराग श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को 10 इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप सौंपी है। इससे भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

इस समारोह का आयोजन बुधवार को रेडुइट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी लोक सेवा एवं नवाचार संस्थान में किया गया था। यह संस्थान भारत-मॉरीशस मैत्री के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय है। कार्यक्रम में भारतीय राजदूत और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के अलावा सरकार के अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

पोर्ट लुइस स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉरीशस की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा को याद किया और इस ई-बस परियोजना को सार्वजनिक परिवहन में क्रांतिकारी बदलाव और दोनों देशों के बीच के विशेष संबंधों का प्रतीक बताया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने उच्च-स्तरीय बुनियादी ढांचे और भविष्य के लिए तैयार क्षेत्रों, नीली अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी, खाद्य और समुद्री सुरक्षा में भारत की भूमिका की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कार्बन उत्सर्जन कम करने, ईंधन आयात में कटौती और ई-मोबिलिटी में रोजगार सृजन में ई-बस परियोजना की भूमिका पर प्रकाश डाला।

■ मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने जताया भारत के प्रति आभार

■ भारत व मॉरीशस के बीच संबंधों को मिलेगी मजबूती

भारत-मॉरीशस मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना, नया सुप्रीम कोर्ट भवन, नया ईएनटी अस्पताल, 956 सामाजिक आवास इकाइयां और शैक्षिक टैबलेट जैसी कई उच्च-स्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में अहम भूमिका निभा रहा है।

हिंद-प्रशांत में रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट 10 से 14 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मौजूदा समय में यह यात्रा रणनीतिक और सैन्य सहयोग के लिहाज से काफी अहम है।

10 से 14 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट

ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को सैन्य क्षेत्र में और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के साझा प्रयासों में यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट की यह भारत यात्रा न केवल भारत की क्षेत्रीय भूमिका को मान्यता देती है, बल्कि इंडो-पैसिफिक में सामूहिक तैयारी और रणनीतिक विश्वास को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच सहयोग के अगले चरण की नींव रखेगी।

दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा साझेदारी निरंतर विकसित हो रही है। इसे नियमित उच्च स्तरीय संवादों और संस्थागत ढांचे के माध्यम से मजबूती मिल रही है। नवंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता इसका प्रमाण है।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, 2 की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के वजीरिस्तान में गुरुवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब 9:58 बजे (स्थानीय समय) वाना क्षेत्र में हुई, जब एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पुलिस वाहन के पास विस्फोट हुआ। जिला पुलिस के सूत्रों के अनुसार, घायलों में पुलिसकर्मी और राहगीर दोनों शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, पिछले शनिवार को पाकिस्तान के इसी उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में हुए एक अन्य विस्फोट में पांच बच्चों की मौत हो गई थी और 12 अन्य घायल हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह विस्फोट तब हुआ जब बच्चों ने एक विस्फोटक वस्तु के साथ छेड़छाड़ की, जिससे वह फट गया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

आज का इतिहास

1509 – विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी।

1549 – फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1609 – वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया।

1763 – वर्षों के संघर्ष के बाद अंतत- कनाडा फ्रांस के अधिकार से स्वतंत्र हुआ।

1864 – जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना।

1876 – थॉमस अल्वा एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट कराया।

1899 – ए.टी. मार्शल ने रेफ्रीजरेटर का पेटेंट कराया।

1900 – बोस्टन में पहली डेविस कप श्रृंखला की शुरूआत।

1908 –शास्त्रीय संगीत गायिका सिद्धेश्वरी देवी का जन्म।

1919 – ब्रिटेन ने अफगानिस्तान की आजादी को मंजूरी दी।

1942 – महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की।

1947 – पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी।

1948 – देश के मशहुर राजनीतिज्ञ एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल का जन्म।

1956 – भारत में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान, ट्रॉम्बे का, जिसे अब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नाम से जाना जाता है।

1988 – अफगानिस्तान में नौ साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी शुरू हुई।

1988 – आठ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद ईरान और इराक के बीच युद्धविराम की घोषणा।

1988 – भारतीय संसद ने भारत में निर्वाचन कानून (संशोधन) विधेयक, 1988 पारित किया। इस विधेयक ने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी

तैयारी | *कंबोडिया व थाईलैंड ने संघर्षविराम समझौते पर किए हस्ताक्षर, कहा*

दोनों देशों ने संवाद बनाए रखने व विवाद सुलझाने पर जताई सहमति

कुआलालंपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कंबोडिया और थाईलैंड ने गुरुवार को संघर्षविराम की व्यवस्था को औपचारिक रूप देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह निर्णय मलेशिया की राजधानी में आयोजित एक विशेष जनरल बॉर्डर कमेटी (जीबीसी) बैठक के बाद लिया गया। कंबोडियाई पक्ष के अनुसार, दोनों देशों ने संघर्षविराम को लेकर विस्तृत चर्चा की और एक क्षेत्रीय निगरानी तंत्र स्थापित करने, आपसी विश्वास बहाली और पकड़े गए सैनिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत व्यवहार करने पर सहमति जताई। वहीं, थाई पक्ष ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय तंत्र के माध्यम से संवाद बनाए रखने और विवाद सुलझाने पर सहमति जताई है।

■ दोनों देशों की अगली विशेष जीबीसी बैठक एक महीने के भीतर होगी आयोजित

इसके अलावा, आसियान सदस्य देशों को संघर्षविराम की निगरानी की अनुमति दी जाएगी। दोनों देशों ने यह भी तय किया कि अगली विशेष जीबीसी बैठक एक महीने के भीतर आयोजित की जाएगी। इस बीच, 6 अगस्त को कंबोडियाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने थाईलैंड द्वारा कंबोडिया पर सैन्य बल और हथियारों के जरिए उसकी संप्रभुता का उल्लंघन करने को लेकर की गई कानूनी कार्रवाई को निराधार और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

विदेश मंत्रालय के सचिव और प्रवक्ता चुम सौनरी ने कहा कि यह कानूनी कदम पूर्णत: आधारहीन है और थाईलैंड की कंबोडिया-विरोधी नीतियों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ध्यान भटकाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि आरोप बेबुनियाद, राजनीतिक रूप से प्रेरित और किसी ठोस प्रमाण पर आधारित नहीं हैं।

थाईलैंड मंत्रिमंडल ने दी चीन, स्वीडन के साथ रक्षा सौदों की मंजूरी

बैंकॉक। थाईलैंड सरकार ने चीन और स्वीडन के साथ रक्षा सौदों को मंजूरी दी है जिसमें स्वीडिश ग्रिपेन लड़ाकू विमानों, दो विदेशी निर्मित युद्धपोत और चीन के साथ एक पनडुब्बी सौदे को अंतिम रूप देना शामिल है। द नेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वीडिश लड़ाकू विमान अमेरिकी एफ-16 विमानों की जगह लेंगे जो 37 वर्षों से थाई वायु सेना में सेवारत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खरीद में तीन सिंगल-सीट एसएएबी जेएएस-39 ग्रिपेन ई विमान और एक दो-सीट ग्रिपेन एफ विमान, साथ ही सहायक प्रणालियाँ और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण शामिल हैं। विमान आधुनिक मेटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों और अन्य हथियारों से लैस होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 12 विमानों की कुल लागत 60 अरब थाई बाहत (1.85 अरब डॉलर) होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार कैबिनेट ने थाई नौसेना के लिए 35 अरब थाई बाहत की लागत से दो युद्धपोत खरीदने को भी मंजूरी दी है।

सुडोकू 6998

3		8	6					
		9	2	1			6	
2					8		4	
			9			8		6
8		4			2			
	7		8					3
	3			7	5	9		
					3	6		2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6998

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	■	२३				■	■	

बायें से दायें:-

१. अकेले रहने या विचरने वाला एकाकी
३. सज्जित, विभूषित
५. सेना या काफिले का मार्ग में कहीं रुकना, ऐसी रुकने की जगह
६. शुद्ध, पाक
७. पतला, संकीर्ण मार्ग
९. आराम, चैन (उर्दू)
१०.स्वेच्छारिता
१२. आसान, स्वभाव, आसानी से मिलने वाला
१३. असमंजस, द्वैधीभाव
१४. युद्ध संबंधी
१६. गिरवी रखना
१८. दासी, सेविका (उर्दू)
२०. बढ़ाया हुआ, बहता हुआ
२१. राजा (उर्दू)
२३. जो लेने देन में खरा न हो(उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. पगडंडी
२. बदचलन
३. जाना हुआ, विदित
४. मेहरबानी करके
५. राजा की सबसे बड़ी रानी
८. राजाओं या राष्ट्र प्रमुखों के रहने की जगह
१०. धीमा, मंद
११. एक प्रकार का बहुमूल्य रत्न
१२. मरम्मत, दोष या खराबी के दूर होने का भाव
१३. बैर, शत्रुता
१४. शाबासी देना
१५. घूस
१७. सदैव
१८. एकदम,, नितांत, पक्का (उर्दू)
१९. जिव्हा, भाषा (उर्दू)
२२. जिद

वर्ग पहेली-6997

१ अ	जा	२ त	श	३ त्रु	■	४ ध	म	५ रा	ज
नि	■	र	■	६ टि	क	ना	■	जि	■
७ वा	जि	ब	■	ही	■	त्म	■	८ त	९ म
र्य	■	त	■	१० न	र्त	क	■	■	दि
■	११ प	र	१२ ख	■	■	■	१३ ज	खी	रा
■	गा	■	दि	■	१४ सं	ग्र	ह	■	पा
१५ स	र	१६ का	र	■	क	■	१७ र	१८ स	न
र्व	■	र	■	१९ अ	ल्प	२० ना	■	लि	■
२१ प	रा	ग	■	र्च	■	२२ म	त	ल	२३ ब
ल्ली	■	२४ र	ण	ना	य	क	■	■	री

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6998 का हल

3	4	8	6	5	9	1	2	7
7	5	9	2	1	4	3	6	8
2	1	6	7	3	8	5	4	9
5	2	7	9	4	1	8	3	6
1	6	3	5	8	7	2	9	4
8	9	4	3	6	2	7	1	5
9	7	1	8	2	6	4	5	3
6	3	2	4	7	5	9	8	1
4	8	5	1	9	3	6	7	2

दुनिया को जानें

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन निगरानी करने वाले नासा के दो मिशन को बंद करेगा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कार्यालय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की निगरानी करने वाले नासा के दो मिशन बंद करेगा। न्यूज़मैक्स प्रसारक ने एजेंसी के हवाले से बुधवार को कहा ईमेल द्वारा भेजे गए एक बयान में नासा ने कहा कि ये मिशन अपने मुख्य उद्देश्य से परे हैं और राष्ट्रपति के एजेंडे और बजट प्राथमिकताओं के अनुरूप इन्हें समाप्त किया जा रहा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि श्री ट्रम्प के वित्तीय वर्ष 2026 के बजट अनुरोध में उन कार्बन वेधशालाओं के लिए फंडिंग शामिल नहीं है जो कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और अवशोषण के साथ-साथ कृषि फसलों की स्थिति पर सटीक नज़र रख सकें।

पोलिटिको ने जुलाई की शुरुआत में बताया था कि व्हाइट हाउस के सरकारी खर्च में कटौती पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नासा के 2,000 से ज़्यादा वरिष्ठ कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है। जुलाई के अंत में लगभग 300 वर्तमान और पूर्व नासा कर्मचारियों ने छंटनी, संघीय नियमों के उल्लंघन और एजेंसी के मिशनों को कमज़ोर करने के लिए ट्रम्प प्रशासन की आलोचना की।

खेल जगत

लक्ष्य को हासिल करने की भूख पैदा करें नवोदित खिलाड़ी: ललित उपाध्याय

आजमगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां) वर्ष 2020 और 2024 ओलंपिक में दो बार भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली हॉकी टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय ने नवोदित खिलाड़ियों को सलाह दी कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिये ऐसी तड़प और भूख होनी चाहिये कि लक्ष्य भी बौना पड़ जाये। तरवां चौरी बेलहा पी जी कालेज में एकेडमी के बच्चों से मिलने पहुंचे ललित उपाध्याय ने कहा कि संसाधन भले सीमित हो,लेकिन सपने असीमित होने चाहिए। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी के पास भूख होनी चाहिये। इन प्रयासों से वह अपना मुकाम हासिल कर लेगा । गोल करने की अद्भुत क्षमता वाले एक स्वाभाविक प्लेमेकर, ललित उपाध्याय ने कहा कि इन खिलाड़ियों और एकेडमी को संचालित करने वाले प्रबंधक प्रभाकर सिंह से मिलकर बहुत खुश हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह बच्चे अगर पूरे जज्बे के साथ इस खेल को खेलते रहे तो यह भी एक दिन नेशनल इंटरनेशनल और ओलंपिक खेल में शिरकत करेंगे ।

शुभमन गिल को सौंपी गई नॉर्थ जोन टीम की कमान

15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा को शामिल किया गया

दलीप ट्रॉफी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। अब गिल को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन टीम की कमान सौंपी गई है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त से होने जा रही है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे पर पांच मुकाबलों में 65.57 की औसत के साथ 754 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' खिताब से नवाजा गया।

शुभमन गिल के अलावा, इस 15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा शामिल हैं। अंशुल कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत 'ए' की ओर से खेले, लेकिन अर्शदीप को इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिल सका। गुरुवार को जोनल सेलेक्शन कमेटी ने घोषणा करते हुए बताया कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा। टीम इंडिया 9-28 सितंबर के बीच टी20 एशिया कप खेलेगी। नॉर्थ जोन की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बडोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी।

दलीप ट्रॉफी छह टीमों वाले जोनल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसके साथ 2025/26 घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत होगी। नॉर्थ जोन अपने अभियान की शुरुआत ईशान किशन की अगुवाई वाले ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। विजेता टीम सेमीफाइनल में साउथ जोन से भिड़ेगी।

नॉर्थ जोन की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय: शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर), जसकरनवीर सिंह पॉल, रवि चौहान, आबिद मुश्ताक, निशंक बिड़ला, उमर नजीर और दिवेश शर्मा।

विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई

■ विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी

मॉन्ट्रियल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको कैनेडियन ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। 18 साल की म्बोको ने नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6(4) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। म्बोको ने फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों (रयबाकिना, कोको गॉफ, और सोफिया केनिन) को हराने वाली पहली कनाडाई खिलाड़ी बन गई हैं।

विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले फेय अर्बन (1968 और 1969), विकी बर्नर (1969) और बियांका एंड्रीस्कू (2019) ने फाइनल में जगह बनाई थी। साथ ही म्बोको फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। म्बोको की वाइल्डकार्ड एंट्री हुई थी। ऐसे में वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट में एंट्री करने और ओपन ऐरा फाइनल में जगह बनाने वाली वह तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में मोनिका सेलेस (1995) और सिमोना हालेप (2015) ने फाइनल में जगह बनाई थी। जीत से बेहद उत्साहित विक्टोरिया म्बोको ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'टाईब्रेकर में हर पाइंट मायने रखता है। मुझे इसका ध्यान था। मैं कोर्ट में ज्यादा से ज्यादा गेंदें डालना चाहती थी और जितना हो सके उतनी ताकत लगाना चाहती थी। मैच के दौरान बहुत तनावपूर्ण पल भी होते हैं, ऐसे में मैं खुद को शांत रखने की कोशिश भी कर रही थी और हमेशा आगे के पाइंट पर ध्यान केंद्रित कर रही थी।'

ऑस्ट्रेलिया महिला-ए टीम ने इंडिया-ए को 13 रनों से हराया

मकाय, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अनिका लीरॉइड (नाबाद 50) के बाद एमी एडगर और सियाना जिंजर (दो-दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम ने गुरुवार को पहले टी-20 मुकाबले में इंडिया ए को 13 रनों से हरा दिया।

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत बेहद धीमी रही और उसने चौथे ओवर की पहली गेंद पर शेफाली वर्मा (तीन) का विकेट गंवा दिया। उस समय टीम का स्कोर 13 रन था। इसके बाद धारा गुज्जर (सात), दिनेश वृंदा (पांच) रन बनाकर आउट हुई। 12वें ओवर में उमा छेत्री (31) रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुई। इसके बाद राघवी बिष्ट और कप्तान राधा यादव ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी हुई।

17वें ओवर में सियाना जिंजर ने राघवी बिष्ट को आउट कर इंडिया ए के मैच जीतने की उम्मीदों को झटका दिया। राघवी बिष्ट ने 20 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की और भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 124 रन ही बना सकी और 13 रनों से मुकाबला हार गई। राधा यादव ने 22 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 26 रन बनाये। सजीवन सजना सात रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एमी एडगर और सियाना जिंजर ने दो-दो विकेट लिये। टेस फ्लिंटॉफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां इंडिया ए टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में अनिका लीरॉइड 44 गेंदों में (नाबाद 50) की अर्धशतकीय पारी के दम पर छह विकेट पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। एलिसा हीली ने 18 गेंदों में (27), तालिया विल्सन (17), कोर्टनी वेब (11) और कप्तान निकोल फॉल्टम (11) का योगदान दिया। इंडिया ए की ओर से प्रेमा रावत ने तीन, सजीवन सजना और साइमा ठाकोर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अजित कुमार की रेसिंग टीम में नारायण कार्तिकेयन का स्वागत

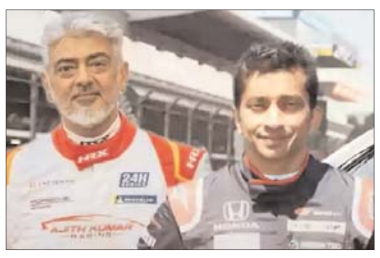

कार्तिकेयन शामिल होना सम्मान की बात: अजित

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ इंडिया के मशहूर अभिनेता अजित कुमार ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 33 साल का सफल सफर पूरा किया। अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार रेसिंग की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने अपनी रेसिंग टीम में नारायण कार्तिकेयन को शामिल किया है। बता दें कि नारायण कार्तिकेयन भारत के ड्राइविंग क्षेत्र में दिग्गज हैं। उनका कार रेसिंग की दुनिया में एक बड़ा नाम है। नारायण कार्तिकेयन के टीम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए अजित कुमार ने कहा, 'नारायण का हमारी टीम में शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात है। उनके साथ रेसिंग करना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब जब नारायण हमारे साथ हैं, तो 'एशियन ले मैन्स सीरीज' हमारे लिए और भी खास बन गई है।' वहीं नारायण कार्तिकेयन ने अजित कुमार की टीम से जुड़ने पर कहा, 'मैं अजित को कई सालों से जानता हूं, और अब उन्हें प्रोफेशनल रेसिंग करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं उनके साथ आने वाली 'एशियन ले मैन्स सीरीज' में भाग लेने को लेकर काफी उत्साहित हूं और आगे के इस शानदार सफर का इंतजार कर रहा हूं।' बता दें कि अजित कुमार ने सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि कार रेसिंग की दुनिया में भी कमाल कर दिखाया है। अजित ने इस साल की शुरुआत में दुबई में आयोजित हुई रेस में हिस्सा लिया था और 991 कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे पहली पारी में महज 125 रन पर ढेर

न्यूजीलैंड बनाम जिम्बाब्वे

■ जैक फौल्कस ने 16 ओवरों में 38 रन देकर चार विकेट चटकाए

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच बुलावायो में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसके पहले दिन महज 48.5 ओवरों के खेल में कीवी टीम ने मेजबान देश को 125 रन पर ढेर कर दिया। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे को अपना ही फैसला भारी पड़ गया। मेजबान टीम ने खाता खुलने के तुरंत बाद ब्रायन बेनेट (0) का विकेट गंवा दिया। यहां से ब्रैंडन टेलर ने टीम को संभालने की कोशिश शुरू की। उन्होंने निक वेल्च (11), सीन विलियम्स (11) और कप्तान क्रेग इर्विन (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कीं। ब्रैंडन टेलर 107 गेंदों में छह चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा तफादजवा सिगा ने 54 गेंदों में नाबाद 33 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को सम्मानजनक स्कोर तक नहीं पहुंचा सके। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हैनरी ने 15 ओवरों में 40 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए, जबकि जैक फौल्कस ने 16 ओवरों में 38 रन देकर चार विकेट चटकाए। शेष एक विकेट मैथ्यू फिशर के नाम रहा। जिम्बाब्वे के लिए यह 'करो या मरो' का मुकाबला है। टीम ने इसी मैदान पर सीरीज का पहला टेस्ट नौ विकेट से गंवा दिया था। उस मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 149 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी में मैट हैनरी ने छह विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 307 रन बनाते हुए 158 रन की लीड हासिल की थी।

मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में 165 रन पर ढेर हो गई, जिसके बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए महज आठ रन का टारगेट मिला। मेहमान टीम ने इसे महज 2.2 ओवरों में हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने दो मुकाबलों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना रखी है। ऐसे में अगर यह मैच ड्रॉ भी रहा, तो सीरीज न्यूजीलैंड के नाम होगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं हारा है न्यूजीलैंड

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच 7 अगस्त से बुलावायो में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर न्यूजीलैंड सीरीज में 1-0 से आगे है। न्यूजीलैंड ने कभी भी जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच नहीं गंवाया है। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच 1992 में पहला टेस्ट खेला गया था। पिछले 33 सालों में दोनों टीमों के बीच 18 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इसमें 12 मैचों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। शेष 6 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में दूसरे टेस्ट मैच से पहले जिम्बाब्वे का आत्मविश्वास जहां डिगा हुआ है, वहीं न्यूजीलैंड आत्मविश्वास से भरी हुई है। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के प्रदर्शन में पिछले एक दशक में लगातार गिरावट देखी गई है।

मीराबाई चानू जन्मदिन विशेष : भारोत्तोलन में भारत का नाम रोशन करने वाली एथलीट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मीराबाई चानू भारतीय खेल जगत का चमकता हुआ नाम हैं। उन्होंने ओलंपिक में भारोत्तोलन में देश को पहला पदक दिलाया था।

मीराबाई चानू का जन्म 8 अगस्त 1994 को इम्फाल, मणिपुर में हुआ था। उनका पूरा नाम सैखोम मीराबाई चानू है। लेकिन, खेल जगत में वह 'मीराबाई चानू' के नाम से ही प्रसिद्ध हैं। एक बेहद साधारण परिवेश से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम बनाने और सफलता अर्जित करने वाली मीराबाई चानू देश के लाखों खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। मीराबाई चानू ने 12 साल की उम्र में भारोत्तोलन का अभ्यास करना शुरू किया था। उन्हें परिवार का बड़ा सहयोग मिला था। चानू को पहली बड़ी सफलता 2014 में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में मिली थी, जब उन्होंने सिल्वर जीता था। इस सफलता के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

2018 में गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स और 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने गोल्ड जीता था। 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने गोल्ड जीता था। चानू को सबसे बड़ी सफलता 2020 टोक्यो ओलंपिक में मिली, जब उन्होंने 49 किग्रा कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। वह भारोत्तोलन में पदक जीतने वाली देश की पहली एथलीट बनीं। इस सफलता से उन्होंने न सिर्फ देश का मान बढ़ाया, बल्कि दुनियाभर में बड़ी लोकप्रियता हासिल की। पेरिस ओलंपिक में मीराबाई चानू को सफलता नहीं मिली थी।

मीराबाई चानू को उनकी सफलता के लिए भारत सरकार ने 2018 में खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया था। 2018 में ही उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एथलीट्स कमीशन की अध्यक्ष हैं। इस पद को संभालते हुए चानू ने एथलीटों की आवाज को बुलंद करने, उनके कल्याण को सुनिश्चित करने और उनके प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखने में सहायता करने का संकल्प लिया है।

सीपीएल 225 : डेविड विसे सेंट लूसिया किंग्स की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सीपीएल 2024 की विजेता सेंट लूसिया किंग्स ने आगामी सीजन (सीपीएल 2025) के लिए नामीबिया के अनुभवी ऑलराउंडर डेविड विसे को कप्तान बनाया है। सीपीएल के आगामी सीजन की शुरुआत 14 अगस्त से हो रही है। डेविड विसे ने पिछले सीजन में सेंट लूसिया किंग्स को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। विसे ने 11 मैचों में 168.05 के स्ट्राइक रेट और 40.33 की महत्वपूर्ण औसत से 121 रन बनाने के साथ 13 विकेट लिए थे। कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद दिए बयान में डेविड विसे ने कहा, 'सेंट लूसिया किंग्स और सभी प्रशंसकों का विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कप्तान चुने जाने पर मुझे बेहद खुशी है। इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हम सीजन में जोश, दिल और एकता के साथ खेलेंगे।' उन्होंने कहा कि प्रशंसकों, स्टेडियमों को भरने, माहौल को बेहतर बनाने और सेंट लूसिया को नीले रंग से रंगने के लिए हमें आपके साथ की जरूरत है। सेंट लूसिया किंग्स सीजन में अपने अभियान की शुरुआत 23 अगस्त को सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट स्थित डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान पर ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगा।

पाकिस्तान का पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर असमंजस बरकरार

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

अभी हमारी पाकिस्तान हॉकी टीम के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर आधिकारिक रूप से कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बाबत पाकिस्तान सरकार ही अंतिम फैसला लेगी: तारीक बुगती अध्यक्ष, पाकिस्तान हॉकी संघ

हमने ओलंपिक चार्टर की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया: महासचिव, हॉकी इंडिया

नई दिल्ली, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पाकिस्तान के भारत में राजगीर (बिहार) में 29 अगस्त से सात सितम्बर तक होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में शिरकत करने को लेकर असमंजस बरकरार है। पाकिस्तान हॉकी संघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष तारीक बुगती हालांकि भारतीय मीडिया की पाकिस्तान के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत नहीं करने से इस तरह रिपोर्ट का खंडन कर रहे हैं। लाहौर से आ रही खबरों के मुताबिक बुगती ने वहां पाकिस्तानी मीडिया से बात करते हुए कहा,'अभी हमारी पाकिस्तान हॉकी टीम के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर आधिकारिक रूप से कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बाबत पाकिस्तान सरकार ही अंतिम फैसला लेगी। यह फैसला पीएचएफ का नहीं है और इस बाबत पाकिस्तान सरकार का फैसला ही आखिरी फैसला होगा।' मेजबान भारत सहित पुरुष हॉकी एशिया में जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया, पाकिस्तान, ओमान और चीनी ताइपे सहित आठ टीमों को शिरकत करनी है।

राजगीर में होने वाला पुरुष हॉकी एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। हॉकी एशिया कप का विजेता सीधा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा। भारत के एशिया कप जीत सीधे हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। पाकिस्तान यदि 2025 के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत नहीं करने आता है तो उसे ही सबसे ज्यादा नुकसान है। हालांकि पाकिस्तान हॉकी टीम बुरे दौर से गुजर रही है उसके एशिया कप में कोई उलटफेर की उम्मीद भी नहीं है।

जब पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को ले बने असमंजस की बाबत हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह से पूछा गया तो उन्होंने साफ साफ कहा, 'हम ओलंपिक चार्टर का पूरी शिद्दत से पालन करते हैं। हॉकी इंडिया ने ओलंपिक चार्टर के मुताबिक हॉकी एशिया कप के लिए भी सभी प्रक्रियाओं का पालन किया। हमारी भारत सरकार पाकिस्तान हॉकी टीम और उसके सभी खिलाड़ियों को वीजा तक देने को तैयार थी। हमने इसी के तहत पाकिस्तान सहित इसमें शिरकत करने आने वाली सभी टीमों को ओलंपिक चार्टर की प्रक्रिया के तहत न्योता भेजा था। अब यह टीमों को तय करना है कि वह हॉकी एशिया कप में शिरकत करने भारत आना चाहती हैं या नहीं?

जब भोलानाथ सिंह से खासतौर पर पाकिस्तान के पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने को लेकर स्थिति साफ करने की बाबत पूछना चाहा तो उन्होंने कहा कि मैं फिर दोहराना चाहूंगा कि हमने सभी टीमों के लिए ओलंपिक चार्टर का पूरी शिद्दत से पालन किया है फिर चाहे वह पाकिस्तान हो, जापान या कोई अन्य टीम। वह फिर बोले आप पाकिस्तान की टीम के एशिया कप में शिरकत करने को लेकर इतनी ज्यादा तवज्जो देना ही क्यों चाहते हैं।

दरअसल पहलगाम में 26 निर्दोष सैलानियों की उनका धर्म पूछ कर पाकिस्तानियों आतंकियों द्वारा की गई निर्मम हत्या के बाद भारत ने जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' कर 11 एयरबेस को लगभग बर्बाद कर दिया था और इससे पूरा पाकिस्तान ही खौफ में है। ऐसे में राजगीर में हॉकी एशिया कप में अपनी टीम को न भेजने के लिए पाकिस्तान ने बेवजह सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इसमें शिरकत न करने के लिए बहाने बाजी में जुटा है। बुगती ने कहा, 'हमारी न तो पहले और न ही अब तक हॉकी इंडिया से कोई बात हुई है। ऐसे में भारत यह कैसे कहा जा सकता है कि पाकिस्तान ने पुरुष हॉकी एशिया कप में शिरकत करने से इनकार कर दिया। पुरुष हॉकी एशिया में शिरकत करने की बाबत हमारी एशियन हॉकी फेडरेशन से बात हुई है न कि हॉकी इंडिया से। हॉकी इंडिया जो चाहे कह सकता है।हमें हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि हमारी पाकिस्तान टीम की जगह बांग्लादेश को हॉकी एशिया कप में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा गया है।' अब तक के हालात के मुताबिक पाकिस्तान हॉकी संघ के अध्यक्ष बुगती चाहे जो भी कहे लेकिन हकीकत यही लग रही है कि वह इस महीने के आखिर में हॉकी एशिया कप में शिरकत करने भारत नहीं ही आ रहा है।

सार संक्षेप

लियोनल मेसी को आमंत्रित करने पर केरल सरकार के 13 लाख बेकार

तिरुवनंतपुरम। अर्जेंटीना के विश्व प्रसिद्ध फुटबॉलर लियोनल मेसी को राज्य में लाने से संबंधित केरल सरकार का एक दावा भ्रामक साबित हुआ है। केरल सरकार ने दावा किया था कि लियोनल मेसी को लाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं किया गया है, जो गलत साबित हुआ है। दरअसल, केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान सितंबर 224 में मेसी को आमंत्रित करने के उद्देश्य से स्पेन गए थे। उनके साथ खेल विभाग के सचिव और खेल एवं युवा मामलों के निदेशक भी थे। इस यात्रा पर 13 लाख रुपए खर्च हुए थे। यह खुलासा खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान के उस बयान का खंडन करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लियोनल मेसी को केरल आमंत्रित करने में सरकार को 'एक रुपया' भी खर्च नहीं करना पड़ेगा।

आईएसएल अनिश्चितता के बीच चेन्नईयिन एफसी ने फुटबॉल संचालन रोका

नई दिल्ली। दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन चेन्नईयन एफसी ने लीग के भविष्य को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते क्लब के संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित करने का ऐलान किया है। क्लब ने बुधवार को यह घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की। क्लब ने कहा, 'ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। हमारा यह फैसला लंबे विचार-विमर्श और गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। चेन्नईयन एफसी ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने इस कदम से जुड़े मानवीय प्रभाव को भी गंभीरता से समझा है। बयान में कहा गया, 'भारतीय फुटबॉल में एक हिस्सेदार होने की चुनौतियां सभी को पता हैं। इंडियन सुपर लीग के भविष्य को लेकर जारी अनिश्चितता के मद्देनजर, चेन्नईयन एफसी ने क्लब संचालन को अस्थायी रूप से रोकने का बेहद कठिन फैसला लिया है।

11 नेशनल फ्रीडाइविंग रिकॉर्ड के साथ अर्चना शंकर नारायणन ने रचा इतिहास

चेन्नई। भारत की अग्रणी फ्रीडाइवर अर्चना शंकर नारायणन ने 1 से 3 अगस्त तक इंडोनेशिया में आयोजित मनाडो एपनिया प्रतियोगिता में दो नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर एक और उपलब्धि हासिल की है। अर्चना ने कॉन्स्टेंट वेट बाय-फिन्स (सीडब्ल्यूटीबी) श्रेणी में 38 मीटर और कॉन्स्टेंट वेट (सीडब्ल्यूटी) श्रेणी में 4 मीटर की गहराई तक पहुंचकर इतिहास रच दिया। वह प्रतिस्पर्धी फ्रीडाइविंग प्रतियोगिता में 4 मीटर की गहराई पार करने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। यह उपलब्धि अर्चना को भारत की सबसे गहरी फ्रीडाइव करने वाली महिला के रूप में और मजबूत करती है। अब उनके नाम कुल 11 नेशनल टाइटल का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। मनाडो प्रतियोगिता इस वर्ष उनकी तीसरी और कुल मिलाकर पांचवीं डेप्थ प्रतियोगिता थी।

[अर्थ जगत]

डीएचएल एक्सप्रेस ने 'राखी एक्सप्रेस' की शुरुआत की

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में अग्रणी डीएचएल एक्सप्रेस ने अपनी वार्षिक त्योहार विशेष सेवा 'राखी एक्सप्रेस' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य रक्षाबंधन पर्व के इस विशेष अवसर पर परिवारों को जोड़ना और दूरियों को मिटाना है। इस पहल के तहत ग्राहकों को आकर्षक छूट दी जा रही है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राखी और गिफ्ट शिपमेंट्स पर शुल्क 3,099* से शुरू होता है। यह ऑफर देशभर में डीएचएल के 700 से अधिक रिटेल आउटलेट्स और इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर 9 अगस्त 2025 तक मान्य है।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	1.68 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.17 प्रतिशत
इटर्नल	0.97 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.85 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	0.80 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	1.55 प्रतिशत
ट्रेंट	1.06 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	0.85 प्रतिशत
हिंद युनिलिवर	0.74 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.69 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,00,452
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,13,485
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7962.33
मसूर काली	8134.81
उड़द दाल	10493.52
मूंग दाल	10123.90
अरहर दाल	10929.83

भारत के पास घरेलू बाजार, टैरिफ बड़ी समस्या नहीं : मोबियस

- भारत चीन की तरह पूर्ण रूप से निर्यात पर निर्भर नहीं
- 30 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के शिपमेंट को अभी तक रखा बाहर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने गुरुवार को कहा कि भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का देश पर काफी कम असर होगा, क्योंकि यहां विशाल घरेलू बाजार मौजूदा है।

दिग्गज निवेशक ने कहा कि भारत चीन की तरह पूर्ण रूप से निर्यात पर निर्भर नहीं है। इस कारण देश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले टैरिफ से डील करने के लिए अच्छी स्थिति में है। इसके अलावा, भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात भी अच्छा है और यह टैरिफ से बचाने में मदद करेगा। मोबियस ने कहा कि इसका सारांश यह है कि टैरिफ भारत के लिए बड़ी समस्या नहीं है। अमेरिका की ओर से दवाइयों और कुछ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे स्मार्टफोन, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा से जुड़े 30 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के शिपमेंट को अभी तक हाई टैरिफ लिस्ट से बाहर रखा गया है। ट्रंप प्रशासन ने इन प्रमुख उद्योगों को अभी तक नए टैरिफ में शामिल नहीं किया है, जो अगले 21 दिनों में लागू होने वाले हैं।

इसके अलावा, भारत ने वित्त वर्ष 25 में क्रमशः 10.5 अरब डॉलर और 14.6 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (ज्यादातर स्मार्टफोन) का निर्यात किया है, जो अमेरिका को उसके कुल निर्यात का 29 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 25 में 4.09 अरब डॉलर मूल्य का पेट्रोलियम निर्यात भी फिलहाल ट्रंप के नए टैरिफ से सुरक्षित हैं, क्योंकि ऊर्जा को हाई टैरिफ की सूची से बाहर रखा गया है।

वित्त वर्ष 25 में अमेरिका को भारत ने 86.51 अरब डॉलर का निर्यात किया था। मोबियस के अनुसार, भारत जिस तरह की जीडीपी वृद्धि देख रहा है, वह उसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ने में मदद करेगी।

मोबियस ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश 6-7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर रहा है, जो इसकी अर्थव्यवस्था के मजबूती को दर्शाता है।

भारत, रूस के साथ एल्युमीनियम, उर्वरक, रेलवे व खनन क्षेत्र में बढ़ाएगा सहयोग

नई दिल्ली। भारत और रूस ने एल्युमीनियम, उर्वरक, रेलवे और खनन टेक्नोलॉजी में सहयोग को गहरा करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करके अपनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाया है। आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग पर भारत-रूस के वर्किंग ग्रुप के 11वें सत्र में दोनों पक्षों ने एल्युमीनियम, उर्वरक और रेलवे परिवहन के क्षेत्र में साझेदारी का स्वागत किया, साथ ही खनन क्षेत्र के उपकरण, अन्वेषण और औद्योगिक एवं घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन में क्षमता निर्माण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भी सहमति जताई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस इंटरगवर्नमेंटल कमीशन के ढांचे के तहत आयोजित की गई थी।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पहली तिमाही में 47 प्रतिशत बढ़ा

- वित्त वर्ष 2026 में 46-50 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। इंडस्ट्री डेटा से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई, जिसमें मोबाइल फोन निर्यात में मजबूत प्रदर्शन के कारण सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 12.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 8.43 अरब डॉलर था। इस गति के साथ, उद्योग निकाय का अनुमान है कि वित्त वर्ष के अंत तक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 46-50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे अच्छा प्रदर्शन मोबाइल फोन सेगमेंट का रहा, जो 55 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 4.9 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में अनुमानित 7.6 अरब डॉलर हो गया।

अडानी पावर को बिहार में मिली 2400 मेगावाट की बड़ी बिजली परियोजना

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की प्रमुख विद्युत कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को बिहार के भागलपुर जिले में 2400 मेगावाट की एक नई सुपर क्रिटिकल का बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे खुली प्रतिस्पर्धा में बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड से बिजली आपूर्ति के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ है।

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को अडानी पावर की भागलपुर जिले में विकसित होने वाली 2400 मेगावाट की प्रस्तावित नयी ताप विद्युत परियोजना का विकास करेगी और वहां से अनुबंध के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जाएगी। बिहार सरकार की वितरण कंपनी वहां पीरपैंती परियोजना से 2274 मेगावाट बिजली लेगी ।

कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली निविदा प्रक्रिया में अडानी पावर सबसे कम दर पर बिजली देने की बोली लगाने वाली कंपनी घोषित की गई। कंपनी ने कीमत 6.075 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई थी। अनुबंध के तहत, कंपनी भागलपुर जिले में 3 गुणा 800 मेगावाट क्षमता की अपनी नई अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र से बिजली की आपूर्ति करेगी।

ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि उसने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 492 रुपये से 517 रुपए प्रति शेयर तय किया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य एक रुपया है।

यह आईपीओ सोमवार, 11 अगस्त को खुलेगा और बुधवार, 13 अगस्त को बंद होगा। निवेशक कम से कम 29 इक्विटी शेयर और उसके बाद 29 शेयरों के गुणांक में बोली लगा सकते हैं।

यह आईपीओ दो हिस्सों में है। कुल 820 करोड़ रुपये मूल्य तक के नये शेयर जारी किये जायेंगे। इसके अलावा मौजूदा शेयरधारक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 1,39,39,063 इक्विटी शेयरों की बिक्री करेंगे।

ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड अपने फ्लैगशिप ब्रांड ब्लूस्टोन के तहत हीरा, सोना, प्लैटिनम और जड़ी वाले जेवरात बेचती है। साल 2011 में शुरू हुआ यह ब्रांड अब देश के प्रमुख ज्वैलरी रिटेलर्स में से एक है। यह एक डिजिटल-फर्स्ट डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटीसी) ब्रांड है।

घर में बनी थाली की कीमत में जुलाई में 14 प्रतिशत की गिरावट

- प्याज के उत्पादन में वृद्धि से 2025 में कीमतों में गिरावट आई

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिसिल के फूड प्लेट कॉस्ट मंथली इंडीकेटर के अनुसार, कमोडिटी की कीमतों में नरमी के बीच, इस वर्ष जुलाई में घर में बनी शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में क्रमशः 14 प्रतिशत और 13 प्रतिशत कम हुई।

शाकाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर गिरावट सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण हुई, जो एक उच्च आधार पर थी, जिसमें मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू शामिल थे। टमाटर की कीमतें जुलाई में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत गिरकर 66 रुपए प्रति किलोग्राम से 42 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जो एक उच्च आधार प्रभाव के कारण हुआ क्योंकि मौसमी कारणों से कीमतें आमतौर पर जुलाई/अगस्त के आसपास बढ़ जाती हैं। आलू और प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमशः 30 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की गिरावट आई, जो एक उच्च आधार पर थी। एक वर्ष पहले की समान अवधि में, आलू का उत्पादन झुलसा रोग और मौसम परिवर्तन के कारण 5-7 प्रतिशत कम हुआ, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई। प्याज के वार्षिक उत्पादन में 18-20 प्रतिशत की वृद्धि के कारण 2025 में कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिक उत्पादन और स्टॉक स्तर के कारण हुई और चावल की लागत में 4 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट सब्जियों की कम कीमतों और ब्रॉयलर की कीमतों में अनुमानित 12 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट के कारण हुई।

सार संक्षेप

भारत में डेटा ब्रीच की लागत 22 करोड़ रुपए पर पहुंची

नई दिल्ली। भारत में डेटा ब्रीच की औसत संगठनात्मक लागत 225 में 22 करोड़ रुपए के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि है। अमेरिकी कंसल्टिंग कंपनी आईबीएम की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ब्रीच की पहचान और रोकथाम का समय घटकर 263 दिन रह गया है, जो 224 की तुलना में 15 दिन कम है, क्योंकि अधिक संगठनों ने ब्रीच की पहचान करने की अपनी स्पीड में सुधार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में केवल 37 प्रतिशत संगठनों ने एआई एक्सेस कंट्रोल लागू करने की सूचना दी है। लगभग 6 प्रतिशत संगठनों में एआई गवर्नेंस नीतियां नहीं हैं या वे अभी भी उन्हें विकसित कर रहे हैं। जिन संगठनों के पास एआई गवर्नेंस नीतियां हैं, उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही एआई गवर्नेंस तकनीक का उपयोग करते हैं। भारत में, डेटा ब्रीच के प्रमुख कारण फिशिंग उसके बाद थर्ड-पार्टी वेंडर और सप्लाई चेन और वल्नरबिलिटी एक्सप्लॉइटेशन थे।

गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने 11.6 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया

नई दिल्ली। भारत के गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने पिछले एक दशक में 11.59 करोड़ डॉलर जुटाए हैं, जो स्थिर लेकिन मामूली वृद्धि दर्शाता है। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। डेटा इंटेलिजेंस फर्म ट्रैक्सन टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर गिफ्टिंग स्टार्टअप्स ने 215 से अब तक 1.7 अरब डॉलर जुटाए हैं। 225 तक गिफ्टिंग बिजनेस में फंडिंग एक्टिविटी दुनिया भर में और भारत में धीमी रही। 225 में फंडिंग हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय फर्म, इंडिगिफ्ट्स थी और फर्म ने एंजेल राउंड में 57,6 डॉलर जुटाए। भारतीय गिफ्टिंग फर्मों ने 224 में 13 लाख डॉलर और 223 में 3.27 करोड़ डॉलर जुटाए। कोरोना महामारी के बाद गिफ्टिंग बिहेवियर में बदलाव के कारण 222 में इस क्षेत्र में सबसे अधिक फंडिंग एक्टिविटी देखी गई। भारतीय स्टार्टअप्स ने 6.39 करोड़ डॉलर जुटाए, जो उनका अब तक का सबसे अधिक वार्षिक कुल योग है।

भारत में खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र के दिग्गज वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल में कहा है कि भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता है। वेदांता लि. के अध्यक्ष अग्रवाल ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि दुनिया भर की सरकारें चीन पर निर्भरता कम करने के प्रयास में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन के लिए सहयोग बढ़ा रही हैं। चीन वर्तमान में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर हावी है। श्री अग्रवाल एक सोशल मीडिया पोस्ट में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में इस प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया से लेकर अमेरिका तक, सरकारें महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही हैं।

लिवाली की बदौलत गिरावट से उबरा बाजार

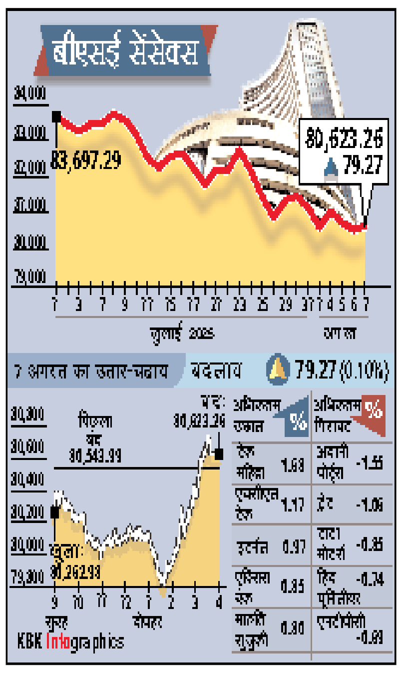

- बढ़त में के साथ बंद हुए प्रमुख सूचकांक
- सेंसेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,623.26 अंक पर
- निफ्टी 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,596.15 अंक पर बंद

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आखिरी दो घंटे में हुई लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौट आयी और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 79.27 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,623.26 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी 21.95 अंक (0.09 प्रतिशत) की तेजी के साथ 24,596.15 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय उत्पादों पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाए जाने के आदेश के बाद आज सुबह बाजार में बिकवाली का जोर रहा। सेंसेक्स 281 अंक की गिरावट के साथ 80.543.99 अंक पर खुला और दोपहर डेढ़ बजे के लुढ़क कर करीब 79,811.29 अंक पर पहुंचा गया था लेकिन इसके बाद कम कीमत पर अचानक लिवाली शुरू होने से आखिरी दो घंटे में 80,737.55 अंक तक चढ़कर आखिरकार 80,623.26 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार, पूरे दिन के दौरान सेंसेक्स में 926 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। निफ्टी-50 का ग्राफ भी लगभग ऐसा ही रहा। इसका दिन का उच्चतम स्तर 24,634.20 अंक और निचला स्तर 24,344.15 अंक रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 के शेयर बढ़त में और अन्य 13 के गिरावट में रहे। टेक महिंद्रा ने सबसे अधिक 1.68 फीसदी, एचसीएल टेक ने 1.17 फीसदी और इटरनल ने 0.97 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईटीसी, सन फार्मा, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। अडानी पोर्ट्स में 1.55 प्रतिशत, ट्रेंट में 1.06 प्रतिशत और टाटा मोटर्स में 0.85 प्रतिशत की गिरावट रही। आईसीआईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर, अडानी पोर्ट्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी लाल निशान में रहे।

एनएसई में रियल्टी और गैस एवं तेल सेक्टरों में गिरावट रही जबकि अन्य सेक्टरों के सूचकांक सुबह की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे और हरे निशान में बंद हुये। आईटी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही। एनएसई में 3,062 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,424 के शेयर हरे निशान में और 1,554 के लाल निशान में बंद हुए जबकि अन्य 84 अपरिवर्तित रहे।

पिछले 5 वर्षों में भारत के एयरपोर्ट्स में हुआ 96 हजार करोड़ रुपए का निवेश : मुरलीधर

- अपने स्वयं के स्रोतों से पूंजीगत व्यय करते हैं निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) ने हवाई यातायात में वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए देश में हवाई अड्डों के विकास, अपग्रेड और आधुनिकीकरण पर वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 96,000 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) किया है।

इस निवेश में से एएआई का हिस्सा 25,000 करोड़ रुपए से थोड़ा अधिक है। वहीं, बाकी का निवेश निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स/ऑपरेटर्स की ओर से किया गया है। नागर विमानन राज्य मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि एएआई मुख्यतः अपने संसाधनों और क्षेत्रीय संपर्क योजना जैसे उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के पहले चरण के अंतर्गत बंद पड़े और कम सेवा वाले हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट्स और जल हवाई अड्डों के पुनरुद्धार और अपग्रेड के लिए आवंटित 4,500 करोड़ रुपए के बजट में से पूंजीगत व्यय करता है।

इसके अलावा, आरसीएस-उड़ान के दूसरे चरण में 2023-24 से 2025-26 की अवधि के दौरान अतिरिक्त हवाई अड्डों , हेलीपोर्ट्स, जल हवाई अड्डों और एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड्स के पुनरुद्धार के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि निजी एयरपोर्ट डेवलपर्स अपने स्वयं के स्रोतों से पूंजीगत व्यय करते हैं। यह निवेश नए हवाई अड्डों, मौजूदा टर्मिनलों के विस्तार और मरम्मत, नई यात्री सुविधाओं को जोड़ने, नए टर्मिनलों, मौजूदा रनवे, एप्रन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण और कंट्रोल टावर व तकनीकी ब्लॉक जैसे एयर नेविगेशन सेवाओं (एएनएस) के कार्यों में किया गया है।

चावल सस्ता, दालों-खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव व चीनी स्थिर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के दाम बढ़ गये जबकि गेहूं की औसत कीमतों में स्थिरता रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा जबकि चीनी की कीमत स्थिर रही।

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 26 रिंगिट गिरकर 4,241 रिंगिट प्रति टन बोला गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.45 प्रतिशत टूटकर 53.38 डॉलर के भाव बोला गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब तीन रुपए की नरमी के साथ 3,829.37 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 2,840.05 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा भी चार रुपए घटकर 3,291.84 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

सरसों तेल औसतन तीन रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल करीब सात रुपए प्रति क्विंटल टूटा। पाम ऑयल तकरीबन 39 रुपए की तेजी में रहा। सूरजमुखी तेल करीब 10 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल 40 रुपए और वनस्पति 19 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया।

दाल-दलहनों में मसूर दाल की कीमत कमोबेश स्थिर रही। चना दाल औसतन तीन रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल करीब दो रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल में तीन रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, दाल मूंग 10 रुपए प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव दो रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए जबकि चीनी में टिकाव देखा गया।

भारत की बिजली उत्पादन क्षमता 231-32 तक 87 गीगावाट पहुंचने का अनुमान : श्रीपद नाइक

- तकनीकों के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की मांग में हुई वृद्धि

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता जून 2025 तक 485 गीगावाट है और सरकार देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2031-32 तक इसे बढ़ाकर लगभग 870 गीगावाट करने की योजना बना रही है।

विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि तेज आर्थिक विकास, घरेलू विद्युतीकरण में विस्तार, बढ़ते शहरीकरण, जीवन स्तर में सुधार और एयर कंडीशनर व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी ऊर्जा-गहन तकनीकों के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की मांग में वृद्धि हुई है।

नाइक ने बताया कि केंद्र ने वर्ष 2034-35 तक थर्मल (कोयला और लिग्नाइट) ऊर्जा क्षमता की आवश्यकता लगभग 3,07,000 मेगावाट होने का अनुमान लगाया है, जबकि 31 मार्च, 2023 तक स्थापित क्षमता 2,11,855 मेगावाट है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, विद्युत मंत्रालय ने न्यूनतम 97,000 मेगावाट अतिरिक्त कोयला और लिग्नाइट आधारित थर्मल ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई है। अप्रैल 2023 से जून 2025 तक लगभग 11,680 मेगावाट की थर्मल क्षमताएं पहले ही चालू हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, 38,935 मेगावाट थर्मल क्षमता वर्तमान में निर्माणाधीन है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 में 15,440 मेगावाट थर्मल क्षमता के लिए अनुबंध दिए जा चुके हैं और निर्माण कार्य पूरा होना है। उन्होंने बताया कि देश में अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए 35,460 मेगावाट कोयला और लिग्नाइट आधारित संभावित क्षमता की पहचान की गई है, जो नियोजन के विभिन्न चरणों में है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि 13,463.5 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा, 9,802 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं नियोजन के विभिन्न चरणों में हैं और इन्हें 2031-32 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी बताया कि 6,600 मेगावाट क्षमता की परमाणु क्षमता निर्माणाधीन है और इसे 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

बंगाल के मजदूरों की याचिका पर राज्य शासन को हाईकोर्ट ने दिया नोटिस

कोंडागांव पुलिस ने बंग्लादेशी बताकर 12 मजदूरों को किया था गिरफ्तार

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पश्चिम बंगाल के 12 मजदूर जिन्हें कोंडागांव पुलिस ने बांग्लादेशी कहकर गिरफ्तार किया था और बाद में भारतीय नागरिक होने के कारण छोड़ दिया था, जी की याचिका पर हाई कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शासन को नोटिस जारी किया है। याचिका में 12 मजदूरों के खिलाफ की गई धारा 128 की कार्रवाई को रद्द करने और 100000 मुआवजे की मांग के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य में स्वतंत्रता पूर्वक रोजगार करने के लिए सुरक्षा की मांग की गई है।

राज्य शासन दो सप्ताह में जवाब देगा उसके बाद फिर सुनवाई होगी।

अगस्त पश्चिम बंगाल के कृष्ण नगर और मुर्शिदाबाद क्षेत्र के निवासी महबूब शेख और 11 अन्य लोगों ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में याचिका लगाकर उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 128 के तहत की गई कार्रवाई को रद्द करने की मांग की है याचिका में पुलिस हिरासत में उनके साथ की गई मारपीट दुर्व्यवहार आदि के बदले में एक लाख रुपए प्रति व्यक्ति मुआवजा देने की भी मांग की गई है साथ ही साथ यह मांग की गई है कि छत्तीसगढ़ राज्य में अगर वह रोजगार के लिए मजदूर के रूप में आते हैं तो उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए। आज हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी डी गुरु की खंडपीठ ने इस याचिका पर राज्य शासन से दो सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए हैं और उसके पश्चात एक सप्ताह में याचिका करता की ओर से प्रति उत्तर देने के निर्देश है जिसके बाद इस याचिका पर आगे सुनवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि 29 जून को पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर और मुर्शिदाबाद क्षेत्र के 12 निर्माण श्रमिक जो ठेकेदार के माध्यम से बस्तर के कोंडागांव में एक स्कूल निर्माण के लिए श्रमिक के रूप में गए थे, को 12 जुलाई को साइबर सेल पुलिस थाना कोंडागांव ने स्कूल निर्माण साइट से सुपरवाइजर श्री पाण्डेय के साथ गाड़ी में भर कर ले गई थी। साइबर सेल खाने में इन 12 श्रमिकों के साथ मारपीट की गई गाली गलौज की गई और दुर्व्यवहार किया गया साथ ही इन्हें लगातार आधार कार्ड आदि प्रस्तुत करने के बाद भी बांग्लादेशी हो करके संबोधित किया गया। शाम 6 बजे इस सभी को कोंडागांव पुलिस कोतवाली ले जाया गया और वह से रात के समय गाड़ी में भर कर 12 और 13 जुलाई की दरमियानी रात जगदलपुर सेंट्रल जेल दाखिल कर दिया गया।

13 जुलाई को हल्ला मचने पर उनके रिश्तेदारों ने सांसद महुआ मित्रा से संपर्क किया और पश्चिम बंगाल पुलिस ने इन सभी के भारतीय नागरिक होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस आधार पर अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव और रजनी सोरेन ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका हाइकोर्ट में दायर की। याचिका सुनवाई में आने के पूर्व एस डी एम कोंडागांव के आदेश से 14 जुलाई को उन्हें रिहा कर दिया गया हालांकि सभी को पुलिस के द्वारा धमकाया गया और छत्तीसगढ़ छोड़ने को मजबूर कर दिया गया। जिसके कारण सभी मजदूर अपनी रोजी रोटी गंवा कर पश्चिम बंगाल लौट गए।

हाइकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि वे सभी भारतीय नागरिक है और पूरे देश में कहीं भी रोजी रोटी कमाने का उन्हें संवैधानिक अधिकार है।वे करीब 12 दिन से कोंडागांव स्कूल में काम कर रहे थे और उन्होंने ना अपनी पहचान छुपाई और ना ही कोई अपराध किया गिर भी उन्हें प्रताड़ित किया गया।

राज्य शासन इस याचिका का जवाब दो सप्ताह में देगी और एक सप्ताह में याचिका करता इसका प्रतिउत्तर देंगे। जिसके बाद हाइकोर्ट में आगे सुनवाई होगी। आज याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव और रजनी सोरेन ने बहस की।

कोनी क्षेत्र में मेडिकल दुकानों किया गया चेक,एक दवा दुकान को किया सील

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा जिले में चेतना विरुद्ध नशा अभियान के तहत नशे की प्रतिबंधित दवाइयों के बिक्री एवं बिना लायेसेंस के मेडिकल स्टोर के संचालन पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके परिपालन में अतिरिक्त.पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली, गगन कुमार के निर्देश पर शहर के सभी मेडिकल स्टोर मे हो रहे प्रतिबंधित दवाइयां की बिक्री एवं बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर का संचालन करने वाले के ऊपर सतत निगाह रखा जा रहा है. इसी तारतम्य मे बुधवार को औषधि निरीक्षक नीलिमा साहू एवं राहुल तिवारी थाना प्रभारी कोनी के संयुक्त टीम ने थाना कोनी क्षेत्र मे श्री गणेश मेडिकल स्टोर, श्रद्धा मेडिकल स्टोर और आरके मेडिकल स्टोर को चेक किया. चेकिंग के दौरान श्री गणेश मेडिकल स्टोर का संचालक दीपक सोनवानी और श्रद्धा मेडिकल स्टोर का संचालक निशा सिंह उपस्थित मिले।दोनों मेडिकल स्टोर को चेक किया गया। कोई प्रतिबंध टैबलेट एवं दवाई नहीं मिला, दवाइयां का बिल को चेक किया जो सही पाया गया। दोनों मेडिकल संचालक के ओनर को आवश्यक दिशा निर्देश एवं समझाइश दिया गया। एक अन्य मेडिकल आरके मेडिकल स्टोर,सेंदरी अस्पताल के सामने को भी चेक किया गया जिसका मालिक नहीं मिला। मेडिकल केयर टेकर ने दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थता बताई। जिसके ऊपर कार्रवाई करते हुए आर.के. मेडिकल स्टोर को सील किया गया है। सी एस पी कोतवाली गगन कुमार, आईपीएस ने इस तरह की कार्यवाही भविष्य में तीव्र गति से करने की बात कही है।

पंजाब एंड सिंध बैंक ने वित्तीय समावेशन अभियान चलाया

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। पंजाब एंड सिंध बैंक ने अपने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्वरूप कुमार साहा के नेतृत्व में, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में एक व्यापक वित्तीय समावेशन अभियान चलाया है। इस अभियान का उद्देश्य समाज के अन्बैकड और अंडरबैक्ड वर्गों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है, जिससे वित्तीय साक्षरता और समावेशन को बढ़ावा मिल सके।

यह पहल बैंक की वित्तीय समावेशन को गहरा करने और सरकार के प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिससे अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया जा सके। इस अभियान के दौरान, बैंक अधिकारी व्यक्तियों और व्यवसायों को जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिससे वे बैंक खाते खोल सकें, ऋण सुविधाओं का लाभ उठा सकें और अन्य बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकें।

इस अभियान से बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोगों को लाभ होने की उम्मीद है, और यह बैंक के वित्तीय समावेशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों में योगदान करेगा।

मुख्य उद्देश्य

समाज के अन्बैक्ड और अंडरबैक्ड वर्गों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना,वित्तीय साक्षरता और समावेशन को बढ़ावा देना,सरकार के प्रयासों को समर्थन देना और अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाना,बचत खाते, ऋण सुविधाएं और बीमा उत्पादों सहित बैंकिंग सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करना।

अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव

हम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में वित्तीय समावेशन और साक्षरता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा अभियान समाज के सभी वर्गों को सुलभ और किफायती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए है, और हमें विश्वास है कि यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

स्वरूप कुमार साहा
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पंजाब एंड सिंध बैंक

माता शबरी गर्ल्स कॉलेज का हॉस्टल बदहाल छात्राएं मजबूरन पीजी में रहने को विवश

एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन, दी 15 दिन में कार्रवाई की चेतावनी

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। शासकीय माता शबरी गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं के लिए बनाए गए छात्रावास (हॉस्टल) की जर्जर स्थिति, वर्षों से बंद पड़े रहने और पुन: संचालन की दिशा में प्रशासन की निष्क्रियता, लैब लाइब्रेरी में पर्याप्त पुस्तक उपकरण तथा संसाधनों को लेकर आज एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह के नेतृत्व में प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि यह हॉस्टल वर्ष 2016 में निर्माण के पश्चात प्रारंभ किया गया था, जो 2018ङ्क19 तक सीमित रूप से संचालित हुआ, लेकिन कोरोना काल के बाद से अब तक पूर्णत: बंद है। इस दौरान कॉलेज में पढ़ने आने वाली छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई, विशेषकर ग्रामीण, दूरस्थ व सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाली छात्राएं, जिन्हें रहने की कोई भी सरकारी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

कॉलेज में कैंटीन का संचालन बंद है,पुस्तकालय में नई सत्र और एनईपी पाठ्यक्रम की पुस्तकों का अभाव है,विज्ञान प्रयोगशालाओं में पर्याप्त उपकरणों के न होने से प्रायोगिक कक्षाओं में असुविधा हो रही है।

जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि कॉलेज में हज़ारों की संख्या में छात्राएं पंजीकृत हैं, जिनमें बड़ी संख्या उन छात्राओं की है जो अन्य जिलों, ब्लॉकों और गांवों से आती हैं। हॉस्टल बंद होने के कारण ये छात्राएं निजी पीजी या किराए के मकानों में अत्यधिक खर्च पर रहने को मजबूर हैं, जिससे उनके अभिभावकों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

हॉस्टल की स्थिति का मौके पर एनएसयूआई प्रतिनिधियों ने कॉलेज प्राचार्य के साथ निरीक्षण भी किया, जिसमें यह सामने आया कि भवन की दीवारें सीलन से कमजोर हो चुकी हैं, दरवाज़ों पर ताले लगे हैं, फर्श टूटी हुई है, और साफ-सफाई या सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्था नहीं है।

प्राचार्य डॉ के के भंडारी से इसके मरम्मत के संबंध में बात किए जाने पर उन्होंने बताया कि जनवरी माह से इसके मरम्मत के लिए 28 लाख का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी विभाग से बनाकर मंत्रालय भेजा गया है, जिसके लिए बजट भी स्वीकृत हो चुका है परन्तु दुर्भाग्य है कि आज तक बजट की राशि विभाग में जमा नहीं हो पाई है और कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। साथ ही पुस्तकालय में एनईपी और नई सत्र की पुस्तकें नहीं होने का बात स्वीकार किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा माता शबरी गर्ल्स कॉलेज की छात्राएं यदि आज भी सुरक्षित, सस्ती और सम्मानजनक आवासीय सुविधा से वंचित हैं, तो यह पूरे शिक्षा तंत्र पर सवालिया निशान है। हॉस्टल पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद वह सालों से बंद है, यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि घोटाले की निशानी है। एनएसयूआई मांग करती है कि हॉस्टल को तुरंत चालू कर सभी सुविधाएं बहाल की जाएं और इसके निर्माण व बंद होने के पीछे की पूरी प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच हो। यदि 15 दिनों के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो हम कॉलेज परिसर में तालाबंदी व गेट के बाहर चक्काजाम कर चरणबद्ध आंदोलन करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू से केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री एवं विभिन्न सांसदों ने की सौजन्य भेंट

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। नई दिल्ली स्थित निवास पर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू से केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री एवं पश्चिम बंगाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने सौजन्य मुलाकात की।

इस अवसर पर उनके साथ छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) से सांसद विवेक बंटी साहू, हजारीबाग (झारखंड) से सांसद मनीष जायसवाल, जयपुर (राजस्थान) से सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, कानपुर (उत्तरप्रदेश) से सांसद रमेश अवस्थी एवं कुशीनगर (उत्तरप्रदेश) से सांसद विजय कुमार दुबे भी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान सांसदगणों ने अपने क्षेत्रों में आवासन, शहरी विकास, आधारभूत संरचना, स्मार्ट सिटी, पेयजल एवं स्वच्छता से संबंधित

विषयों पर विस्तृत चर्चा की। तोखन साहू ने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और पहलों की जानकारी साझा करते हुए जनप्रतिनिधियों को आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। यह सौजन्य भेंट 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के संकल्प को और मजबूत करने वाली सिद्ध हुई।

साइबर सेल ने 50 लाख रु कीमती 220 नग मोबाईल बरामद कर संबंधितो को सौंपा

जून 2024 में भी 200 से अधिक गुम मोबाईल रिकवर कर किये गये वापस

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो में मोबाईल गुमने की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा गुम मोबाईल तलाश कर संबंधितो को वापस करने के निर्देश दिये गये थे। निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण व एसीसीयू) अनुज कुमार के मार्गदर्शन में ए.सी.सी.यू. के अधिकारी कर्मचारियो द्वारा चेतना अभियान चलाकर छत्तीसगढ के विभिन्न जिलो सहित मध्य प्रदेश, झारखण्ड, उडीसा एवं महाराष्ट्र से करीब 220 नग मोबाईल बरामद किया गया जिसे गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा मोबाईल धारको को वापस प्रदान किया गया।

वापस किये गये मोबाईल की कीमत लगभग 50 लाख रू है। गुमे हुये मोबाईल वापस पाने की आस छोड चुके व्यक्तियो को जब उनका मोबाईल वापस किया गया तो वे लोग काफी खुश हुये और बिलासपुर पुलिस के इस चेतना अभियान की सराहना करते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित बिलासपुर पुलिस के सभी अधिकारी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसीसीयू बिलासपुर में पदस्थ उप निरीक्षक प्रभाकर तिवारी द्वारा वर्तमान में प्रचलित सायबर ठगी के नये प्रारूप डिजीटल अरेस्ट, सेक्सटार्सन (वीडियो कॉलिंग के माध्यम से), वॉट्सएप्प की डी.पी. बदलकर ठगी करने, बिटकॉईन, दुरिजम प्लॉन के नाम पर, कस्टमर केयर के नाम पर, ऑनलाईन लोन एप्प व अन्य तरीको से किये जाने वाले अद्यतन ठगी के बारे में जानकारी एवं बचने के उपाय साझा किये गये। गुम हुये मोबाईल की बरमदगी में ए.सी.सी.यू. बिलासपुर प्रभारी निरीक्षक अजहर उद्दीन प्र.आर. आतिश पारिक, राहुल सिंह, आरक्षक राघवेन्द्र साहू, प्रशांत राठौर, प्रशांत सिंह, विकास राम, मुकेश वर्मा, सतीश भारद्वाज, नवीन एक्का, दीपक यादव व ए.सी.सी.यू. की सम्पूर्ण टीम की महत्वपुर्ण भूमिका रही।

रील,स्टंट मामले में संतोष जनक रिपोर्ट पेश नहीं हुआ तो अफसरों पर होगी कार्रवाई

लग्जरी गाड़ियों से हाइवे जाम करने का मामला

हाईकोर्ट ने शहर के दो अन्य घटनाओं को भी लिया संज्ञान में

फिर से मंगाया शपथ पत्र,पूछा- कब तक पूरी होगी जांच?

बिलासपुर, 7 अगस्त (देशबन्धु)। महंगी गाड़ियों में धनाढ्य परिवार के लड़को द्वारा सड़कों पर रील, स्टंट और नाच-गाने की हरकतों को अब हाईकोर्ट ने काफी गंभीरता से लिया है। जजों के सख्त रवैए से अधिकारियों की घिग्घी बंद हो गई है।हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नेशनल हाईवे पर वाहनों में बैठ रील बनाने के तीन हाईप्रोफाइल मामलों पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। हाइकोर्ट चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इन मामलों को स्वत: संज्ञान में लिया है और शासन से दो टूक सवाल पूछा है कि अब तक क्या कार्रवाई की गई? और भविष्य में इस पर रोक लगाने के लिए क्या योजना है? हाईकोर्ट ने जिन तीन मामलों को स्वत: संज्ञान में लिया है, उनमें एक से बढ़कर एक दिखावा और कानून तोड़ने की धृष्टता देखने को मिली, इस पर हाईकोर्ट बेहद नाराजगी जाहिर की है।

बताएं मामलों पर अब तक क्या किया गया?

राज्य शासन के अधिवक्ता से जस्टिस सिन्हा ने पूछा कि, अब तक दोषी लोगों पर क्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने इसके साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को एक हलफनामे पर सारी बातों का उल्लेख करने का निर्देशित किया। इसमें बताने को कहा गया है कि, पुलिस ने अपनी जांच में अब तक क्या कार्रवाई की है। इस पर मॉनिटरिंग करते हुए कोर्ट ने सितंबर माह में सुनवाई तय की है।

सबसे पहला मामला उस वक्त सामने आया, जब एक रईसजादा अपनी नई लक्जरी गाड़ी शो-रूम से लेकर निकला और शहर में डर का माहौल खड़ा करता हुआ पूरे काफिले के साथ सड़क पर उतरा, एक जैसे काले रंग की 6 लक्जरी गाड़ियां, ड्रोन कैमरा, हाईटेक शूटिंग और तेज बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ रील बनाई गई। नेशनल हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति भी बन गई। मीडिया में खबरें आने और हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद पुलिस हरकत में आई और गाड़ियों की जब्ती के साथ चालानी कार्रवाई की गई। कोर्ट ने इस पर सवाल किया है

इसके पूर्व हुई सुनवाई में भी चीफ जस्टिस ने कहा था कि, सड़कों पर इस तरह का उपद्रव लोगों की जान को खतरे में डालना है। पुलिस की कार्रवाई बेहद निराशाजनक है। विशेष रूप से तब, जब इसमें अमीर या बिगड़ैल बच्चे शामिल पाए जाते हैं। पुलिस ने ऐसे युवकों को केवल 2000 रुपए का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया, जो उनके लिए कोई मायने नहीं रखता, इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी।

इसी तरह- बिलासपुर के रिवर व्यू में कुछ युवकों ने चलती कार के सनरूफ में खड़े होकर रील बनाई। दृश्य बेहद खतरनाक थे। सोशल मीडिया पर वायरल रील के बाद जब मामला तूल पकड़ा, तब पुलिस ने चार रीलबाजों को गिरफ्तार किया।

एक और मामले में फिल्म अभिनेता संजय दत्त के जन्मदिन पर हर साल की तरह एक समर्थक अपने साथियों के साथ सड़क पर केक काता और %जी हां, मैं हूं खलनायक गाने पर नाचते हुए रील बनाया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। मुख्य सड़क पर ऐसा करने पर युवक को पहली बार गिरफ्तार किया गया।

संतोषजनक रिपोर्ट नहीं दिए तो अधिकारियों पर आएगी शामत

इन मामलों में पहले ही हाईकोर्ट ने प्रदेश शासन के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था, जो गुरुवार को पेश किया गया। अब अदालत ने तीनों घटनाओं की रिपोर्ट भी तलब की है और पूछा है कि एफआइआर दर्ज होने के पश्चात जांच में क्या-क्या सामने आया और क्या कार्रवाई की गई ? हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि, यदि अगली सुनवाई में संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई तो संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

श्री शारदेश्वर पारदेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक और श्रावणी पूर्णिमा का महत्व

श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को श्रावणी पूर्णिमा कहा जाता है, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और कल्याणकारी मानी जाती है। इस दिन रक्षाबंधन, यज्ञोपवीत संस्कार और ब्राह्मणों के उपाकर्म जैसे अनेक धार्मिक कार्य होते हैं। उक्त बाते पीतांबरा पीठाधीश्वर आचार्य डॉ. दिनेश महाराज ने बताया।

उन्हों ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म के 3 पक्ष है प्रायश्चित संकल्प, संस्कार और स्वाध्याय।

प्रायश्चित्त संकल्प-इसमें हेमाद्रि स्नान संकल्प। गुरु के सान्निध्य में ब्रह्मचारी गोदुग्ध, दही, घृत, गोबर और गोमूत्र तथा पवित्र कुशा से स्नानकर वर्षभर में जाने-अनजाने में हुए पापकर्मों का प्रायश्चित्त कर जीवन को सकारात्मकता दिशा देते हैं। स्नान के बाद ऋषिपूजन, सूर्योपस्थान एवं यज्ञोपवीत पूजन करने के विधान है।

संस्कार- उपरोक्त कार्य के बाद नवीन यज्ञोपवीत या जनेऊ धारण करना अर्थात आत्म संयम का संस्कार होना माना जाता है। इस संस्कार से व्यक्ति का दूसरा जन्म हुआ माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि जो व्यक्ति आत्म संयमी है, वही संस्कार से दूसरा जन्म पाता है और द्विज कहलाता है।

स्वाध्याय- उपाकर्म का तीसरा पक्ष स्वाध्याय का है। इसकी शुरुआत सावित्री, ब्रह्मा, श्रद्धा, मेधा, प्रज्ञा, स्मृति, सदसस्पति, अनुमति, छंद और ऋषि को घृत की आहुति से होती है। जौ के आटे में दही मिलाकर ऋवेद के मंत्रों से आहुतियां दी जाती हैं। इस यज्ञ के बाद वेद-वेदांग का अध्ययन आरंभ होता है।

श्रावणी उपाकर्म में पाप-निवारण हेतु पातकों, उपपातकों और महापातकों से बचने, परद्रव्य अपहरण न करने, परनिंदा न करने, आहार-विहार का ध्यान रखने, हिंसा न करने, इंद्रियों का संयम करने एवं सदाचरण करने की प्रतिज्ञा ली जाती है।

रक्षाबंधन की पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 9 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर होगा. उदयातिथि के अनुसार, रक्षाबंधन इस बार 9 अगस्त 2025, शनिवार के दिन ही मनाया जाएगा। इस अवसर पर गौ सेवा आयोग अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ शासन, सपत्नीक श्रीमती उमेंदा देवी पटेल,एएसपी ग्रामीण श्रीमती अर्चना झा, निमेष झा हाई कोर्ट अधिवक्ता सपरिवार,श्रीमती मीता मल्लिक, तुमिता मल्लिक, सोमून मल्लिक, गुणेंद्र पटेल, मनकामना मिश्रा, आशीष दुबे आदि महारुद्राभिषेकात्मक महायज्ञ में सम्मिलित हो रुद्राभिषेक पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किये।

NECC

08.08.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	470	80	180
चिल्हर	6.00	100	200
डिलीवरी	485 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 78 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771